

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

विलासपुर, सोमवार, 18 सितंबर 2023 | वर्ष - 33 | अंक -140 | पृष्ठ -12 | मूल्य - 4.00 रु.

तीजा तिहार आज

■ विपक्षी एकता को बचाना बड़ी चुनौती
■ नफ़रत के खिलाफ असहयोग आंदोलन

4

■ किम जोंग उन 6 दिन बाद रूस से उत्तरी कोरिया रवाना
■ नाटो 2024 में करेगा सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास

9

डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे नीरज चोपड़ा

10

भारत आठवीं बार एशिया कप चैंपियन

श्रीलंका को दस विकेट से दी शिकस्त, सिराज ने 21 रन देकर छह विकेट झटके

कोलंबो, 17 सितंबर (एजेंसियां)। मोहम्मद सिराज (21 रन पर छह विकेट) और हार्दिक पंड्या (तीन रन पर तीन विकेट) की कातिलाना गेंदबाजी की बदौलत भारत ने रविवार को गत विजेता श्रीलंका को दस विकेट

श्रीलंका के नहस कर मेजबान के खेल में बना

7 ओवर
1 मेडन
21 रन पर
6 विकेट

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सिराज सबसे तेज गति से एक दिवसीय 50 विकेट लेकर चौथे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। सिराज ने अपना मैन आफ द मैच ग्रांडडस्टाफ को दिया।



से रौंद कर आठवीं बार एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया। एशिया कप समेत एक दिवसीय क्रिकेट के इतिहास में भारत की यह अब तक की सबसे बड़ी जीत है। भारत को पांच साल के अंतराल के बाद एशिया कप की चमकमताती ट्रॉफी अपने घर लाने का मौका मिला है। इससे पहले वर्ष 2018 में भारत ने एशिया कप जीता था।

15.2 ओवर में सिमटी मेजबान टीम इस ऐतिहासिक जीत का सेहरा करिश्माई गेंदबाज हैदराबाद के मोहम्मद सिराज के सिर पर बंधा, जिन्होंने अपनी लहराती गेंदों से



राजधानी में आज से जी-20 की बैठक

■ विदेशी प्रतिनिधि पहुंचे लगे, मेहमानों को पहनाया गया छत्तीसगढ़िया गमछ
■ नवा रायपुर की सड़कों को जी-20 थीम पर सजाया गया



रायपुर, 17 सितंबर (देशबन्धु)। नया रायपुर में आज से दो दिवसीय जी-20 की बैठक शुरू हो रही है। रविवार से विदेशी प्रतिनिधियों के आने का सिलसिला शुरू हो चुका है। ये सभी 18-19 सितंबर को रायपुर में होने वाली 20 समिट में शामिल होंगे। रायपुर एयरपोर्ट पर टैट छत्तीसगढ़िया अंदाज में इन विदेशी मेहमानों का स्वागत किया गया। छत्तीसगढ़ी लुगार पहनी युवतियों ने सभी को तिलक लगाकर छत्तीसगढ़िया गमछ पहनाया। एयरपोर्ट के बाहर करमा ददरिया नृत्य करते गीत गाते कलाकार नजर आए।

जी 20 समिट की बैठक नवा रायपुर में आयोजित की जानी है। इसके लिए छत्तीसगढ़िया थीम पर तमाम सड़कों को सजा दिया गया है। एयरपोर्ट के बाहर छत्तीसगढ़ के बस्तर आर्ट और छत्तीसगढ़ महतारी के आर्टवर्क दिखाई दे रहे हैं। बड़े-बड़े वर्ड आउट जी 20 के लगाए गए हैं। छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को इमारतों को देश भर में पहचानी जाती हैं उन्हें भी विशाल आकृतियों के साथ सड़कों पर सजाया गया है। छत्तीसगढ़ में अलग-अलग देश से डेलीगेट्स आ रहे हैं। आज दिन भर डेलीगेट्स का आने जाने का सिलसिला

600 से ज्यादा पुलिस कर्मियों की इयूटी बैठक की सुरक्षा में 12 एएसपी, 25 डीएसपी, 50 इंसपेक्टर और 600 जवानों की इयूटी लगाई है। अतिथियों और उनकी सुरक्षा में आए कर्मियों को संवाद करने में परेशानी ना हो, इसलिए अंग्रेजी के अच्छे जानकारों को इस दल में शामिल किया गया है। ये सुरक्षाकर्मी पहले लेयर में रहेंगे। आवश्यकता पड़ने पर यह प्रतिनिधियों और उनके सुरक्षाकर्मियों से चर्चा करेंगे और उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे।

लगा रहेगा। नीदरलैंड, स्वीजरलैंड, यूनाइटेड स्टेट, जर्मनी समेत 16 देशों के डेलीगेट्स आ रहे हैं। एयरपोर्ट से

लेकर रिसोर्ट में फेफेर तक अनेक देशों के फ्लैग्स लहरा रहे हैं। बैठक को लेकर >> शेष पृष्ठ 2 पर >>

सार संक्षेप

राज्यपाल-मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी तीजा तिहार की बधाई

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के प्रमुख लोक तिहार तीजा के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी लोगों को हार्दिक सुख, समृद्धि की कामना की है।

मणिपुर में सैनिक का अपहरण, हत्या

इम्फाल। भारतीय सेना के एक जवान का शव, जिसका शनिवार को कुछ हथियारबंद लोगों ने अपहरण कर लिया था, रविवार को इम्फाल पूर्वी जिले में मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। जवान छुड़ी पर घर आया हुआ था। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि तीन हथियारबंद लोगों ने शनिवार को बंदूक की नोक पर डिफेंस सर्विस कोर (डीएससी) के 49 वर्षीय सर्टे थांगथांग कोम का इम्फाल पश्चिम जिले के हेप्पी वैली के तारुंग स्थित उनके घर से अपहरण कर लिया। उनका गोलियों से छलनी शव रविवार को इम्फाल पूर्वी जिले के खुनिंगथेक गांव पूर्व में पाया गया।

कांग्रेस विधायक मम्मन खान की रिमांड बढ़ी

गुरुग्राम। नूंह हिंसा भड़काने के आरोपी फिरोजपुर झिरका के कांग्रेस विधायक मम्मन खान को रविवार को फिर से एक अदालत में पेश किया गया, जिसने विशेष जांच दल (एसआईटी) को उनकी रिमांड की अवधि दो दिन के लिए बढ़ा दी। अदालत ने खान को तीन अन्य मामलों में भी न्यायिक हिदायत में भेज दिया।

ईडी ने हेमंत सोरेन को चौथा समन भेजा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 23 सितंबर को जमीन हड़पने के मामले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच में शामिल होने के लिए एक नया समन भेजा है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। सोरेन को जारी किया गया यह चौथा समन था। पिछली बार उन्हें 9 सितंबर को पेश होने के लिए कहा गया था। ताजा समन मिलने के बाद सोरेन ने शीर्ष अदालत का रुख भी किया था।

माम में अब लाइली बहना को मिलेगा आवास

भोपाल। मध्य प्रदेश में अमल में लाई गई लाइली बहना योजना के तहत जहां पात्र महिलाओं को डर माह वर्तमान में 12.5 रुपये माह दिए जा रहे हैं, गैस सिलेंडर साढ़ेचार सौ में मिलने लगे हैं तो वहीं अब उन महिलाओं को आवास दिया जाएगा, जिनको किसी अन्य योजना के तहत आवास नहीं मिले हैं।

विशेष सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक

विपक्षी पार्टियों ने उठाया महिला आरक्षण विधेयक का मुद्दा

नई दिल्ली, 17 सितंबर (देशबन्धु)। संसद के विशेष सत्र से एक दिन पहले रविवार को सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस दौरान बीजू जनता दल (बीजद) और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) समेत कई क्षेत्रीय दलों ने महिला आरक्षण विधेयक को संसद में पेश करने पर जोर दिया। सर्वदलीय बैठक में शामिल होने संसद भवन परिसर पहुंचे कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि उनकी पार्टी सर्वदलीय बैठक के दौरान महंगाई, बेरोजगारी, सामाजिक संघर्ष और मणिपुर की स्थिति जैसे मुद्दे उठाएंगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा में सदन के उपनेता एवं

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, राज्यसभा में सदन के नेता और संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बैठक में सरकार का प्रतिनिधित्व किया। बैठक

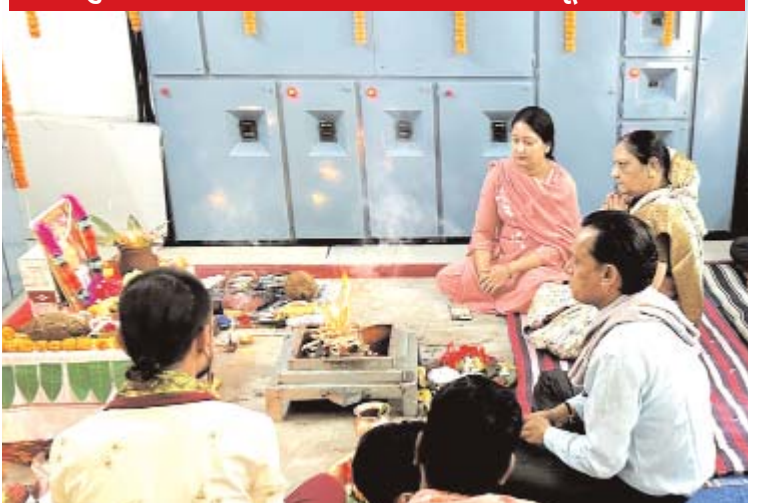
■ महंगाई, बेरोजगारी, सामाजिक संघर्ष और मणिपुर की स्थिति जैसे मुद्दे उठाएंगी कांग्रेस

के बाद संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने जानकारी दी कि सर्वदलीय बैठक में 34 दल के 51 नेताओं ने इसमें हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि एजेंडा में चार बिल लिस्टेड हैं। उन्होंने कहा कि कई दलों

ने अपनी बात रखी है, लेकिन सरकार अपने एजेंडे पर काम करती है।

34 दल के 51 नेताओं ने हिस्सा लिया- कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, पूर्व प्रधानमंत्री और जद (एस) नेता एच.डी. देवेगौड़ा, द्रमुक सांसद कनिमोड़ी, तेदपा के राम मोहन नायडू, तृणमूल कांग्रेस के डेक ओब्रायन, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह, बीजद के सस्मित पात्रा, बीआरएस नेता के. केशव राव, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के वी. विजयसाई रेड्डी, राजद के मनोज झा, जदयू के अनिल हेगड़े और समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव ने बैठक में हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री निवास में भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना



रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की धर्मपत्नी श्रीमती मुक्तेश्वरी बघेल ने विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर अपने निवास में पूर्ण विशि-विधान एवं मंत्रोच्चार के बीच भगवान विश्वकर्मा जी की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और सुशाहली की कामना की। मुख्यमंत्री बघेल हैदराबाद के विदे पर हैं।

हैदराबाद में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक का समापन

कांग्रेस चुनाव के लिए तैयार, बहुमत का है भरोसा

हैदराबाद, 17 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस कार्यसमिति की हैदराबाद में चल रही बैठक रविवार को खत्म हो गई। इस दौरान 14 सूत्रीय प्रस्ताव पास किया गया। इसमें भरोसा जताया गया है कि पार्टी साल के अंत में 5 राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में बहुमत हासिल कर लेगी। साल के अंत में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना में चुनाव होने हैं। बैठक में चुनावी राज्यों के अध्यक्षों ने भी अपनी प्रस्तुति दी। इसमें चुनावी रणनीति, प्रचार और तैयारियों के बारे में बताया गया। प्रस्ताव में कहा गया है कि देश की जनता बदलाव चाहती है और कांग्रेस आने वाले चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है। पार्टी कानून-व्यवस्था,

■ कांग्रेस कार्यसमिति ने 14 सूत्रीय प्रस्ताव पास किया
■ राज्यों के पार्टी प्रमुखों ने अपनी तैयारियों की दी प्रस्तुति

स्वतंत्रता, सामाजिक-आर्थिक और समानता को लेकर जनता की उम्मीदों को पूरा करेगी।
ये आराम से बैठने का वक्त नहीं: खड़गे
बैठक के दूसरे दिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस नेताओं को चुनाव के लिए तैयार रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ये आराम से बैठने का समय नहीं है। दिन-रात मेहनत करनी होगी। जहां हमारी राज्य सरकारें हैं, उनके अच्छे कामों को प्रचारित करना होगा। >> शेष पृष्ठ 2 पर >>

कांग्रेस ने जनसभा कर दिखाई ताकत

तेलंगाना से 100 दिन में हटेगी बीआरएस सरकार : राहुल

राहुल गांधी ने हैदराबाद के रंगारेड्डी तहत् हर महिला को 2500 रुपए हर में 17 सितंबर को जनसभा को संबोधित महीने दिए जाएंगे। गैस सिलेंडर 500 रुपये में मिलेगा। साथ ही महिलाओं के लिए सरकारी बसों में मुफ्त सफर की व्यवस्था की जाएगी। राज्य के हर नागरिक को 200 यूनिट की पार्टी चाहे। इसे बदल नहीं सकते। राहुल ने तेलंगाना की जनता को 6 गारंटियां दीं। उन्होंने कहा कि राज्य में हमारी सरकार बनने पर महालक्ष्मी योजना के

रुपए में मिलेगा। साथ ही महिलाओं के लिए सरकारी बसों में मुफ्त सफर की व्यवस्था की जाएगी। राज्य के हर नागरिक को 200 यूनिट की पार्टी चाहे। इसे बदल नहीं सकते। राहुल ने तेलंगाना की जनता को 6 गारंटियां दीं। उन्होंने कहा कि राज्य में हमारी सरकार बनने पर महालक्ष्मी योजना के

शालेय राज्य स्तरीय ताईकांडो में जशपुर को 2 स्वर्ण, 2 रजत और 5 कांस्य आयुष यादव और प्रतीक बड़ा का नेशनल ताईकांडो के लिए चयन



रायपुर, 17 सितंबर (देशबन्धु)। 23 वीं शालेय राज्य स्तरीय ताईकांडो प्रतियोगिता का आयोजन जिला कोरबा में 10 से

14 सितंबर तक किया गया। ताईकांडो प्रतियोगिता में जशपुर जिले को 2 स्वर्ण, 2 रजत और 5 कांस्य पदक प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पदक विजेताओं को उज्जल भविष्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। जशपुर कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल ने भी जिले के खिलाड़ियों को ताईकांडो में नेशनल के लिए चयनित होने पर बधाई दी। उन्होंने बताया कि जिले के आयुष यादव पिता अखिलेश यादव, प्रतीक बड़ा पिता >> शेष पृष्ठ 2 पर >>

मोदी ने पीएम विश्वकर्मा योजना को किया लांच

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से रविवार को भगवान विश्वकर्मा की जयंती पर शुरू की गई 'पीएम विश्वकर्मा' योजना से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के कारीगरों और शिल्पकारों को वित्तीय मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री का पारंपरिक शिल्प में लगे लोगों को सहायता प्रदान करने पर निरंतर ध्यान केन्द्रित रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने आज इस योजना की शुरुआत की। यह न केवल कारीगरों और शिल्पकारों को आर्थिक रूप से सहायता प्रदान करने बल्कि स्थानीय उत्पादों, कला और शिल्प के माध्यम से सदियों पुरानी परंपरा, संस्कृति और विविध विरासत को जीवित और समृद्ध बनाए रखने की इच्छा से भी प्रेरित है। पीएम विश्वकर्मा को 13 हजार करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ केंद्र सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित किया जाएगा। इस योजना के तहत बायोमेट्रिक आधारित पीएम विश्वकर्मा >> शेष पृष्ठ 2 पर >>

■ ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के कारीगरों, शिल्पकारों को मिलेगी वित्तीय मदद
■ 'यशोभूमि' का पहला चरण राष्ट्र को समर्पित

ईमानदारी कानूनी पेशे का मुख्य स्तंभ : चंद्रचूड़

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। नागपुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने रविवार को कहा कि हम सबको मूर्ख बना सकते हैं, लेकिन खुद को नहीं। हमारा कानूनी पेशा फलेन-फूलेना या खत्म हो जाएगा, ये इस बात पर निर्भर करता है कि हम अपनी ईमानदारी बरकरार रखते हैं या नहीं। ईमानदारी कानूनी पेशे का मुख्य स्तंभ है। यह एक आंधी से नहीं मिटती है, यह छोटी-छोटी रियायतों और समझौतों से मिटती है जो एडवोकेट और जज कई बार अपने क्लाइंट को देते हैं। चंद्रचूड़ ने ये बातें नागपुर स्थित महात्मा गांधी मिशन विश्वविद्यालय में बॉम्बे हाईकोर्ट की औरंगाबाद बेंच और बॉम्बे हाईकोर्ट के एडवोकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक प्रोग्राम में कहीं।

सोर्साई ने कहा कि हम सभी अपने विवेक के साथ सोते हैं। यह हर रात सवाल पूछता रहता है। हम या तो ईमानदारी के साथ जिंदा रहेंगे या खुद का आत्म-विनाश कर लेंगे। सोर्साई चंद्रचूड़ ने कहा कि वकीलों को तब सम्मान मिलता है जब वे न्यायाधीशों का सम्मान करते हैं और न्यायाधीशों को तब सम्मान मिलता है जब वे वकीलों का सम्मान करते हैं। यह तब होता है जब दोनों को लगता है कि दोनों न्याय के एक ही पहिए के हिस्से हैं।



भाजपा सरकार को मंहंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी की चिंता नहीं है। अगर कहीं किसी के खिलाफ झूठी रिपोर्ट लिख जाए तो दोनों तरफ से पैसा लगता है। खुले आम भ्रष्टाचार है।

-शिवपाल सिंह यादव, सपा राष्ट्रीय महासचिव



तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	32°	25°
मुंबई	32°	27°
कोलकाता	33°	26°
चेन्नई	29°	28°

नौ साल की सरकार से जनता परेशान : कांग्रेस

सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद केंद्र सरकार पर बोला हमला

हैदराबाद, 17 सितम्बर (एजेंसियां)। हैदराबाद में आयोजित कांग्रेस वकिंग कमेटी की बैठक के बाद राजस्थान के पूर्व उप-मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला बोले हुए कहा कि केंद्र की नौ साल की सरकार से जनता परेशान है। हर मुद्दे पर वह फेल रही है। कांग्रेस वकिंग कमेटी की बैठक पर पायलट ने कहा कि दो दिनों तक खुले माहौल में चर्चा हुई। पांच राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनाव को देखते हुए रणनीति बनाई गई। भाजपा चाहे कितना भी मुद्दों को भटकाने की कोशिश करे, हम जनता के मुद्दों पर चुनाव लड़ेंगे। सचिन पायलट ने कहा कि हैदराबाद में सीडब्ल्यूसी की बैठक हुई है। बहुत सार्थक चर्चा हुई। दो दिनों तक सभी सदस्यों ने खुले मन से अपनी राय दी है। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, उसको लेकर कांग्रेस को क्या रणनीति होगी, इस पर चर्चा हुई है।

आने वाले चुनावों में कांग्रेस कैसे जीत सकती है इस पर चर्चा हुई। देशभर में कांग्रेस के लोगों में ऊर्जा का संचार होगा। हमने चर्चा की है और भाजपा और अन्य पार्टियों को कैसे हराना है। इस पर रणनीति बनाई है। कांग्रेस आने वाले समय में सभी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में जीतेगी।



भाजपा चाहे कितना भी मुद्दों को भटकाने की कोशिश करे हम जनता के मुद्दों पर चुनाव लड़ेंगे : सचिन पायलट

वहीं दूसरी ओर कांग्रेस वकिंग कमेटी की बैठक पर कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और पार्टी के महासचिव केंसी वेणुगोपाल ने कहा कि भाजपा को हटाना है। मेरा देशभर के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं से आह्वान है। अब आराम किए बिना, हमें जीतने के लिए लड़ना होगा। पार्टी से जुड़े एक वरिष्ठ पदाधिकारी बताते हैं कि जल्द ही देश के सभी राज्यों में ग्रामीण स्तर पर और ब्लॉक

इंडिया गठबंधन है एकजुट : कांग्रेस

कांग्रेस नेता पायलट ने पार्टी की रणनीति को लेकर बताया कि एनडीए के खिलाफ इंडिया गठबंधन एकजुट है। उन्होंने कहा कि एनडीए को हराने के लिए इंडिया गठबंधन बना है। सभी इस पर चर्चा कर रहे हैं। कांग्रेस को महत्वपूर्ण भूमिका मिली है। पार्टी देश में एनडीए एसटी पिछड़ों और महिलाओं समेत गरीब अल्पसंख्यकों के अधिकारों के हक की लड़ाई उनके साथ मिलकर लड़ने की तैयारी कर चुकी है। पार्टी देश के सभी राज्यों में इन सभी लोगों की लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर केंद्र सरकार को न सिर्फ घेरेंगी बल्कि अपने राज्यों में उनके लिए किए जाने वाले कार्यों की भी जानकारी भी इन लोगों के बीच में रखेगी। पार्टी की योजना के मुताबिक छत्तीसगढ़ राजस्थान में जिस तरीके से सामाजिक न्याय के नए मॉडल को तैयार किया गया है और जनता के लिए योजनाएं बनाई गई हैं उनको सामने रखने के लिए एक बड़े अभियान के साथ इसी महीने से सभी राज्यों में कैंपेन शुरू किए जाने की तैयारी हो गई है।

स्तर तक पर कांग्रेस के नेताओं को इस बारे में एक बड़ी पाठशाला के माध्यम से जानकारी भी मुहैया कराई जाएगी कि वह कैसे तथ्यों के साथ भारतीय जनता पार्टी के झूठ का काउंटर करे। इसके लिए बाकायदा कांग्रेस की एक विंग लगाता काम भी कर रही है और अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं के माध्यम से उसका प्रसार भी कर रही है। अगले कुछ दिनों में बाकायदा इस पाठशाला के माध्यम से प्रत्येक नेता और कार्यकर्ता को और मजबूती के साथ प्रशिक्षित किया जाएगा। फिलहाल इस पाठशाला में भारतीय जनता पार्टी सरकार की ओर से किए जाने वाले दावों और उनकी हकीकत के सही तथ्यों और आंकड़ों को पेश किया

जाएगा। पार्टी से जुड़े नेताओं का कहना है कि उनकी पार्टी नेता और कार्यकर्ता हैदराबाद में हुई विस्तारित वकिंग कमेटी की बैठक के मुद्दों पर पार्टी की रणनीति को आगे बढ़ाती रहेगी। बैठक में तय हुआ है कि कांग्रेस हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में जिन मुद्दों के साथ जनता के बीच में गई थी उन्हें मुद्दों को लेकर अब फिर से जनता के बीच में जाना है। पार्टी से जुड़े नेताओं का कहना है कि इसके लिए जल्द ही व्यापक स्तर पर पार्टी के चुनावी राज्यों के अलावा देश के अलग-अलग राज्यों के पदाधिकारी को जिम्मेदारियां दी जाएंगी। इस बैठक के दौरान पार्टी ने चुनावी मोड में जाकर जनता के बीच रहने का पूरा खाका भी खींचा है।



नई दिल्ली स्थित नाए संसद भवन के गज द्वार पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद लिरेंगे झंडे को सलामी देते उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला। सोमवार से आरंभ होने वाले संसद के आगामी सत्र से एक दिन पहले राष्ट्रध्वज फहराया गया। लोकसभा अध्यक्ष ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के संसद इयूटी समूह द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण कर सुरक्षाकर्मियों को फलों की टोकरी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा मंत्री, पीयूष गोयल, केंद्रीय संसदीय कार्य और कोयला एवं खान मंत्री, प्रल्हाद जोशी राज्य सभा के उप सभापति, हरिवंश; संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल व वी. मुरलीधरन आदि उपस्थित रहे। फोटो देशबन्धु

सार संक्षेप

दुर्घटनावाश गोली चलने से सेना के जवान की जान गई

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में रविवार को दुर्घटनावाश गोली चलने से सेना के एक जवान की जान चली गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि इधियार से दुर्घटनावाश गोली चल गयी, जिसके परिणामस्वरूप एक घातक दुर्घटना हुई और सेना के दो जवान घायल हो गये। इनमें से एक ने बाद में दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले में एक सैन्यकर्मि को हिरासत में लिया गया है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मोदी ने लेखिका गीता मेहता के निधन पर जताया दुःख

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को प्रसिद्ध लेखिका और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की बहन गीता मेहता के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा, मैं प्रसिद्ध लेखिका गीता मेहता के निधन से दुःखी हूँ। वह बहुमुखी व्यक्तित्व की धनी थीं, जो अपनी बुद्धिमत्ता और लेखन के साथ-साथ फिल्म निर्माण के प्रति जुनून के लिए प्रसिद्ध थीं। वह प्रकृति और जल संरक्षण के प्रति भी समर्पित थीं। दुःख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं ओडिशा नदीन जी और पूरे परिवार के साथ हैं। ओम शांति।

लॉडिंग वाहन पलटने से चार लोगों की मौत

भिंड। मध्य प्रदेश के भिंड जिले के गोहद चौराहा थाना क्षेत्र के जैतपुरा के पास तेज रफ्तार एक लॉडिंग वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई है। उप के जालौन जिले को चौराहा तोपखाना मोहल्ला निवासी नाजिम अपने लड़के निहाल, भांजे अबू बकर और चाचा के लड़के अली के साथ ग्वालियर से बक्स बचाने का सामान लेकर उड़ी मोड़ के पास कुंडेवर मेला में जा रहा था। इसके लिए उन्होंने लॉडिंग वाहन किराए पर लिया था। गाड़ी राजू निवासी मोहल्ला तोपखाना पेट्रोल पंप मंदिर के पीछे जालौन चला रहा था। भिण्ड-ग्वालियर रोड पर जैतपुरा के पास पहुंचे ही थे तभी तेज रफ्तार लॉडिंग वाहन हाड़वे किनारे पलट गया।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर पटेल ने किया वृक्षारोपण

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 73वें जन्म दिवस पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को अहमदाबाद महानगर पालिका द्वारा गोता वॉर्ड में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में धार्मिक मंत्रोच्चार के साथ वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर गोता वॉर्ड में सोला गांव तालाब के निकट 73 पेड़ लगाए गए। मोदी के जन्म दिवस पर अहमदाबाद महानगर पालिका द्वारा समग्र अहमदाबाद में कुल 1,1,1, पेड़ लगाए जाएंगे।

जनहित के मुद्दों को समर्पित हो संसद का विशेष सत्र : मायावती



लखनऊ, 17 सितम्बर (देशबन्धु)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) मायावती ने नये संसद भवन में सोमवार से शुरु हो रहे विशेष सत्र के जनहित के मुद्दों पर समर्पित होने की उम्मीद जताई है।

मायावती ने रविवार को सिलसिलेवार टवीट कर कहा नाए संसद परिसर में सोमवार से शुरू हो रहे विशेष सत्र की सभी सांसदों को हार्दिक बधाई। नया संसद भवन लोकतंत्र की मजबूती व परमपूज्य बाबा साहेब डा.भीमराव अम्बेडकर के मानवतावादी संविधान के उद्देश्यों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगा, ऐसी आशा। उन्होंने कहा कि कैसे कमरतोड़ मंहंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, लाचारी आदि के अभिशाप जीवन से मुक्ति तथा आन्तरिक व बाहरी सुरक्षा जैसे देश व जनहित के ज्वलन्त मुद्दों पर नई संसद का सत्र अगर समर्पित होता है तो लोगों में उम्मीद की किरण जगेगी। कश्मीर में अफसरों/जवानों की शहादत को भी गंभीरता से लेना जरूरी। बसपा अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके 73वें जन्मदिन पर बधाई प्रेषित करते हुए उनके स्वस्थ जीवन की कामना की है। इसके साथ ही उन्होंने विश्वकर्मा जयंती की बधाई दी।

मप्र की महिलाओं को भाई लाड़ली बहना योजना गोवा के मुख्यमंत्री ने भी की है लाड़ली बहना योजना की तारीफ

भोपाल, 17 सितम्बर (देशबन्धु)। महिला सशक्तीकरण की दिशा में मध्य प्रदेश सरकार की महत्वकांक्षी योजना लाड़ली बहना योजना सभी को पसंद आ रही है। हाल ही में एक सर्वे में राज्य के 51 प्रतिशत लोगों ने इसे पसंद किया है और इसे गेमचेंजर माना है। सर्वे में महिलाओं के साथ आम लोगों ने माना है कि लाड़ली बहना योजना गेमचेंजर है। इसी सर्वे में लोगों ने मध्य प्रदेश में बतौर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को अपनी पहली पसंद के रूप में बताया है। प्रतिशत के रूप में बात करें, तो ऐसे लोगों की संख्या 49 प्रतिशत है। खास बात यह भी है कि लाड़ली बहना योजना की चर्चा दूसरे राज्यों में खूब हो रही है। हाल ही में गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा था कि मध्य प्रदेश की महिला सशक्तीकरण की चर्चा पूरे देश में होती है, जिसे सबसे पहले यहाँ लाड़ली लक्ष्मी योजना के रूप में शुरू किया गया, उसके बाद कन्यादान योजना और लाड़ली बहना योजना शुरू



गोमट्टेजर है मध्य प्रदेश सरकार की लाड़ली बहना योजना, 51 प्रतिशत को आई पसंद

की गई। मुझे लगता है कि महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का काम सबसे पहले मध्य प्रदेश में शुरू हुआ और बाद में अन्य राज्यों में शुरू हुआ। मुझे लगता है कि महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण किसी भी राज्य में नहीं है। हाल ही में महज एक किंग के जरिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने करोड़ों महिलाओं तक राशि पहुंचाई। इन महिलाओं का प्रदेश और केंद्र सरकार के प्रति पहले से

लाड़ली बहनों का परिवार अब एक करोड़ 31 लाख पहुंचा

योजना के लिए पात्र बहनों को दायरा बढ़ने से अब लाड़ली बहनों का परिवार एक करोड़ 31 लाख हो गया है, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने फूलबाग मैदान में आयोजित कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के माध्यम से बहनों के खाते में धनराशि हस्तांतरित करने की औपचारिक शुरुआत भी कर दी। 21 से 23 वर्ष की प्रदेश की एक करोड़ से अधिक विवाहित लाड़ली बहनों को प्रतिमाह का काम सबसे पहले मध्य प्रदेश में शुरू हुआ और बाद में अन्य राज्यों में शुरू हुआ। मुझे लगता है कि महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण किसी भी राज्य में नहीं है। हाल ही में महज एक किंग के जरिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने करोड़ों महिलाओं तक राशि पहुंचाई। इन महिलाओं का प्रदेश और केंद्र सरकार के प्रति पहले से

अधिक भरोसा बढ़ा है। कई दूसरी योजनाओं का लाभ भी महिलाओं के आत्मसम्मान में बढ़ती कर रहा है। मध्य प्रदेश सरकार की महत्वकांक्षी मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में दो नए आयाम जुड़ गए।

तेलंगाना ने कृषि में की अभूतपूर्व प्रगति दर्ज : केसीआर

राष्ट्रीय एकता दिवस पर राज्य की जनता को दी शुभकामनाएं



प्रदेश में अनाज की पैदावार तीन करोड़ टन तक पहुंची : के.चंद्रशेखर राव

हैदराबाद, 17 सितम्बर (देशबन्धु)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर तेलंगाना के सभी लोगों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि तेलंगाना के इतिहास में 17 सितम्बर एक खास तारीख है। भारत की आजादी के बाद तत्कालीन भारत सरकार ने ब्रिटिश प्रशासन से बाहर की रियासतों को भारतीय संघ में विलय करने की प्रक्रिया शुरू की। उसी के एक भाग के रूप में, हमारा हैदराबाद 17 सितम्बर 1948 को वृहत्तर भारत का अभिन्न अंग बन गया। इस विकास के साथ, तेलंगाना में राजशाही समाप्त हो गई और संसदीय लोकतांत्रिक प्रशासन शुरू हुआ। तेलंगाना सरकार ने हैदराबाद राज्य के भारत संघ का अभिन्न अंग बनने के अवसर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया है। इसलिए आज हम पूरे प्रदेश में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर जश्न मना रहे हैं। मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि मुझे लगता है कि मेरा जन्म तेलंगाना की उपलब्धि के रूप में हुआ है। मैं लोगों के आशीर्वाद और पूरी प्रतिबद्धता के साथ पुनर्निर्माण कार्य कर रहा हूँ। 2 जून 2014 को तेलंगाना राज्य के गठन के बाद से चल रहे विकास और कल्याण कार्यक्रम इस उद्देश्य के लिए अनुकरणीय रहे हैं। यह कहावत तेलंगाना जैसा आचरण करता है, देश वैसा ही

पलामूर जिला अब होना लगा है हरा-भरा

अलग राज्य के गठन के बाद, तेलंगाना सरकार ने मुख्य रूप से पलामूर-रंगा रेड्डी उत्थान पर ध्यान केंद्रित किया। अब पलामूर जिला हरा-भरा होने लगा है। पालमूर-रंगा रेड्डी लिफ्ट योजना के रूप में, हमने कल पंप के माध्यम से नरलापुर इन्टेक से कृष्णा जल पंप करना शुरू कर दिया है। तेलंगाना सिंचाई के इतिहास में यह एक और सुनहरा अवसर है। कल सचमुच त्र्योहार का दिन था जब छह जिलों के लोगों की उम्मीदें पूरी हुईं। पलामूर-रंगारेड्डी लिफ्ट योजना में नहर कार्यों के लिए पहले ही आदेश दिए जा चुके हैं। इससे नगर कुरुनूल, महबूब नगर, नारायणपेट, रंगारेड्डी, विकाराबाद, नलागंडा सहित छह जिलों की 12 लाख 30 हजार एकड़ जमीन सिंचित होगी और 1226 गांवों को पीने का पानी मिलेगा। कलवाकुती, नेट्टमपाडु, बीमा और कोइल सागर लिफ्टिंग योजनाओं के माध्यम से 10 लाख एकड़ की सिंचाई की जा रही है जो पलामूर में पहले ही पूरी हो चुकी है।

शाह ने हैदराबाद मुक्ति संग्राम के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 17 सितम्बर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को हैदराबाद के मुक्ति संग्राम के दौरान शहादत देने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि दी। मुक्ति दिवस समारोह के हिस्से के रूप में सिकंदराबाद के परेड मैदान में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करने से पहले शाह ने इस अवसर पर हैदराबाद की पहली रियासत के लोगों को बधाई देते हुए 'एक्स' पर संदेश पोस्ट किया। उन्होंने कहा, हैदराबाद के सभी लोगों को हैदराबाद मुक्ति दिवस की शुभकामनाएं। यह दिन निजाम के दुष्ट शासन और उत्पीड़न से आजादी के लिए हैदराबाद राज्य के लोगों की अटूट देशभक्ति और निरंतर संघर्ष का प्रमाण है। आज ही के दिन 17 सितंबर 1948 को हैदराबाद की पहली रियासत का भारतीय संघ में विलय हुआ था।

छत्तीसगढ़ में चुनाव अभियान शुरू करेंगे अखिलेश यादव

लखनऊ, 17 सितम्बर (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव 25 सितम्बर को छत्तीसगढ़ में अपनी पार्टी के चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे। छत्तीसगढ़ में इस साल के अंत में मध्य प्रदेश, राजस्थान, मिजोरम और तेलंगाना के साथ चुनाव होने हैं। अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के बाहर अपनी पार्टी का विस्तार करने की योजना बनाई है। अखिलेश समाजवादी पार्टी को एक क्षेत्रीय राजनीतिक दल की वर्तमान स्थिति से एक राष्ट्रीय पार्टी में बदलने की इच्छा रखते हैं। अखिलेश यादव छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में अग्रसेन धाम में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करेंगे। इसके अलावा वह पार्टी कार्यकर्ताओं को एक बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे। सूत्रों ने बताया कि यात्रा के दौरान सपा प्रमुख के छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से भी मुलाकात करने की संभावना है।



छत्तीसगढ़ एक कांग्रेस शासित राज्य है, और समाजवादी पार्टी ने राज्य में कभी भी विधानसभा या लोकसभा सीट नहीं जीती है। पार्टी की छत्तीसगढ़ इकाई ने 40 विधानसभा सीटों की पहचान की है जहां वह अपने उम्मीदवार उतार सकती है। समाजवादी पार्टी ने घोषणा की है कि वह मिजोरम को छोड़कर सभी राज्यों में चुनाव लड़ेंगी। पार्टी पहले ही मध्य प्रदेश की छह विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। अखिलेश की बैठक से पहले, सपा की छत्तीसगढ़ इकाई ने 40 निर्वाचन क्षेत्रों की एक सूची बनाई है।

मरणम मणिपुर अधिकार निकाय ने युद्धरत समुदायों के दावों पर लगाया मरणम

हिंसा में विभिन्न समुदायों के 7 हजार से अधिक हुए विस्थापित

इंफाल, 17 सितम्बर (एजेंसियां)। जब मणिपुर के जातीय दंगों ने राज्य को तबाह कर दिया, जिसमें 175 लोगों की मौत हो गई, 118 घायल हो गए, विभिन्न समुदायों के 7 हजार से अधिक लोग विस्थापित हो गए, मणिपुर मानवाधिकार आयोग (एमएचआरसी) गैर-आदिवासी मेइतेई और आदिवासी कुकी के लिए रक्षक बन गया।



अभी तक ज्यादा प्रगति नहीं कर पाया तीन सदस्यीय जांच आयोग

मणिपुर के मूल निवासियों के अलावा, न्यायमूर्ति उत्पलेंद्र बिकास साहा (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता वाला एमएचआरसी पूर्वोत्तर राज्य में हिरासत केंद्र में बंद म्यांमार के लोगों के मानवाधिकारों की भी देखभाल करता है, जो म्यांमार के साथ लगभग 400 किमी लंबी बिना बाड़ वाली सीमा साझा करता है। गौहाटी और त्रिपुरा उच्च न्यायालयों के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति साहा ने इस साल फरवरी में एमएचआरसी के

से भी कम समय में 199 नए पंजीकृत मामलों में से 180 का निपटारा किया। आयोग के सूत्रों ने कहा कि 2018 से 2022 के बीच 614 मामले दर्ज किए गए, लेकिन केवल 96 मामलों का निपटारा किया गया। मणिपुर में जातीय हिंसा की जांच के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच आयोग अभी तक ज्यादा प्रगति नहीं कर पाया है। गौहाटी हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश अजय लांबा 3

मई को हुए जातीय संघर्ष की जांच का नेतृत्व कर रहे हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो भी कई मामलों की जांच कर रहा है, लेकिन प्रगति ज्यादा नहीं है। मैतेई समुदाय की सर्वोच्च संस्था, मणिपुर इंटीग्रेटी पर समन्वय समिति सहित विभिन्न गैर सरकारी संगठन और नागरिक समाज संगठन, मणिपुर में असम राइफल के स्थान पर कुछ अन्य केंद्रीय बलों को नियुक्त करने के लिए आंदोलन कर रहे हैं। इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम, कुकी इंपी मणिपुर (केआईएम) और कमेटी ऑन ट्राइबल यूनिटी, सदर हिल्स कॉंगोकपी सहित कई आदिवासी संगठन अक्सर मणिपुर पुलिस और मणिपुर कमांडो फोर्स और रैपिड एक्शन फोर्स के खिलाफ विरोध प्रदर्शन आयोजित करते हैं। जबकि मणिपुर घाटी और पहाड़ी क्षेत्रों के लोगों के बीच तेजी से विभाजित है, एमएचआरसी आदिवासी कुकी, नागा और गैर-आदिवासी मैतेई लोगों तक पहुंच रहा है और उनकी शिकायतों का निवारण कर रहा है और उनके मानवाधिकारों की रक्षा कर रहा है। न्यायमूर्ति साहा के हस्तक्षेप से, मणिपुर सरकार ने हाल ही में विशेषज्ञ डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को फरिशन डिटेशन सेंटर, सजीवा में प्रतिनियुक्त किया है, जहां 24 महिलाओं सहित 136 विदेशियों, ज्यादातर म्यांमार के लोगों को रखा गया है। इस केंद्र की स्थापना इस वर्ष 16 फरवरी को की गई थी।



खिलासपुर, सोमवार 18 सितम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. माटाराम सुरजन

जन्मदिन का जश्न और परेशान जनता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार 17 सितम्बर को अपना 73 वां जन्मदिन बनाया। उनके पिछले जन्मदिन पर अफ्रीका से लाए गए 8 चीते मध्यप्रदेश के कूनो में छोड़े गए थे। हरेक चीते को लाने में 3 हजार डॉलर का खर्च आया। बाद में दूसरी खेप में भी चीते आए, लेकिन साल भर के भीतर एक के बाद एक चीतों की मौत पर अब चिंता का आलम है। भारत में विलुप्त हो चुके चीतों को लाने की योजना बरसों से बनी हुई है और उस पर अब अमल किया गया। हो सकता है इस फैसले को पूरी तरह से जांचा-परखा नहीं गया, तभी तो शायद चीतों को जिंदा रहने के लिए अनुकूल वातावरण नहीं मिला। चीते अगर 17 सितंबर की जगह किसी और तारीख को भी आते, तब भी उनका यही अंजाम होता। मगर प्रधानमंत्री इस मौके को अपने जन्मदिन पर भुनाने का मोह संवरण नहीं कर सके। उन्हें हर हाल में प्रचार चाहिए, फिर चाहे वो चीतों से हो या कन्वेंशन सेंटर के उद्घाटन से। दरअसल इस साल प्रधानमंत्री ने 17 सितंबर को दिल्ली के द्वारका में बने यशोधूमि कन्वेंशन सेंटर का उद्घाटन किया। बताया जा रहा है कि इस सेंटर में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की मीटिंग, कॉफ्रेंस, ट्रेड शो आदि के आयोजन के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं मिलेंगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने 30 हजार करोड़ की विश्वकर्मो योजना की शुरुआत की। बताया जा रहा है कि इससे पारंपरिक शिल्प और कारीगरी से जुड़े 30 लाख परिवारों को मदद मिलेगी। साथ ही श्री मोदी ने एक नए मेट्रो स्टेशन का भी उद्घाटन किया। दिल्ली मेट्रो में सफर करते हुए आम यात्रियों के साथ उनकी सेल्फी वाली कई तस्वीरें भी सामने आई हैं।

इससे पहले दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के लिए भी प्रधानमंत्री ने अचानक मेट्रो से सफर किया था। खाली स्टेशन पर स्वचालित सीढ़ियों से अकेले उतरते श्री मोदी की तस्वीरें बहुत से लोगों को याद होंगी। अगले साल चुनाव होने वाले हैं और पिछले 9 सालों में चाय वाला, गरीब का बेटा और फकीर की चक्की खूब पीसी गई हैं, अब उससे और ज्यादा हासिल नहीं किया जा सकता, इसलिए खुद को आम आदमी जैसा दिखाने या बताने के लिए शायद प्रधानमंत्री अपनी महंगी गाड़ी की जगह मेट्रो में कभी-कभार दिखाई दे रहे हैं। ये शायद राहुल गांधी से मिल रही अघोषित चुनौती का असर भी हो सकता है। क्योंकि राहुल गांधी पिछले दिनों आम लोगों के बीच उन्हीं की तरह साहसी करते हुए पहुंच रहे हैं। भाजपा समर्थक अगर मोदी को महानायक बताने में लगे हैं तो राहुल गांधी के लिए जननायक जैसी पदवी गड़ी जा चुकी है। लोकतंत्र के लिए जननायक की ही जरूरत होती है, महानायक की नहीं। बहरहाल, श्री मोदी प्रधानमंत्री हैं, तो उनके लिए यह सुरक्षा कारणों से संभव नहीं है कि वे ट्रक में या किसी स्कूटी के पीछे बिठाई दें। वैसे भी उन्हें विरोध से कितना डर लगता है इसका नमूना पिछले पंजाब चुनाव में दिख ही गया था, जब वे जरा से विरोध के कारण अपनी रैली रद्द करवा कर वापस लौट गए थे और साथ में संदेश दे दिया था कि मैं जिंदा लौट आया।

श्री मोदी के जन्मदिन पर उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना की जा रही है। ऐसी ही कामनाएं उन सैनिकों के परिवार भी करते होंगे जो सीमा पर तैनात होकर देश की रक्षा कर रहे हैं। ऐसे ही तीन अधिकारी अभी जम्मू-कश्मीर में शहीद हुए। इधर अधिकारियों की शहादत हुई, उधर भाजपा कार्यालय में प्रधानमंत्री पर फूलों की बरसात कर इस बात के लिए उनका सत्कार किया गया कि उन्होंने जी-20 की सफल मेजबानी की। बड़ा नेता यानी महानायक तो हो जाता है, जो ऐसे टीम वर्क का श्रेय खुद न लेकर अपने साथियों और छोटे से छोटे कर्मचारियों को दे। भाजपा अगर उनका स्वागत करती, तो कोई सवाल नहीं उठते। लेकिन अधिकारियों की शहादत के मौके पर प्रधानमंत्री ने अपना स्वागत करवाया तो उन पर संवेदनहीन होने का आरोप लगा। ये आरोप भी मिट जाता, लेकिन फिर अगले ही दिन मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री ने फिर बड़े तामझाम के साथ सरकारी योजनाओं का उद्घाटन किया। उत्सवों का यह सिलसिला अब रोक जा सकता था, लेकिन विचार को फिर करोड़ों का खर्च करके उद्घाटन जैसे कार्यक्रम हुए और प्रधानमंत्री सहर्ष इसमें शामिल हुए। वे चाहते तो कह सकते थे कि अभी हमारी माटी फिर शहीदों के खून से लाल हुई है, इसके दग अभी छूटे नहीं हैं, इसलिए मैं अपना जन्मदिन नहीं मनाऊंगा। लेकिन श्री मोदी फिर चूक गए। उन्होंने शहीदों की याद में ही अपनी माटी, अपना देश कार्यक्रम पिछले महीने शुरू किया और इतनी जल्दी उस कार्यक्रम पर मिट्टी छाल दी।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन से दो दिन पहले हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का जन्मदिन था, जिस पर उन्होंने साफ कह दिया था कि वे शहीदों की याद में कोई जश्न नहीं करेंगे, सादगी से जन्मदिन मनाएंगे। किसान आंदोलन के वक्त 3 जनवरी 2021 को दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी अपने जन्मदिन का जश्न रद्द किया था कि किसान कड़कती ठंड में खुले आसमान के नीचे बैठें, शहीद हो रहे हैं, तो मैं जन्मदिन कैसे मनाऊं। गलवान में भारतीय सैनिकों की शहादत के बाद राहुल गांधी ने भी अपना जन्मदिन नहीं मनाया था। ऐसी अनेक मिसालें देखी जा सकती हैं। लेकिन श्री मोदी आत्ममुग्धता और प्रचार की नयी मिसालें गढ़ने में लगे हुए हैं।

जम्मू-कश्मीर में शहीद हुए मेजर आशीष धौंचक के परिवारों ने सरकार से सेना के लिए बुलेटप्रूफ वर्दी की मांग की है, क्योंकि दो गोलीयां लगने के बावजूद आतंकियों से भिड़ने वाले मेजर धौंचक की मौत इसलिए हुई, क्योंकि उनके पास बुलेटप्रूफ वर्दी नहीं थी। क्यों नहीं थी, इसका कारण सरकार और सेना ही बता सकती है। अगर वित्तीय समस्या के कारण हमारे सैनिक कम संसाधनों के साथ मोर्चे पर तैनात हैं, तो फिर सवाल उठता है कि सरकार की प्राथमिकता क्या है, विश्व स्तरीय सम्मेलन कक्ष या फिर सैनिकों के लिए बुलेट प्रूफ वर्दी। एक खबर और आई है कि इसरो के चंद्रयान अभियान के लिए लॉंच पैड बनाने वाले 2,800 कर्मचारियों को बीते 18 महीने से वेतन नहीं मिला है। रांची के दुर्घा स्थित हैवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचईसी) के अधिकतर कर्मचारी वेतन न मिलने से फाकाकशी को मजबूर हो चुके हैं। बीबीसी की खबर है कि कर्ज में डूबे कई कर्मचारी चंद्रयान इडली बेचकर अपना गुआरा कर रहे हैं। एचईसी केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रम हैं, और भारी कर्ज में हैं। पिछले पांच सालों से लगातार घाटे में हैं। लेकिन सरकार को न घाटे की परवाह है, न आर्थिक दिक्कतें झेल रहे कर्मचारियों की। प्रधानमंत्री अगर अपने जन्मदिन पर देश के परेशान लोगों की सुध लेते, तो शायद इससे सही संदेश जनता में जाता।

5 स साल होने वाले विधानसभा चुनाव कांग्रेस का भविष्य तय करेंगे। पांच राज्यों में चुनाव हैं। और कांग्रेस इन पांचों राज्यों में चुनाव जीतने की मुख्य दायेदार है। तीन राज्यों में तो उसका सीधा मुकाबला भाजपा से है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान में और तेलंगाना में वहां मौजूद केसीआर की सरकार से। पांचवे राज्य मिजोरम में क्षेत्रीय दल प्रभावी हैं। और राष्ट्रीय पार्टी के तौर पर कांग्रेस। मगर भाजपा ने पूरे उत्तर पूर्व में क्षेत्रीय दलों और कांग्रेस को भी तोड़कर अपनी सरकारें बना रखी हैं। पहाड़ी राज्यों के पास अपने आर्थिक रिसोर्स बहुत कम होते हैं। इसलिए वह केन्द्र पर बहुत निर्भर रहती है। केन्द्र में जिसकी सरकार होती है उत्तर पूर्व के राज्य और जम्मू-कश्मीर, उस पार्टी से मिलकर ही चलते हैं। फारुख अब्दुल्ला ने एक बार कहा था कि केन्द्र में अगर शैतान की सरकार भी हो तो हमें उसके साथ मिलकर चलना पड़ेगा।

खैर तो यह विधानसभा चुनाव बताएंगे कि कांग्रेस इसके बाद मजबूत होती है या कमजोर। अगर वह कमजोर हो गई तो इंडिया गठबंधन में भी उसकी हैसियत कमजोर हो जाएगी। यह नहीं कहा जा सकता कि कांग्रेस के कमजोर होने से विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन कमजोर होगा। इंडिया गठबंधन प्रधानमंत्री मोदी से लड़ने का भरोसा दे रहा है। जब तक वह मोदी जी के खिलाफ मुखर रहेगा अपनी ताकत को बरकरार रखेगा। देश में अब राजनीति साफ तौर पर मोदी समर्थक और मोदी विरोधियों के बीच बंट गई है। इसमें न कांग्रेस न कोई और विपक्षी दल और न ही सत्तारूढ़ भाजपा किसी का कोई बड़ा असर नहीं बचा है।

अगले लोकसभा चुनाव में सीधी लड़ाई है मोदी बनाम मोदी विरोधी। तो इसलिए विधानसभाओं में कांग्रेस के अच्छे प्रदर्शन न कर पाने से कांग्रेस जरूर कमजोर होगी मगर इंडिया नहीं। लेकिन हां! कांग्रेस के कमजोर होने से विपक्षी दलों के बीच उसकी स्थिति जरूर कमजोर हो जाएगी।

आज भी विपक्षी दलों में कांग्रेस से ज्यादा राहुल गांधी की स्वीकृति और प्रभाव है। कांग्रेस को लेकर विपक्षी दलों में बहुत सारे संशय और सवाल हैं। मगर राहुल को लेकर सबमें एक आश्वस्त का भाव है कि वे

जो कहते हैं करते हैं। राजनीति का उपयोग अपने ही लोगों को काटने छंटने में नहीं करते। अगर कांग्रेस के क्षेत्रों में मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ का चुनाव खुद को केन्द्र में रखकर लड़ा तो उनके लिए चुनाव मुश्किल हो जाएगा। तीनों राज्यों के स्थानीय नेताओं कमलनाथ, अशोक गहलोत, भूपेश बघेल को याद रखना चाहिए कि 2018 का चुनाव राहुल गांधी जो उस समय कांग्रेस अध्यक्ष थे कि मेहनत ने उन्हें जिताया था। और उसी राहुल गांधी को कांग्रेसियों ने क्या रिटर्न गिफ्ट दिया? 2019 में उन्हें इस्तीफा देने पर मजबूर कर दिया।

बहरहाल वह अलग विषय है। और कांग्रेसी जिस



शकील अख्तर

आज भी विपक्षी दलों में कांग्रेस से ज्यादा राहुल गांधी की स्वीकृति और प्रभाव है। कांग्रेस को लेकर विपक्षी दलों में बहुत सारे संशय और सवाल हैं। मगर राहुल को लेकर सबमें एक आश्वस्त का भाव है कि वे जो कहते हैं करते हैं। राजनीति का उपयोग अपने ही लोगों को काटने छंटने में नहीं करते। अगर कांग्रेस के क्षेत्रों में मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ का चुनाव खुद को केन्द्र में रखकर लड़ा तो उनके लिए चुनाव मुश्किल हो जाएगा।

पर बात करना बिल्कुल पसंद नहीं करते हैं। वे तो राहुल का सिर्फ उपयोग करते हैं। और नुकसान हो जाने हार पर बड़ी आसानी से उन पर दोष मढ़ देते हैं। लेकिन इंडिया के नेता ऐसा नहीं समझते। वे राहुल को असेट (वरदान) मानते हैं। अभी तक इंडिया की तीन मीटिंगें हुईं। पटना, बंगलुरु और मुंबई। तीनों में हीरो राहुल ही रहे। विपक्ष का हर नेता उनसे बात करना चाहता था। और समझ रहा था कि लोकसभा चुनाव में अगर बाजी पलटने की ताकत किसी में है तो वह हमारे साथ मिलकर राहुल गांधी में है। अगले लोकसभा चुनाव पर समझने से पहले 2014 और 2019 के नतीजे हमेशा याद कर लेना चाहिए। कांग्रेस बहुत बुरी तरह हारी है। तो अब अगर उम्मीद है तो इसलिए कि विपक्ष एक है। और वह राहुल पर पूरी तरह भरोसा कर रहा है। मोदी जी आज जिस तरह भाजपा से भी बड़ी ताकत बन गए हैं और पार्टी से बाहर जाकर भी उन्होंने

मुकाबला है। अब तक कांग्रेस यह समझ रही थी कि तीनों राज्यों में वह आसानी से सरकार बना लेगी। मगर डीबी लाइव का ओपीनियन पोल कांग्रेस के लिए एक बड़ा अलार्म है। जाग जाने के लिए। तीनों राज्यों के नेता अपने अपने राज्यों में बीजेपी की हालत खराब समझ रहे थे। मगर ओपीनियन पोल ने बताया कि हर जगह वह कड़े मुकाबले में है। और खराबोश की तरह जीत के विश्वास में कांग्रेस सो रही है। और कछुआ लगातार अपनी चाल से चला जा रहा है।

कांग्रेस के नेता किस तरह खुद को सर्वोच्च मान रहे हैं इसका एक उदाहरण। इंडिया गठबंधन ने अपनी पहली कोऑर्डिनेशन मीटिंग में एक बड़ा फैसला किया। पहली जनसभा का स्थान तय कर लिया गया। मुंबई की तीसरी बैठक में जो बड़े फैसले हुए थे उनमें था देश भर में चार-पांच जगह इंडिया की बड़ी जनसभाएं करना। पहली

जनसभा भोपाल को मिली। यह बड़ी बात थी। शिवराज सिंह चौहान हिल गए थे। मगर खुद कमलनाथ ने ही वह सभा रद्द कर दी। मुख्यमंत्री शिवराज अचानक हमलावर हो गए। कहने लगे कि हमसे डर कर मीटिंग कैसिल को है। मीटिंग का फैसला इंडिया की मीटिंग में हुआ था। रद्द करने का भी उसी को बताना चाहिए था। कारण सहित। अब अगर मध्य प्रदेश कांग्रेस ने मना कर दिया तो क्या राजस्थान और छत्तीसगढ़ कांग्रेस करवाएंगी। अगर करवाती हैं तो यह मध्य प्रदेश कांग्रेस के लिए बड़ा गलत संदेश जाएगा। और अगर यह दोनों भी नहीं करवाती हैं तो देश भर में गलत संदेश जाएगा कि विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की कोई पूछ ही नहीं है। क्या जब भोपाल का नाम तय किया था तो वहां मध्य प्रदेश कांग्रेस से नहीं पूछा था? और क्या जब कमलनाथ ने कैसिल करने का अचानक एलान किया तो उससे पहले इंडिया के दलों को विश्वास में लिया गया था?

अभी नीतीश कुमार जिनके ही प्रयासों से यह विपक्षी एकता हुई है कह रहे हैं कि 14 एंकरों के बायकाट का उन्हें पता ही नहीं। ऐसा क्यों? बड़े फैसलों से पहले सबको विश्वास में लेना चाहिए।

यह विपक्षी एकता बड़ी मुश्किल से बनी है। और यही एक मात्र चीज है जो मोदी जी को ठीक से चैलेंज कर सकती है। इसे अतिरिक्त मेहनत करके बचाव पड़ेगा। मोदी सरकार और मीडिया पूरी ताकत लगाए हुए हैं इसे तोड़ने का। तमाम अफवाहें रोज फैलाई जा रही हैं। मगर अभी सब एक हैं तो केवल इस आधार पर कि अगर मोदी तीसरी बार भी आ गए तो फिर कोई नहीं बचेगा। न विपक्षी दल न लोकतंत्र। तो जब तक यह डर है विपक्ष एक रहेगा।

मगर याद रखना चाहिए कि मोदी जी आखिरी-आखिरी तक विपक्ष को तोड़ने की कोशिश जारी रखेंगे। जब इंडी, सीबीआई, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट, जेल से काम नहीं चलेगा तो फिर लालच और सुरक्षा की गारंटी भी दी जाएगी। कोई हरबा छोड़ा नहीं जाएगा।

विपक्ष की सावधानी में ही उसकी सुरक्षा है। कोई भी नेता खुद को विपक्षी एकता से बड़ा समझने की कोशिश नहीं करे। यह धनपति की लड़ाई नहीं है। विकट योद्धाओं की है। करो या मरो वाली। भाजपा के सारे नेता मोदी जी के पीछे लामबंद हो गए हैं। ऐसे ही विपक्षी नेताओं को अपने इंडिया गठबंधन के साथ तनकर खड़े हो जाना चाहिए।

नफरत के खिलाफ असहयोग आंदोलन

हाल ही में इंडिया गठबंधन ने मीडिया के कुछ एंकरों की एक लिस्ट जारी करत हुए कहा कि वे अमुक एंकरों के कार्यक्रमों में हिस्सा नहीं लेंगे। हालांकि इंडिया गठबंधन द्वारा जारी वक्तव्य में उनका मतव्य बहुत स्पष्ट नहीं था, लेकिन बाद में उनकी तरफ से आए बयानों से ये साफ हुआ कि इंडिया गठबंधन की पार्टियों के प्रवक्ता इन एंकरों द्वारा चलाई जा रही नफरती बहसों का हिस्सा नहीं बनेंगे। गौर करने वाली बात यह है कि इंडिया गठबंधन के वक्तव्य में न तो चैनलों के बहिष्कार की बात थी और न ही उनके कार्यक्रमों पर रोक लगाए जाने की बात। इंडिया गठबंधन ने नफरती टीवी कार्यक्रमों के साथ असहयोग करने की उस बात को अपने वक्तव्य में शामिल किया, जिसे जनता, बुद्धिजीवियों व पत्रकारों का एक हिस्सा काफ़ी दिनों से कह रहा है। ये पहली दफा नहीं है कि नफरत

मोहित कुमार पांडेय

प्लेटफॉर्म से रखा है और कहा है कि वे अब नफरत के तले आम जनता के मुद्दों को

दबाने वाले संचार मॉडल का हिस्सा नहीं बनेंगे। नफरत का संचार मॉडल वैश्विक पटल पर एक स्थापित मॉडल है। 'रवांडा रेडियो' जैसे संचार मॉडलों के उदाहरणों से पता चलता है कि कैसे मीडिया की ऑडीओ विजुअल तकनीक का प्रयोग कर समाज में व्यापक स्तर पर नफरत के बीज बोए जाते हैं। न्यूजलैंड की एक रिपोर्ट ने पिछले साल इन 14 एंकरों में से कुछ एंकरों के कार्यक्रमों का अध्ययन किया। इस लिस्ट में मौजूद पूर्व में डीएनए नाम से कार्यक्रम करने वाले एक एंकर ने कुल 73 में से 28 बहसों साम्प्रदायिक मुद्दों पर कीं, जबकि महंगाई पर मात्र 2 व रोजगार के मुद्दे पर 0 बहसों की। उसी तरह से एक अन्य एंकर ने 'सवाल पब्लिक का' नाम से आने वाले कार्यक्रम में 68 में से साम्प्रदायिक मुद्दों पर 29 बहसों कीं और रोजगार व महंगाई के मुद्दे पर 0 बहसों कीं। एक अ-य एंकर, जिन्होंने इंडिया समूह के इस एक्शन को प्रेस पर हमला बताया, उन्होंने 'आर-पार' के नाम से आने

नफरत का संचार मॉडल वैश्विक पटल पर एक स्थापित मॉडल है। 'रवांडा रेडियो' जैसे संचार मॉडलों के उदाहरणों से पता चलता है कि कैसे मीडिया की ऑडीओ विजुअल तकनीक का प्रयोग कर समाज में व्यापक स्तर पर नफरत के बीज बोए जाते हैं। न्यूजलैंड की एक रिपोर्ट ने पिछले साल इन 14 एंकरों में से कुछ एंकरों के कार्यक्रमों का अध्ययन किया। इस लिस्ट में मौजूद पूर्व में डीएनए नाम से कार्यक्रम करने वाले एक एंकर ने कुल 73 में से 28 बहसों साम्प्रदायिक मुद्दों पर कीं, जबकि महंगाई पर मात्र 2 व रोजगार के मुद्दे पर 0 बहसों की।

के मूल मुद्दे नदारद होने के चलते कई लोगों ने कहा है कि उन्होंने टीवी देखना छोड़ दिया है। ध्यान देने वाली बात यह है कि जब हम मीडिया को लोकतंत्र का चौथा खंभा कहते हैं, तो बाकी खम्भों की तरह उसे भी परखने व उसकी गलतियों को उजागर करने की जिम्मेदारी जनता से जुड़ी संस्थाओं व स्वयं जनता की होती है। चैनलों के न्यूजरूम में होने वाली बहसों, बहसों को फ्रेम करने के तरीकों, बहसों के ग्राफिकों व बहसों के दौरान होने वाली जूतम-पैजार से असहमति दिखाने का अधिकार भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार में आता है। समय-समय पर भारत के न्यायालयों ने अपने आदेशों या टिप्पणियों में भी ये कहा है कि अगर आप किसी कंटेंट से सहमत नहीं हैं तो आप उसे मत देखिए।

इंडिया एक राजनीतिक पार्टियों का गठबंधन है, जिसे अंततः वोट मांगने के लिए जनता के बीच में जाना होता है। अगर कल को इन पार्टियों के नेताओं से जनता की आरंभ से ये सवाल पूछा गया कि आप उन बहसों का हिस्सा क्यों बनते हैं जिनसे रोजगार, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य के मुद्दे गायब हैं और जिनमें केवल नफरत को परोसा जाता है, तो इन नेताओं को जनता के बीच जवाब तो देना पड़ेगा।

इस मुद्दे पर कई पत्रकारों, इन 14 एंकरों व कई अन्य लोगों की तरफ से बहस छेड़ी गई कि ये प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला है। सत्ताधारी दल भाजपा ने तो इसकी तुलना 'आगतकाल' से तक कर डाली। लेकिन गौरतलब है कि किसी ने ये तर्क नहीं दिया कि इंडिया गठबंधन का ये फंसेला क्या किसी पत्रकार की आवाज दबा रहा है? क्या इस फैसले ने इन पत्रकारों की आवाज को निर्यंत्रित करने का प्रयास किया है? इंडिया गठबंधन ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के एक मजबूत हथियार 'असहयोग' को अपनाते हुए जनता की भावना को अपने

वाले अपने कार्यक्रम में 68 बहसों में से 43 बहसों साम्प्रदायिक मुद्दों पर कीं और रोजगार व महंगाई के मुद्दे पर 0 बहसों कीं। गौरतलब है कि ये आंकड़े टीवी मीडिया में लहरलाहती हुई नफरत की फसल के तले आम जनता के मुद्दों को रौंदने की हकीकत को दर्शाते हैं। मीडिया की एजेंडा सेट करने की ताकत की वजह से समाज में मीडिया की भूमिका बहुत अहम है। तब ऐसे में से नफरत की फसल बोने वाली मीडिया के साथ असहयोग करना मीडिया की स्वतंत्रता पर हमला तो कतई नहीं है। आखिरकार ये भी जनता के बीच से उठी आवाज है। विपक्षी दलों ने जनता की आवाज का सम्मान करते हुए नफरत को पोषण देने वाले कार्यक्रमों से असहयोग का कदम उठाया है। गौरतलब है कि ठीक इसके उलट सरकार की तरफ से कई मर्तबा टीवी कार्यक्रमों को हटवाया गया है, खबरों को डिलीट करवाया गया है और सरकार के खिलाफ रिपोर्ट करने वाले पत्रकारों को चिन्हित करने जैसे कदम उठाए गए हैं।

अपने इस फैसले से विपक्षी गठबंधन ने सत्ता के निरंकुश बल का इस्तेमाल नहीं किया है, बल्कि अपने नैतिक बल का इस्तेमाल करते हुए कहा है कि 'हम आपकी नफरत की मशीनरी का हिस्सा नहीं बनना चाहते।' शायद ये मीडिया के नैतिक मूल्यों को वापस पाने की कवायद में एक बड़ा कदम साबित हो। मीडिया संस्थाओं को इस कदम को एक आईने की तरह लेना चाहिए और दिखाना चाहिए कि जनता के मुद्दे अभी भी उसके केंद्र में हैं। मीडिया की नफरती मशीनरी के खिलाफ नैतिकता से भरा ये असहयोग आंदोलन शायद फिर से जनता के मुद्दों को मीडिया बहसों के केंद्र में लाए।

(लेखक संचार विशेषज्ञ है)

गुरवाणी विचार

अव्वल अलाहि नूर उपाइआ कुदरत के सब बंदे

गुरु ग्रंथ साहिब का पहला प्रकाश दिवस भादो सुदी इक सन् 1604 को हरिमंदर साहिब अमृतसर में किया गया था और इसका पहला मुख्य ग्रंथी गुरुधर में अनिया भक्त बाबा बुद्धा जी को बनाया गया था। प्रकाश करने के बाद जो हुक्मनामा प्राप्त हुआ वह था-

संता के कारज आप खलोदया हरि कम करावन आया राम। गुरु ग्रंथ साहिब की संपादना पांचवे नानक गुरु अर्जुन देव जी ने की थी उसमें उन्होंने अपने से पहले के चार गुरुओं द्वारा रचित वाणी गुरु नानक देव गुरु अंगद देव गुरु अमरदास और गुरु रामदास की रचित वाणी तथा स्वयं की रचित वाणी और उस वक्त के निरगुण विचारधारा के 15 भक्तों की वाणी भक्त कबीरदास, भक्त त्रिलोचन, भक्त भीखम, शेख फरीदजी, भक्त पीपा, भक्त सैनाई, भक्त सघना कसाई, भक्त जयदेव भक्तवेणी जी।

गुरु घर के तीन गुरुसिखों की वाणी भाई सन्ता, भाई बलवंद और भाई सुन्दर तथा 11 भट्टो की वाणी को संकलित कर गुरुग्रंथ साहिब की पावन पोथी तैयार की गई जिसे पोथी परमेश्वर की थान कहा गया। इसकी वाणी सब धर्मों के लिए है-खत्री, ब्राह्मण, क्षुद्र, वैश्य उपदेश चहुं वरणा को साझा गुरवाणी द्वारा हमें समझाया गया है कि हम सब परमात्मा की संतानें हैं और परमात्मा ने हर प्राणी की रचना की है और उसमें विराजमान रहकर उसके प्रत्येक कार्य को भी देखता रहता है।

घटि घटि में हरि जीओ बसै-संतन कहियो पुकार। सब हम आपस में भाई भाई हैं। एक पिता एकस के हम बारिक तू मेरा गुरु हाई। तथा

अव्वल अलाहि नूर उपाइआ कुदरत के सब बंदे। एक नूर ते सब जग उपजिया कौन भले कौन मंदे।। गुरु ग्रंथ साहिब की वाणी को धुर की वाणी खसम की वाणी, गोविंद की वाणी आदि विशेषणों से अलंकृत किया गया है।

धुर की वाणी आई तिन सगली चिंत मिटाई। तथा जब मन मेरे गोविंद की वाणी साधु जन रामरसन वखनि। गुरु ग्रंथ साहिब जी की संपूची वाणी पार ब्रह्म पर केंद्रित तथा हर मनुष्य को सही ईसावन बानाे और लोक कल्याण की दृष्टि से रची गई है। इसलिए कह सकते हैं कि यह वाणी उपदेश दे रही है कि सरब साझी वावता और सरबत के भले का संदेश देने वाली है। गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम प्रकाश दिवस पर प्रत्येक नानक नाम लेवा प्रण करे कि अब से कोई देहदारी गुरु नहीं है सिर्फ हमारे गुरु ग्रंथ साहिबजी ही हैं और उन्हीं के आदेशों पर चलकर हम अपना जीवनयापन करेंगे।

इंस्र सिंह आहुजा

आपके पत्र देश में बाल कुपोषण विकराल समस्या

बच्चे देश के भविष्य होते हैं। यदि देश का भविष्य ही कुपोषित रहेगा, कमजोर रहेगा तो सशक्त राष्ट्र की कल्पना करना बेमानी होगी। देश में कुपोषण से बच्चे यानी आने वाले कल के जिम्मेदार नागरिकों की हालत बहुत खराब चिंताजनक हो सकती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश के 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में 35 लाख बच्चे कुपोषण के शिकार हैं और इनमें 50 फीसदी बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित होकर बीमारी को झेल रहे हैं। देश में भले ही जोरशोर से बाल दिवस हर साल मनाया जाता है और उसी पर करोड़ों खर्च कर दिया जाता है। देश में एक महिला तथा बाल विकास मंत्रालय अलग खोल के रखा गया है, पर बच्चों के कुपोषण पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका है। मलेरिया, टीबी और ना जाने अन्य कितनी बीमारियों पर भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अरबों रुपए खर्च कर दिए हैं, पर जो भारत के आने वाले कल के नागरिक वर्तमान के बच्चे यदि कुपोषित हैं तो यह अत्यंत चिंतनीय तथा विचारणीय पहलू है। सरकारी एजेंसियों द्वारा एक आरटीआई के जवाब में बताया गया कि 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों संकलित आंकड़ों के मुताबिक 34 लाख बच्चे कुपोषित पाए गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा महाराष्ट्र, बिहार, गुजरात और मध्यप्रदेश है। विगत दिनों कोरोना संक्रमण के कारण भी बच्चे कुपोषित हुए हैं। सरकारी आंकड़ों के हिसाब से 18 लाख बच्चे बहुत ज्यादा कुपोषित हैं एवं शेष 16 लाख बच्चे अल्प कुपोषित हैं। जब अरबों रुपए अन्य बीमारियों के संक्रमण में लगाए जा सकते हैं तो एक अभियान के तहत बच्चों के कुपोषण को दूर करने के लिए भी मैथिल प्रयास किए जाने चाहिए जिससे बच्चे तो कम से कम कुपोषित न हों। वैसे भारत कुपोषण के मामले में वैश्विक स्तर पर

बांग्लादेश तथा पाकिस्तान से भी पीछे है। उसका नंबर 101वां है। बच्चों के कुपोषण की दर इतनी ज्यादा चिंताजनक हो गई है। कुपोषित बच्चे भी बड़े होते हैं तो वह कई बीमारियों को लेकर धीरे-धीरे बढ़ते हैं और इससे उनकी लंबाई तथा स्वास्थ्य पर बहुत ज्यादा असर पड़ता है। देश के 34 फीसदी कुपोषित बच्चों का कद औसत कद से बहुत कम हो जाता है। 121 फीसदी बच्चे जो कुपोषण के कारण यदि वह बच भी जाते हैं तो उनका वजन अत्यंत कम हो जाता है। ऐसे कम लंबाई तथा कम वजन के बच्चों बड़े देश का क्या भविष्य बना पाएंगे या देश में अपना योगदान क्या दे पाएंगे? इसीलिए भारत सरकार राज्य सरकारों को कम से कम बच्चों की तरफ तो ज्यादा से ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। वैश्विक भूख सूचकांक (ग्लोबल हंगर इंडेक्स) के आंकड़ों के हिसाब से 2021 में भारत 116 देशों में 101 वें स्थान पर पहुंच गया है। हर वर्ष कुपोषण के शिकार बच्चों की संख्या बेहतराहा बढ़ रही है। कुपोषण के मामले में भारत की राजधानी दिल्ली भी पीछे नहीं है। दिल्ली में ही 2 लाख बच्चे कुपोषित हैं, आंध्र प्रदेश में 2,70 लाख बच्चे कुपोषित हैं, कर्नाटक में 2,5 लाख बच्चे उत्तर प्रदेश में 19 लाख बच्चे, तमिलनाडु में 1,80 लाख, असम में 1,80 लाख और तेलंगाना में 1,60 लाख बच्चे कुपोषण की स्थिति में जी रहे हैं। इस देश में जहां अरबों रुपए सरकार के 40 से ज्यादा विभागों में सालाना खर्च किए जा रहे हैं। देश की विशाल जनसंख्या को देखते हुए बच्चों के कुपोषण को रद्द जरूर कम है, लेकिन हर साल इनके कुपोषण की दर की वृद्धि चिंताजनक परिणाम देने वाली ना हो इस पर हम सबको ध्यान देना होगा।

संजीव ठाकुर

चंटी- बारिश होने की सबसे ज्यादा खुशी घर के खिड़की दरवाजों को होती है।

बंटी- वो कैसे?

चंटी- खुशी के मारे फूल ही जाते हैं।



यह अपने आप में सचमुच चिंताजनक और दुःश्रमपूर्ण है कि फिल्मी संवाद बोलने पर मारपीट कर दी जाये। पिटाई भी इस कदर कि किसी की मौत हो जाये। घटना भिलाई के कुर्सिपार की है जहां हाल ही में रिलीज हुई गदर-2 का एक संवाद बोलने पर कुछ लोग भड़क गये। बताया जाता है कि जिन्होंने मारपीट की वे लोग शराब के नशे में थे। इस घटना से न तो नाराज होने की आवश्यकता है और न ही इसे तूल देना चाहिये क्योंकि इसको उन लोगों ने अंजाम दिया है जो मूवी के संवादों को भी बड़ी गम्भीरता से लेते हैं और वे यह नहीं जानते कि ज्यादातर ऐसी फिल्में मनोरंजन का साधन मात्र होती हैं। वे फेंटेसी एवं केवल कल्पना पर आधारित होती हैं और उनका हकीकत से वास्ता नहीं होता। फिल्में जीवन नहीं वरन उसका कृत्रिम रूप हैं। पुलिस ने प्रशंसनीय रूप से तत्काल कार्रवाई करते हुए दोषियों को गिरफ्तार किया है। सम्भव है कि कुछ तत्व एवं संगठन इस वारदात का फायदा उठाने का प्रयास करेंगे। ऐसे लोगों से भी सावधान रहने की जरूरत है। पुलिस को चाहिये कि इसे लेकर अफवाह फैलाने वालों पर पहले से नजर रखे।

खुर्सीपार गुरुद्वारा बेबे नानकी जी के प्रधान सरदार कुलवंत सिंह का पुत्र मलकीत सिंह आईआईटी गाउंड पॉवर हाऊस में शुक्रवार की रात अपने मित्र ओमप्रकाश उर्फ पल्लू के साथ मोबाइल पर गदर-2 देख रहा था। फिल्म में पाकिस्तान वाला संवाद जब आया तो वह उसे जोर-जोर से बोलने लगा। इससे पास ही में शराबखोरी कर रहे 8-10 लोग नाराज हो गये और उन्होंने दोनों की पिटाई शुरू कर दी। ओमप्रकाश को उन्होंने घुटने के बल पर बैठा दिया, तो वहीं मलकीत को जमकर पीटने लगे। वह अंधमारा हो गया तो सारे भाग खड़े हुए। पहले तो उसे खुर्सीपार के ही एक अस्पताल में ले जाया गया। हालत खराब होती देखकर उसके परिजन रायपुर के एक निजी अस्पताल में ले गये परन्तु गम्भीर चोटों के चलते उसे बाचा नहीं जा सका। पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया वहीं अन्य की शिनाख्त कर ली गयी है तथा पुलिस उनकी भी तलाश कर रही है। समाज के नेता और अनेक राजनीतिक नेताओं ने कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

यह निश्चित रूप से बहुत ही दुःख घटना है कि एक फिल्मी संवाद के कारण किसी युवक को अपनी जान गंवानी पड़े। पुलिस तो इस घटना के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करती हुए दिख रही है, लेकिन नागरिकों को भी चाहिये कि इस मामले को राजनीतिक या साम्प्रदायिक रंग देने वालों के बहकावों में न आएं। सामाजिक सद्भाव बनाये रखना ही श्रेयस्कर है। मनोरंजन के लिये बनाई गई एक मूवी से, वह भी नशे में किये गये विवाद को बढ़ाना कतई समझदारी नहीं है।

हर समाज का अपना एक भवन होना चाहिए-भूपेश

छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाज के वरिष्ठजनों एवं युवा प्रतिभाओं का किया सम्मान



मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण विकास परिषद के कार्यक्रम में हुए शामिल

छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण बहुउद्देश्य परिसर का किया शिलान्यास

बिलासपुर अंग्रेजी माध्यम के आत्मानंद कॉलेज भवन के उन्नयन कार्य का किया लोकार्पण

बेलतरा में नये कॉलेज का किया शुभारंभ

समाज की सांस्कृतिक पत्रिका 'सरयू द्विज' का किया विमोचन

बिलासपुर, 17 सितंबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बिलासपुर शहर में छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाज के बहुउद्देश्य परिसर का शिलान्यास

किया। राज्य सरकार द्वारा शहर में लगभग दो एकड़ भूमि इस प्रकल्प के लिए प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने साइंस कॉलेज प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में बिलासपुर में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम कॉलेज के उन्नयन कार्य के लोकार्पण के साथ ही बेलतरा में नए शासकीय कॉलेज का शुभारंभ किया। श्री बघेल ने विप्र समाज की 60 वरिष्ठजनों और युवा प्रतिभाओं का समाज की ओर से शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। ब्राह्मण समाज द्वारा प्रकाशित सामाजिक एवं सांस्कृतिक पत्रिका सरयू द्विज का विमोचन भी मुख्यमंत्री ने किया। छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण विकास परिषद द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री रविन्द्र चौबे ने की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि हर समाज का अपना एक भवन होना चाहिए। इसी सोच के साथ हमारी सरकार ने प्रदेश के सभी समाजों को जिला एवं राज्य स्तर पर जमीन दिलाने का काम किया है। सभी समाज को विभिन्न सामाजिक कार्यों एवं बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के लिए एक भवन की आवश्यकता होती है, कई समाज संपन्न होने के बावजूद भी स्वयं का

सामाजिक भवन नहीं बना पाते हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए विभिन्न अवसरों पर समाजों को भवन के लिए जमीन दिया गया है। पिछले पांच सालों में हमने छत्तीसगढ़िया संस्कृति और लोक परंपरा को आगे बढ़ाने का काम किये हैं। यहां की तीज-त्नौहार, खान-पान, पुरातन खेलकूद को नई पहचान मिली है। आज प्रदेश के गांव की महत्ता बढ़ रही है। उन्हें पहले सिर्फ खेती किसानी के लिए जाना जाता था, अब हमारे गांव सांस्कृतिक, आर्थिक एवं बौद्धिक रूप से सशक्त हो रहे हैं।

मंत्री रविन्द्र चौबे ने प्रदेश के न्यायधानी में ब्राह्मण समाज के लिए जमीन देने पर मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के ब्राह्मण समाज ने राज्य के कई प्रमुख आंदोलन का अगुवाई किया है। ब्राह्मण समाज अन्य समाज के लोगों को ज्ञान एवं राह दिखाने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़िया संस्कृति को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। यहां के लोक संस्कृति एवं खान-पान का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री के आह्वान पर मजदूर दिवस के दिन जनप्रतिनिधि, अधिकारी से लेकर पूरे प्रदेशवासियों ने बोरे बासी खाकर श्रमिकों का मान बढ़ाया। मुख्यमंत्री जी के खेती-किसानी की ओर विशेष प्राथमिकता देने

के प्रयासों से ही आज गांव में पलायन बंद हो गया है। अब शहर से लोग गांव की ओर आना शुरू कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं लोक परंपरा पीछे छूट रही थी, जिसे मुख्यमंत्री ने नई पहचान देते हुए उन्हें सहेजने का कार्य किया है। छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाज के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वागत भाषण दिया। इस मौके पर गौसेवा आयोग के अध्यक्ष रामसुंदर दास, संसदीय सचिव रश्मि आशीष सिंह, विधायक शैलेश पाण्डेय, छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, जैव विविधता बोर्ड के अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, महापौर रामशरण यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष अरूण सिंह चौहान, पर्यटन मण्डल के अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष श्री प्रमोद नायक, मंडी अध्यक्ष राजेन्द्र शुक्ला, अपेक्स बैंक के अध्यक्ष बैजनाथ चन्द्राकर, रायपुर नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे, अरपा बेसिन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभय नारायण राय, विजय केशरवानी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सार-संक्षेप



रेलवे में विराजे देवशिल्पी

बिलासपुर, 17 सितंबर (देशबन्धु)। बिलासपुर रेलवे स्टेशन के स्थापना के बाद से ही रेलवे परिक्षेत्र में विश्वकर्मा पूजा धूमधाम से मनाया जाता है। खासकर रेलवे के अधिकारी कर्मचारी इस पूजा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। बिलासपुर रेलवे स्टेशन के गेट नंबर 4 के सामने लोको पायलट ट्रेन मैनेजर, असिस्टेंट रनिंग स्टाफ के द्वारा विश्वकर्मा जयंती धूमधाम से मनाई जाती है। विश्वकर्मा पूजा समिति के सीवाय एम एस के पाठक, सीसीसी पी नागेश्वर डीजल लोको पायलट, एपी अशोक सीनियर चैंसेजर ट्रेन मैनेजर बिलासपुर भूपेन्द्र पांडे ने बताया कि दो दिनों तक यहाँ भंडारा चलता है। जहाँ श्रद्धालु व रेलवे अधिकारी कर्मचारी भंडारे व प्रसाद ग्रहण करते हैं। समिति ने भव्य पंडाल बनवाया है।

सिम्स परिसर में देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा विराजित



बिलासपुर, 17 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ आयुर्वेद विज्ञान संस्थान सिम्स देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित की गई। मेडिकल कॉलेज के अधिकारी कर्मचारी और एमबीबीएस को छात्र-छात्राओं में पूजा अर्चना की। भोग प्रसाद का वितरण किया गया। कर्मचारियों ने बताया कि विगत 10 वर्षों से सिम्स परिसर में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा का स्थापना किया जा रहा है। अधिकारी/कर्मचारी मिलकर पूजा अर्चना के बाद भोग प्रसाद का वितरण किया। इस दौरान संतोष यादव, राजेश दुबे, विजय बर्गा, अविनाश लाल, जितेन दुबे, दिनेश निर्मलकर, उमेश साहू लक्ष्मी पटेल चंद्रकांत जायसवाल अशोक साहू सागर यादव कमलेश चंद्राकर प्रमोद यादव शैलेंद्र रावत, टीकाराम मतवाले, अमरेंद्र सिंह, फेकू चंद्राकर संतोष चंद्र सेन अजय पांडे जागेश्वर साहू सहित भारी संख्या में अधिकारी - कर्मचारी और मेडिकल कॉलेज के छात्र - छात्राएँ उपस्थित रहे।



मां से बिछड़े बच्चे को पुलिस ने परिजनों के सुर्पुद किया

बिलासपुर, 17 सितंबर (देशबन्धु)। बालक रुद्रांश महाराणा प्रताप चौक में धोखे से अपनी मां से अलग होकर बस में चढ़ गया था। जिसकी सूचना बालक की माताजी द्वारा थाना सिविल लाइन में दर्ज कराई। इसी दौरान जो बस मालिक सोहेल शर्मा द्वारा थाना सिविल लाइन को सूचना दी गई कि एक बालक उनके बस में है जिसके साथ उसके माता-पिता नहीं हैं। सूचना पर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह द्वारा तत्काल बालक को वापस लाने के लिए गए। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर राजेंद्र जायसवाल एवं नगर पुलिस अधीक्षक संदीप पटेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिविल लाइन प्रदीप आर्य द्वारा थाना पाली में थाना प्रभारी अभिनव कांत सिंह के सहयोग से उक्त बालक को सुरक्षित बस से उतार कर वापस थाना सिविल लाइन लाया गया एवं उनके माता-पिता से संपर्क कर माता-पिता के सुपुत्र किया गया।

पीएम विश्वकर्मा योजना वचिंतों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उपहार: कुलस्ते

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के एनईआई सभागार में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का हुआ लाइव प्रसारण

18 प्रकार के पेशे से जुड़े लाभार्थी रहे उपस्थित, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को सुना

बिलासपुर, 17 सितंबर (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्रामीण क्षेत्र की समस्याओं को भली-भांति समझते हैं। रोजगार को लेकर लोगों को परेशानी नहीं हो। स्थानीय स्तर के उत्पाद वैश्विक स्तर पर अपनी पहुंच बनाएं। इन सभी को ध्यान में रख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्वकर्मा दिवस के पावन अवसर पर पीएम विश्वकर्मा योजना की शुरुआत की है। इसका एकमात्र उद्देश्य सदियों से वंचित होने के बावजूद अपने पेशे के प्रति समर्पित लोगों को सक्षम और सशक्त बनाना है। यह उद्गार ग्रामीण विकास एवं इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री फगन सिंह कुलस्ते

वृद्धाश्रम में रोटी वलव ऑफ क्रीस ने लगाया हैल्थ कैम्प

बिलासपुर, 17 सितंबर (देशबन्धु)। आज विश्वकर्मा जयंती के शुभ अवसर पर रोटी क्लब ऑफ बिलासपुर क्रीस के द्वारा कल्याण कुंज वृद्ध आश्रम परिवार के लिए एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। जो कि सिम्स के डॉक्टर राजीव सखुजा के मार्गदर्शन में पूर्ण हुआ। इस कार्यक्रम में आश्रम के अध्यक्ष सतीश शाह एवं क्लब अध्यक्ष आंचल अगिचा के द्वारा आश्रम परिवार के वृद्धजनों की स्वास्थ्य संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई गई। उसी आधार पर रोटी क्लब ऑफ बिलासपुर क्रीस ने दवाओं का वितरण भी किया। इस शिविर से आश्रम परिवार के 50 बुजुर्गों बीपी शुगर की जांच से लाभान्वित हुए। घर और अपनों से दूर रह रहे बुजुर्गों को रोटी बिलासपुर क्रीस ने बड़े ही अपनत्व के साथ उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जानकारियाँ दी एवम् अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने को कहा। क्रीस संदेव इस तरह के सेवा कार्यों को करने में तत्पर रहती है।

जारी है सफाई का विशेष अभियान दिया जा रहा स्वच्छता का संदेश

दिलाई जा रही स्वच्छता की शपथ, स्वास्थ्य परीक्षण भी

23 सितंबर को साइकिल रैली

बिलासपुर, 17 सितंबर (देशबन्धु)। स्वच्छता ही सेवा और स्वच्छता लीग 2.0 के तहत 15 सितंबर से प्रारंभ स्वच्छता पखवाड़े के तहत नगर पालिक निगम बिलासपुर द्वारा स्वच्छता को लेकर विभिन्न अभियान चलाए जा रहे हैं। जिसके तहत बृहस्पति बाजार में सफाई का विशेष अभियान चलाया गया। जिसमें एमआईसी सदस्य राजेश शुक्ला, पार्षद राजेश सिंह समेत कर्मचारी और सामाजिक संगठनों ने भाग लिया। देश भर में 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा और इंडियन स्वच्छता लीग 2.0 के तहत स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है, जिसका मुख्य थीम गाब्रेंज फ्री इंडिया है। इस

अभियान के तहत नगर निगम द्वारा अलग-अलग आयोजन किए जा रहे हैं। निगम द्वारा संचालित सभी एसआरएलएम सेंटर में स्वच्छता दीर्घियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई जा रही है। इसके अलावा सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का भी आयोजन किया जा रहा है जिसमें सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य का परीक्षण और इलाज किया जा रहा है।

23 सितंबर को साइकिल रैली

शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने और उन्हें जोड़ने के लिए नगर पालिक निगम द्वारा 23 सितंबर को साइकिल रैली संचालित किया जा रहा है। विकास भवन नेहरू चौक से सुबह सात बजे रैली प्रारंभ होगी जिसका समापन छठघाट में किया जाएगा।



उन्होंने कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में प्रधानमंत्री का अभूतपूर्व योगदान है। उन्होंने देश के हर सेक्टर में विकास के लिए कार्य किया है। प्रधानमंत्री गरीबों, श्रमिकों, किसानों के कल्याण के लिए संदेव कार्य करते रहते हैं। विश्वकर्मा जयंती के मौके पर पीएम विश्वकर्मा योजना के लोकार्पण के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया व जन्मदिन

श्रमिकों में दिखा भारी उत्साह

पीएम विश्वकर्मा योजना के प्रति लोगों में भारी उत्साह दिखा। उनके उत्साह को देखते हुए रेलवे की ओर से एनईआई सभागार के बाहर भी डिजिटल प्रसारण की व्यवस्था की गई थी। रेलवे द्वारा लगाए गए सहायता काउंटर पर लोगों में योजना की जानकारी लेने के लिए भीड़ उमड़ी। रेल कर्मियों द्वारा उन्हें जानकारी दी गई।

सार-संक्षेप

शासकीय कर्मियों ने किया विश्वकर्मा पूजा का आयोजन



कोरबा, 17 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ शासकीय वाहन चालक यांत्रिक कर्मचारी संघ के द्वारा भगवान विश्वकर्मा की जयंती कलेक्टर कार्यालय प्रांगण में मनाई गई। पूजन कार्यक्रम को आचार्य टीकेश्वर तिवारी के द्वारा संपन्न कराया गया। वरिष्ठ समाजसेवी मनीराम जांगड़े सहित गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। आयोजन समिति के द्वारा 20 सितंबर को भोग वितरण का कार्यक्रम रखा जाएगा जिसमें समाजसेवी मनीराम जांगड़े की ओर से भी सहयोग की घोषणा की गई है। जयंती आयोजन में अनूप कोराम, त्रिनाथ पटेल, रामगोपाल यादव, नाथूराम खैरवार, रामदास मानिकपुरी, रविंद्र सरपे, उजागर महंत, गोविन्द महंत, सनत कश्यप, चितरंजन महंत, राजकुमार यादव, उपेंस महंत, बिट्टन साहू, अमृत पटेल, विजय भोई, मनहरण मानिकपुरी, बली सिदार, बी एल निराला, मो. यूसुफ, लोमैस, हीरा कंवर आदि उपस्थित रहे।

भारतीय परिधान को बढ़ावा देने साडी वॉक का आयोजन

कोरबा, 17 सितंबर (देशबन्धु)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की कोरबा इकाई द्वारा भव्य साडी वॉक का आयोजन किया गया जिसमें शहर की विभिन्न महिला संस्थाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।



भारतीय परिधान साडी को बढ़ावा देने हेतु शाखा द्वारा यूनिटी साडी स्टूडेंट नाम से वाकेथोन करवाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री के अलावा अग्रवाल सभा अध्यक्ष श्रीकांत बुधिया ने उत्साहवर्धन किया। वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अन्नपूर्णा बोर्डे, पार्षद सुश्री रिंतु चौरसिया, अधिवक्ता श्रीमती मधु पांडे व छत्तीसगढ़ प्रांत की अध्यक्ष सरोज सुनालिया भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में चाम्रुप एक्सप्रेसवे के तौर पर जुंवा डांस करवाया गया जिसमें 150 महिलाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। साडी वॉक टैगोर ध्यान से शुरू होकर भ्रमण करते हुए वापस टैगोर उद्यान पहुंची। इसके पश्चात बेस्ट रील नारी शक्ति, बेस्ट टीम गेटअप आदि विषय पर प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। साडी वॉक की विजेता श्रीमती भारती पटेल व उपविजेता श्रीमती सोनल झुनझुनवाला रही। अन्य प्रतियोगिता के भी विजेता पुरस्कृत किए गए। आयोजन में प्रांतीय उपाध्यक्ष श्रीमती शशि अग्रवाल, प्रांतीय सचिव प्रेमा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रीति मोदी, शाखा अध्यक्ष श्रीमती मनीषा गोयल, सचिव रश्मि सरावगी, कोषाध्यक्ष पंचुड़ी अग्रवाल, विनीता, मुक्ता, लीना, समता, अनीता, पल्लवी, सुमन, स्वाति, कंचन सरावगी, सरिता, ऋतु, अर्चना, निर्मला, दुर्गा, मधु, श्रद्धा, भारती ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

धतूरा सेवन से मां-बेटा की तबियत बिगड़ी

कोरबा, 17 सितंबर (देशबन्धु)। कोरबा जिले में सीएसईबी चैकी अंतर्गत मानस नगर में गर्मी दूर भगाने के लिए मां और बेटे ने धतूरा के फल का सेवन कर लिया। इसके बाद दोनों की सेहत बिगड़ती चली गई और वे घर पर ही बेहोश हो गए। परिजनों को जब इस बात की जानकारी हुई तब दोनों को मेडिकल कॉलेज जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां मां की हालत स्थिर है लेकिन पुत्र की हालत गंभीर बताई जा रही है। परिजनों को माने तो दोनों को कहीं से पता चला कि धतूरा फल का सेवन करने से गर्मी से राहत मिलती है तब इन्होंने आंगन में मौजूद शिवलिंग पर चढ़े धतूरा, बेल पत्र सहित अन्य फूल पत्तियों को मिक्सर में पीसकर उसका सेवन कर लिया जिसके बाद दोनों की तबियत बिगड़ गई।

स्पर्धा में शामिल हुए 14 स्कूल के 184 छात्र-छात्राएं



कोरबा, 17 सितंबर (देशबन्धु)। वैदिक गणित, गणना की ऐसी पद्धति है, जिससे जटिल अंकगणितीय गणनाएं अत्यंत ही सरल, सहज व त्वरित रूप से कर पाना संभव हैं। इसका प्रणयन बीसवीं सदी के आरंभिक दिनों में किया गया। भारत की इस प्राचीन विधा को प्रोत्साहित करते हुए जिला स्तरीय विज्ञान वैदिक गणित मेला आयोजित की गयी। इस मेला सह जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 14 विद्यालयों के 184 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और इस विषय पर प्रश्नमंच व प्रदर्श पत्र के माध्यम से अपनी प्रतिभा का आंकलन-प्रस्तुतिकरण किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर उत्साहवर्धन किया गया।

जिला स्तरीय विज्ञान वैदिक गणित मेले का आयोजन विद्याभारती की प्रांतीय इकाई सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ रायपुर के तत्वावधान में किया गया। सरस्वती शिशु मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय सीएसईबी कोरबा (पूर्व) में अतिथियों ने मां सरस्वती व भारत माता के चित्र पर माल्यापर्व व दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि वनवासी शिक्षा न्यास वनांचल क्षेत्र छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष व सचिव चंद्रकिशोर श्रीवास्तव थे, अध्यक्षता जोगेश लांबा सचिव व व्यवस्थापक, सरस्वती शिक्षा समिति ने की। सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ रायपुर के अध्यक्ष जुड़ावन सिंह ठाकुर विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर सरस्वती शिक्षा समिति कोरबा के समन्वयक सूर्यकुमार पाण्डेय, विभाग समन्वयक गेंदराम राजपूत, संस्थान प्रतिनिधि के रूप में प्रतियोगिता जिला पर्यवेक्षक लक्ष्मीनारायण जायसवाल, प्राचार्य सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रगति नगर भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में जिले के 14 विद्यालयों के 184 विद्यार्थी शिशु बाल, किशोर-तरुण वर्ग से सम्मिलित हुए और प्रतिभा प्रदर्शित की। इनमें विज्ञान गणित प्रश्नमंच, प्रदर्श पत्र वाचन प्रतियोगिताएं शामिल हैं। प्राचार्य राजकुमार देवांगन ने आभार ज्ञापित किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

वेलफेयर बोर्ड के सदस्यों ने किया निरीक्षण, दिए निर्देश

कुसमुंडा के प्रवास पर पहुंचे थे सदस्य

कोरबा, 17 सितंबर (देशबन्धु)। एसईसीएल की कल्याण समिति के 10 सदस्यों के द्वारा कुसमुंडा का दौरा किया गया। कमेटी के सदस्यों ने विभिन्न स्थलों पर निरीक्षण करते हुए आवश्यक जानकारी ली और दिशा-निर्देश भी दिए। इससे पहले क्षेत्रीय महाप्रबंधक सभाकक्ष में कल्याण समिति के सदस्यों का स्वागत महाप्रबंधक संजय मिश्रा ने किया। महाप्रबंधक (खनन) ने उपहार भेंट किए। चर्चा के दौरान कंपनी कल्याण समिति के सदस्यों को कर्मचारियों के हित में किए



गए कल्याणकारी कार्यों की जानकारी दी गई साथ ही इस वित्तीय वर्ष में प्रस्तावित कर्मचारी कल्याण

योजनाओं को भी बैठक में साझा किया गया। बैठक उपरांत सदस्यगणों के साथ विभागीय अधिकारियों की टीम ने तीनों कॉलोनी की साफ सफाई, औषधालय, खदान स्थित वातानुकूलित जलपान गृह का निरीक्षण किया। बोर्ड के सभी सदस्यों ने अपने-अपने वाचन में स्थानीय कल्याण समिति को आश्वस्त किया कि मुख्यालय स्तर की बैठक में कल्याण मद में बढ़ोतरी, कामगारों के आवासों का बेहतर रखरखाव, चिकित्सालयों में ज्यादा से ज्यादा

औषधियों की उपलब्धता और खेल गतिविधियों में कर्मचारियों और उनके बच्चों को प्रोत्साहित किया जाएगा। इस दौरान क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक सरत कुमार मलिक व प्रबंधक (कार्मिक) वीरेंद्र कुमार, मुख्यालय से आए समिति के सदस्य बजरंगी शाही (एचएमएस), अजय विश्वकर्मा (एईटीयूसी), महेंद्रपाल सिंह (बी.एम. एस), संपत शुक्ला (इंटरक) और देवेन्द्र कुमार निराला (सीटू) एवं मुख्यालय से आए मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसईसीएल) डॉ. प्रतिभा पाठक, सी.एम.वर्मा मुख्य प्रबंधक (सिविल), हरीश यादव प्रबंधक (कार्मिक) उपस्थित रहे।

ऊर्जाधानी में धूमधाम से मनाई गई विश्वकर्मा जयंती, पूजे गए आदिशिल्पी

आम जनता सहित जनप्रतिनिधियों ने भी पंडालों में पहुंचकर किए दर्शन-पूजन

कोरबा, 17 सितंबर (देशबन्धु)। आदिशिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती ऊर्जाधानी में भी धूमधाम से मनाई गई। बाबा विश्वकर्मा की मूर्तियां जिले भर में स्थापित की गईं। निर्माण, शिक्षा, उद्योग, कारखानों, संयंत्रों, खदानों से लेकर बस स्टैण्ड, ऑटो स्टैण्ड, गैरेज, वर्कशॉप सहित हर उस क्षेत्र में भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति स्थापित कर पूजा-अर्चना की गई जहां तकनीकी का उपयोग होता है। लोगों ने अपने छोटे-बड़े वाहनों की भी पूजा-अर्चना कर रक्षासूत्र बांधा। भगवान विश्वकर्मा की आराधना में ऊर्जाधानी और आयोजकगण डूबे रहे तो वहीं सुबह से लेकर देर रात तक पूजा पंडालों में दर्शन व पूजन करने तथा प्रसाद ग्रहण करने के लिए श्रद्धालु उमड़ते रहे। अनेक संस्थानों में भोग-भंडारा का भी आयोजन कराया गया। जहां सैंकड़ों नजरन प्रसाद ग्रहण किए। पंडालों में आम लोगों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों व खास लोगों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जयंती के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी कराया गया तथा अनेक स्थानों पर एक दिन



कार्यपालन अभियंता आर.के.माहेश्वरी, एम.एन.सरकार, भूषण उरांव, तपन तिवारी, विनोद शांडिल्य, अखिलेश शुक्ला, प्रकाश चन्द्रा, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय तिवारी, सहायक अभियंता लीलाधर पटेल, राकेश मसीह, पीयूष राजपूत, राहुल मिश्रा, विनोद गोंड, अभय मिंज, प्रमोद जगत, रमेश सूर्यवंशी, सहायक कार्यालय अधीक्षक रामेश्वर सिंह कंवर, अरूण वर्मा, प्रकाश निपाद, भावेश यादव, द्वाराम साहू, दीनदयाल साहू, मनोज श्रीवास, कमला राठौर, महावीर राठौर, बलराम, अजय प्रधान, मदन मोहन दिव्य, इमरान खान, शाहिद बेग, सुदर्शन साहू, भूपेंद्र गभेल, रवि खुटे, आलेख सहित निगम की कर्मशाला एवं जल उपचार संयंत्र तथा निगम के अन्य अधिकारी कर्मचारीगणों ने भी पूजा-अर्चना की।

पुराना बस स्टैण्ड में छत्तीसगढ़ी संगीत आज

कोरबा, 17 सितंबर (देशबन्धु)। पुराना बस स्टैण्ड में सिटी मिनीबस एवं मिनीडोर, महिन्द्रा चैम्पियन एवं के द्वारा अध्यक्ष प्रहलाद सिंह के नेतृत्व में विश्वकर्मा जयंती का आयोजन किया गया। संघ के पदाधिकारियों व सदस्यों के सहयोग से हुए आयोजन में विधिवत पूजा-अर्चना की गई एवं श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। अध्यक्ष प्रहलाद सिंह ने बताया कि जयंती अवसर पर 18 सितंबर को पुराना बस स्टैण्ड में छत्तीसगढ़ी संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसमें गायक अनुराग शर्मा के द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

विस्तार परियोजना में थमे डमरों के पहिए, शिफ्ट इंचार्ज पर आरोप

कोरबा, 17 सितंबर (देशबन्धु)। एसईसीएल की दीपका विस्तार परियोजना में आज 240 और 120 टन की डंपरों के पहिए धम गए। ऑपरेटरों का कहना है कि शिफ्ट इंचार्ज एनके साहू के द्वारा कामकाज को लेकर अडिअल रवैया अपनाया जा रहा है, जिससे ऑपरेटर परेशान हैं। कोयले का परिवहन रोक दिए जाने से प्रबंधन को करोड़ों का नुकसान अनुमानित है। जानकारी के अनुसार एसईसीएल की खदानों में कोयले का परिवहन विशालकाय 240 और 120 टन के डंपरों में होता है। इन वाहनों को चलाने वाले ऑपरेटरों का कहना है कि शिफ्ट इंचार्ज एनके साहू ने प्रथम पाली में 2 बजे तक डंपर को चलाने का आदेश जारी किया है, 2 बजे तक डंपर चलाने से साईं स्टैंड से एमटीके तक पहुंचने में करीब 1 घंटे का समय और बीत जाता है जबकि शिफ्ट का समय 2 बजे तक का ही है। इस मुद्दे को लेकर ऑपरेटर और प्रबंधन के बीच तनावनी हो गई। इसके बाद शिफ्ट इंचार्ज ने कह दिया कि जिन्हें काम करना है, वह करें वरना अपना हाजिरी आउट कर बाहर जा सकते हैं। ऑपरेटर इस बात से नाराज हो गए और डंपरों को खड़ा कर हड़ताल पर बैठ गए। बता दें कि आज सुबह 6 बजे से लेकर 2 बजे तक के प्रथम पाली में 240 टन 120 टन और सॉविल मशीन के पहिए धमे रहे, जिससे कि प्रबंधन को करोड़ों का नुकसान हुआ है। क्षेत्रीय खान सुरक्षा सदस्य फेयाज अंसारी ने आरोप लगाया कि शिफ्ट इंचार्ज द्वारा श्रमिकों से अंधधुंध व्यवहार किया जाता है, वहीं सुरक्षा के नियमों का पालन भी नहीं किया जा रहा है। ऑपरेटरों का कहना है कि जब तक शिफ्ट इंचार्ज को हटया नहीं जाएगा, तब तक हम अपनी बातों पर अडिअल रहेंगे।

कमीशनखोरी एवं भ्रष्टाचार को हर मतदाता तक पहुंचाएं- लखन

कोरबा, 17 सितंबर (देशबन्धु)। कोरबा विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी लखनलाल देवांगन ने बालकों में बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। परसाभाठा में जनसंपर्क कर बालकों के उत्सव वाटिका में कर्मचारियों के साथ बैठक ली। बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि भाजपा योजना भी चलाती है और विकास भी करती है। कांग्रेस सरकार में बैठे यहां के विधायक और महापौर के शहर पर रेत खदान को खुलने नहीं दिया जा रहा जिसमें लाखों-करोड़ों रुपए गबन किया जा रहा है। श्री देवांगन ने कहा कि कोरबा में कमीशनखोरी, भ्रष्टाचार, अवैध वसूली सीमा पार कर चुकी है। बूथ के एक-एक कार्यकर्ता भ्रष्टाचार के दास्तान को प्रत्येक मतदाता तक पहुंचाएं। इस अवसर पर भाजपा के जिला व मंडल के पदाधिकारी, बूथ कार्यकर्ता व स्थानीय लोग उपस्थित थे।



राजस्व मंत्री ने वाई 25 व 26 में किया विकास कार्यों का भूमिपूजन

कोरबा, 17 सितंबर (देशबन्धु)। नगर निगम के वाई क्र. 25 व 26 में 23.77 लाख रुपये के नए विकास कार्य किए जाएंगे। राजस्व मंत्री ने चौहान समाज के सामुदायिक भवन एवं राजवाड़े (कुर्मी) समाज के सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर राजकिशोर प्रसाद ने की। विशिष्ट अतिथि सभापति श्यामसुंदर सोनी थे। भूमिपूजन अवसर पर एसआईसी सदस्य श्रीमती सपना चौहान, पार्षद शैलेन्द्र सिंह पम्पी, एल्डरमैन आरिफ खान, अभिनव तिवारी, चौहान समाज से जीवनलाल चौहान, जसवंत चौहान, शिवकुमार चौहान, रामकृष्ण चौहान, पारस चौहान, बंशीलाल चौहान, किशन चौहान, रथलाल चौहान, नवधालाल चौहान, मंगल सिंह चौहान, फूलसाय चौहान, दशराम चौहान, आरदास चौहान, धरमपाल चौहान, छेदीलाल चौहान, राजेश यादव, राजवाड़े समाज से भोजराम राजवाड़े, भगवती राजवाड़े, कुपासिंह राजवाड़े, हरनारायण राजवाड़े, बलीराम, सत्यनारायण, रामचंद्र, रोहित, सुखसेन, रामेश्वर, शिव कुमार, सालिक, जयराम, सत्यनारायण, जगदीश, श्यामलता, मधुलता, अहिल्या, संतोषी, राजकुमारी तथा चौहान व राजवाड़े समाज के प्रतिष्ठित नागरिकों के साथ अन्य नागरिकगण उपस्थित थे।

लाखों जन्मों के सत्कर्म से भागवत सुनने का फल प्राप्त होता है

कोरबा, 17 सितंबर (देशबन्धु)। जिले के कटघोरा में स्टेडियम ग्राउंड हाईस्कूल परिसर में प्रख्यात कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर के द्वारा श्रीमद भागवत कथा का श्रवण कराया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर आयोजित हो रहे भागवत कथा के द्वितीय दिवस की शुरुआत विश्व शांति के लिए प्रार्थना के साथ की गई। इसके बाद महाराज ने भक्तों को जब होव सच्चा प्यार क्यों न मिले कन्हैया भजन का श्रवण कराया। कथा को आगे बढ़ाते हुए देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि भगवान मिलेंगे कि नहीं मिलेंगे, मन में विश्वास एक चीज का रखो अगर तुम्हारे दिल में प्रेम सच्चा है तो भगवान का वचन भी सच्चा होगा। भगवान का वचन है कि जिस भाव से तुम मुझे याद करते हो उसी भाव से मैं तुम्हारा स्मरण करूँगा। इसका प्रमाण है कि रावण और कंस को शत्रु के रूप में मिले



भगवान, ध्रुव, प्रह्लाद को स्वामी के रूप में मिले। आप भी जिस भाव से भगवान की भक्ति करोगे उसी भाव से भगवान आपको मिलेंगे। उन्होंने कहा कि हमें जिस चीज का मोल पता न हो, उसे हम हलके में ले लेते हैं और जिसका हमें मोल पता हो उसकी हम वैल्यू समझते हैं। मनुष्य को कभी भी किसी के भी घर खाली हाथ नहीं जाना चाहिए। शास्त्रों में किसी के घर खाली हाथ जाना अपशुन बताया गया है। व्यक्ति को अपने घर भी कभी खाली हाथ नहीं जाना चाहिए। भागवत का महत्व बताते हुए कहा कि जिनके करोड़ों जन्मों के सत्कर्म इकट्ठा हो जाते हैं उन्हीं को भागवत सुनने का फल प्राप्त होता है। 84 लाख योनियों से मनुष्य ही ऐसा है जो भगवान के धाम पहुंच सकता है। इसलिए मनुष्य योनि भगवान को प्रिय है क्योंकि आत्मा को परमात्मा तक पहुंचाने का कार्य मनुष्य योनि में ही हो सकता है। कथा सुनने के लिए कटघोरा सहित आसपास के उप नगरीय तथा ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ रहे हैं।

तिरछी नजर

राजेन्द्र जायसवाल

विराजेंगे विघ्नहर्ता

प्रथम पूज्य भगवान गणेश की विशेष अराधना के साथ ही गणेश चतुर्थी प्रारंभ होगी। बदलते दौर के साथ गणेश पूजा के आयोजन का स्वरूप भी विशाल होने लगा है। महाजगदीय तर्ज पर उंचे और विशाल आकर्षित करने वाले पंडालों में विघ्नहर्ता विराजेंगे। पूरे 9 दिनों तक ऊर्जाधानी की सड़कों पर रेला इनके दर्शन के लिए उमड़ेगा। घरों व गली मोहल्लों में भी बच्चे और युवा अपने प्रिय गणेश को विराजित करेंगे।

चुनावी वर्ष में उत्सव

वैसे तो त्योहार और उत्सव हर साल आते हैं लेकिन जब यह उत्सव चुनावी साल में हो तो इसका आनंद और भी बढ़ जाता है। कई आयोजन समितियों की जहां चांदी हो जाती है और वे अपने आयोजन को राजनेताओं से प्राप्त मुक्त हस्त सहयोग से और भी भव्य करने की कोशिश

करते हैं। नेता भी चुनावी साल में अपने वोटों का ख्याल रख कर किसी को खाली हाथ नहीं लौटा रहे बल्कि जो मांग रहे हैं, वह सहयोग दिया जा रहा है।

लगने लगे कटआउट

विधानसभा चुनाव की तैयारियां अब जोर पकड़ने लगी हैं। जगह-जगह पार्टियों के दफ्तर खोले जा रहे हैं और कैम्पेनिंग के लिए कमेटियों को भी एक्टिव कर रहे हैं। इसमें फिलहाल भाजपा के वे प्रत्याशी आगे हैं जिनकी टिकट घोषित हो गई है। भाजपा के लखन देवांगन का तो कटआउट जगह-जगह लगने लगा है और उन्होंने कांग्रेस दफ्तर के निकट ही बड़ा सा चुनावी कार्यालय खुलवा लिया है। आप के उम्मीदवार विशाल केलकर भी इस मामले में पीछे नहीं हैं और कांग्रेस भीतर ही भीतर लगी है।

कहीं शोर कहीं सन्नाटा

घोषित प्रत्याशी के पक्ष में माहौल बनाने के लिए चुनावी शोर शुरू हो गया है। अपील की रिकार्डिंग गली-गली घूमने लगी है तो गीतों की पैरोडी भी तैयार हो रही है। फिलहाल तो लखनलाल देवांगन का ही चुनावी शोर सुनाई पड़ रहा है। कोरबा को छोड़ शेष तीनों विधानसभा में सन्नाटा पसरता है। यहां से न तो भाजपा कांग्रेस और न ही अन्य ने उम्मीदवार घोषित किए हैं तो भला अपील का शोर कैसे सुनाई पड़ेगा।

टिकट से पहले हार-जीत का गणित

अभी टिकट हासिल करने के लिए दावेदारों की जोर अजमाइश चल ही रही है कि टिकट मिलने से पहले राजनीतिक गुणा-भाग करने वाले हार-जीत का गणित भी लगाते जा रहे हैं। जगह-जगह अनुमान लगाए जा रहे हैं कि अगर इसे टिकट मिला तो जीतेगा या फिर सामने वाले को वाक ओवर मिल जाएगा। हालांकि अभी तक संयंत्र के नेता भी काफी कश्मकश में हैं कि किस पर दांव लगाया जाए और किसे छोड़ा जाए?

भक्ति रस में डूबा कटघोरा

जिले की सबसे पुरानी तहसील कटघोरा अंचल भक्ति रस में गोते लगा रही है। प्रख्यात कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज के श्रीमुख से स्टेडियम ग्राउंड में श्रीमद भागवत कथा उच्चरित हो रही है। भागवत की गंगा में गोते लगाने के लिए न सिर्फ कटघोरा बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी हजारों श्रद्धालु यहां उमड़ रहे हैं। ऐसे भक्तिपूर्ण वातावरण में पाकिटमार और झपटमारों की भी एंट्री हो जाती है इसलिए आयोजकों सहित श्रोताओं को सावधान रहना होगा।

अंधा कानून से अंधेरी रातों में...

शहर की सड़कों पर अंधा कानून का गीत गुंजाने वाला शख्स इन दिनों अंधेरी रातों में सुनसान राहों का मसीहा बना फिर रहा है। उसने जाने की ट्रैक चेंज कर ली है तो लोगों ने भी इस

पर जमकर चुटकियां ली हैं। गरीबों का मसीहा फिलहाल तो जगह-जगह पोस्टर चिपका कर खामोश बैठ गया है। अब इस खामोशी का राज जनता जानना चाह रही है।

फिर लुटेंगे उपभोक्ता

त्योहारों का सीजन शुरू होने लगा है। सीजन में अपना व्यापार चमकाने और बढ़ाने की प्रतिस्पर्धा में एक बार फिर उपभोक्ता लूटें जाएंगे। यह लूट प्रत्यक्ष न होकर गिटर/स्क्रैच कार्ड के रूप में होगी। कानूनन इस तरह से स्क्रैच कार्ड के जरिए उपहारों और लाभ का प्रलोभन देकर आकर्षित करना प्रतिबंधित है किंतु इस कानून का पालन कोरबा जिले में होता नजर नहीं आया है। पूर्व वर्षों की तरह इस वर्ष भी डिस्काउंट, उपहार के झांसे में उपभोक्ता लिए जाएंगे।

एक सवाल आप से

कोरबा पुलिस में तवादला को लेकर कांग्रेसियों के खासे आशान्वित होने के मायने क्या हैं?

और अंत में...

इस बार छापों और लगातार चल रही जांच ने बाटने वालों की पेशानी पर बल कर दिए हैं। वैसे इसका तोड़ भी लेने और देने वाले के पास है। इस बार चुनावी रेडियों को ऑनलाइन बांटा जाएगा, ऐसी रणनीति है। यूं तो ताली दोनों हाथों से बज ही रही है लेकिन कोशिश हो रही है कि ताली बजने की गूँज सुनाई न पड़े और किसी को कानों कान खबर न हो पर चुनाव की रेडिओ तो ऐसी है कि जिसे जितना मिल जाए कम है।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में कचरा मुक्त भारत थीम पर हो रहे विभिन्न आयोजन

अंबिकापुर 17 सितंबर (देशबन्धु)। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजना अंतर्गत 15 सितंबर से 2 अक्टूबर 2023 तक ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता ही सेवा अभियान का आयोजन किया जा रहा है। स्वच्छता ही सेवा अभियान 2023 के थीम कचरा मुक्त भारत के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन हो रहा है।

इसी कड़ी में कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन और सीईओ जिला पंचायत के निर्देशन में गत शनिवार को जनपद पंचायत अंबिकापुर के सभाकक्ष में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम अंतर्गत स्वच्छता संवाद सह शपथ तथा स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम किया गया। स्वच्छता संवाद का आयोजन अधिकारी, कर्मचारी एवं ग्राम सचिवों की उपस्थिति में शुरू किया गया। इसमें ग्राम पंचायतों में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत होने वाली गतिविधियों को सचिवों को जानकारी दी गई



और स्वप्रेरणा से श्रमदान करने के साथ स्वच्छता शपथ दिलाई गई।

स्वच्छता ही सेवा-2023 स्वेच्छा और श्रमदान की भावना के साथ-साथ सफाई मित्रों के सहयोग से स्थानीय निकायों में संपूर्ण स्वच्छता हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। स्वच्छ भारत मिशन-शहरी और

ग्रामीण द्वारा संयुक्त रूप से 15 सितंबर से 2 अक्टूबर 2023 के बीच वार्षिक स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। इस पखवाड़े का उद्देश्य भारतीय स्वच्छता लीग 2.0, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर और सामूहिक स्वच्छता अभियान जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से देश भर में करोड़ों

नागरिकों को भागीदारी जुटाना है। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत सार्वजनिक स्थलों का चिन्हंकन किया गया है। इसके लिए लोगों को आदत परिवर्तन के लिए भी लगातार प्रेरित किया जाएगा। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के सभी सार्वजनिक स्थल में श्रमदान के माध्यम से साफ-सफाई की जानी है। सभी स्वच्छता परिसंपत्तियों का सुधार, पेंटिंग, सफाई व ब्रांडिंग भी हो रही है। साथ ही स्वच्छता प्रतियोगिता, पौधरोपण, स्वच्छता शपथ, का आयोजन हो रहा है। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर के मध्य सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन एवं केन्द्र पोषित योजना में लाभ हेतु सिंगल विंडो वेलफेयर कैंप व हेल्थ कैम्प का आयोजन किया जाएगा। अभियान के तहत पंचायत प्रतिनिधियों से स्वच्छता संवाद एवं स्वच्छता ही सेवा अभियान का ब्राउजर पम्पलेट, पोस्टर के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

विकासखंड स्तरीय कला उत्सव में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

रायगढ़, 17 सितंबर (देशबन्धु)। रायगढ़ जिले के विभिन्न विकासखंडों में कला उत्सव से संबंधित विभिन्न विधाओं जिसमें एकल गायन (शास्त्रीय एवं लोकगीत) एकल नृत्य (शास्त्रीय एवं लोक नृत्य), वादन, चित्रकला (द्विचित्र एवं त्रिचित्र) मूर्ति कला, अभिनय आदि विधाओं में शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा नवौं से 12वीं तक की विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री बी.बाखला, जिला मिशन समन्वयक श्री एन.के.चौधरी के मार्गदर्शन शासकीय नटवर इंग्लिश स्कूल में 15 सितंबर 2023 को विकासखंड स्तरीय कला उत्सव का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में रायगढ़ विकासखंड के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का पूरे उत्साह एवं मनोरंजन से प्रदर्शन किया। विभिन्न विधाओं के प्रदर्शन के बाद निर्णायकों के कुशल निर्णय पश्चात जिन विद्यार्थियों का चयन जिला स्तरीय कला उत्सव प्रतियोगिता के

लिए किया गया है जिसमें वादन (स्वर वाद्य) अर्पण गुप्ता- सेंट टेरेसा स्कूल रायगढ़, वादन (अवनाद्य वाद्य)- हर्ष राज सिंह-सेंट टेरेसा स्कूल रायगढ़, गायन (पारंपरिक)- वासुदेव दुबे साधुराम विद्या मंदिर, कु कात्यायनी पालके (शास नटवर इंग्लिश स्कूल)हिंदी माध्य. शालिनी शुक्ला-(आदर्श ग्राम्य भारती किरोड्रीमल नगर),गायन-शास्त्रीय (मुस्कान टाकुर) आदर्श ग्राम्य भारती किरोड्रीमल नगर, खिलौने नमन सिन्हा- सेंट टेरेसा स्कूल सपना जयसवाल-शास नटवर अंग्रेजी स्कूल, नृत्य (शास्त्रीय)समुद्रि शुक्ला-सेंट टेरेसा स्कूल, नृत्य (लोक) रुद्र शर्मा -सेंट टेरेसा स्कूल पायल यादव, आदर्श ग्राम्य भारती किरोड्रीमल नगर, कु निकिता मेहर (शास नटवर इंग्लिश स्कूल)हिंदी माध्य., एकल अभिनय शिक्षा सिंह-जुलमिल, दृश्यकला (त्रिआयामी)विवेक प्रधान- सेंट टेरेसा स्कूल हर्षिता पटेल, सेंट टेरेसा स्कूल, दृश्यकला (द्विआयामी)नितिन चौहान- सेंट टेरेसा स्कूल शामिल थे।



संभाग स्तरीय छत्तीसगढ़ियां ओलंपिक 19 से बिलासपुर में

रायगढ़, 17 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संभाग स्तरीय छत्तीसगढ़ियां ओलंपिक का आयोजन स्व.बी.आर.यादव राज्य प्रशिक्षण केन्द्र बहतवाड़ जिला-बिलासपुर में होने जा रहा है। जिसमें पुरुषों के लिए 19 सितंबर एवं महिलाओं के लिए 21 सितंबर को किया जाएगा। सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण रायगढ़ ने जानकारी देते हुए बताया कि संभाग स्तरीय छ.ग.ओलंपिक में जिला रायगढ़ से कुल 16 खेलों के लिए 190 पुरुष, 184 महिला एवं 20 ऑफिसियल सहित कुल 394 सदस्यीय दल भाग लेंगे।

स्थानीय प्रतिभाओं की कला से सजेगा चक्रधर समारोह

रायगढ़, 17 सितंबर (देशबन्धु)। 138 वें चक्रधर समारोह का 19 से 21 सितंबर तक नगर निगम ऑडिटोरियम रायगढ़ में गरिमापूर्ण आयोजन होगा। जिसकी तैयारियां लगातार जारी है। गणेश चतुर्थी से प्रारंभ होने वाले चक्रधर समारोह इस बार खास होने वाला है, क्योंकि पहली बार गणेश चतुर्थी पर कलेक्टर श्री सिन्हा ने स्थानीय अवकाश घोषित किया है। जिससे अधिक से अधिक नगरवासी समारोह का आनंद ले सकेंगे। चक्रधर समारोह में पहली बार जिले एवं प्रदेश की बहुसंख्य सांस्कृतिक प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जा रहा है। जहां गायन-वादन और नृत्य के शीर्षस्थ कलाकारों के साथ ही युवा पीढ़ी के प्रतिभाशाली स्थानीय कलाकार भी समारोह में हिस्सा ले रहें हैं। चक्रधर समारोह में इस वर्ष युवा सहभागिता के तहत बड़ी संख्या में रायगढ़ जिले के स्कूली छात्र-छात्राओं को सामूहिक नृत्य प्रस्तुति एवं स्थानीय कलाकारों को

मंच प्रदान किया जा रहा है। 19 सितंबर मंगलवार को चक्रधर समारोह का उदघाटन श्री गणेश पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ होगा। जिसमें श्री वेदमणि सिंह टाकुर एवं रूप रायगढ़ द्वारा गणेश वंदना की प्रस्तुति देंगे। चक्रधर कला एवं संगीत विद्यालय, रायगढ़ द्वारा राग्यगीत (नृत्य के साथ), पं.परितोष पोहनकर द्वारा शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति देंगे। इसी तरह श्रीमती सोमा दास एवं रूप (चक्रधर बाल सदन रायगढ़ की बालिकाओं द्वारा)कथक नृत्य की विशेष प्रस्तुति, डॉ.विनोद मिश्र (ख्याल एवं हुमरी)पर शास्त्रीय गायन, सुश्री आर्या नंदे ३%श्रीधारा% द्वारा ओडिसी नृत्य, सुश्री गीतिका ठेठवार द्वारा बांसुरी वादन, सुश्री मधुमिता नकवी द्वारा शास्त्रीय गायन, सुश्री अंजली शर्मा द्वारा कथक नृत्य, श्री प्रफुल्ल सिंह गहलोत द्वारा कथक नृत्य एवं श्री दीपक आचार्य एवं रूप रायगढ़ छत्तीसगढ़ी लोक संगीत रंग की प्रस्तुति देंगे।



खैरागढ़ के संगीत विश्व विद्यालय के कलाकार दैने शानदार प्रस्तुति

प्रेमनगर के लोगों को लुभा रहा भूलन का ठेठ सरगुजिहा अंदाज

बुजुर्गों का आशीर्वाद लेने घर-घर दस्तक युवाओं के साथ चलने की भी कोशिश

सूरजपुर 17 सितंबर (देशबन्धु)। विधानसभा चुनावों में इस बार भाजपा ने जिले की तीनों ही सीटों पर नए चेहरों को उतार कर संभावनाओं का आकाश खुला छोड़ दिया है। अपने सहज और ठेठ सरगुजिहा अंदाज के लिए जाना जाने वाले भूलन सिंह मरावी को भाजपा ने प्रेमनगर सीट से अपना प्रत्याशी बनाया है। विधानसभा चुनाव के नजरिए से वे नए जरूर हैं लेकिन क्षेत्र में उनका चेहरा अनजाना नहीं है। वे 25 वर्षों से पंचायत संस्थाओं की राजनीति करते आ रहे हैं। श्री मरावी पंचायती राज की तीनों ही संस्थाओं में प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। अपने पंचायत पटना से तीन बार सरपंच, एक बार जनपद सदस्य और एक बार जिला पंचायत सदस्य रह चुके हैं। पंचायतों को राजनीति की असली पाठशाला कहा जाता है और भूलन सिंह इस पाठशाला से निकलकर विधानसभा पहुंचने की तैयारी में जुट गए हैं। पार्टी ने प्रेमनगर में उनकी इसी लोकप्रियता पर भरोसा जताया है। वे अपने सहज व ठेठ सरगुजिहा अंदाज से लोगों में अपना होने का भाव जगा रहे हैं। वे घर-घर जाकर बुजुर्गों से आशीर्वाद ले रहे हैं तो युवाओं के साथ युवा वाला उनका अंदाज अभी से पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। जशपुर से निकली परिवर्तन यात्रा का रथ 19 सितंबर को प्रेमनगर पहुंच रहा है। भूलन सिंह जब इस रथ पर सवार होंगे तब बारिश का यह मौसम चुनावी मौसम में कैसे बदलता है, देखने लायक होगा।

इधर कांग्रेस ने अभी तक अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है। कांग्रेस का प्रत्याशी कौन होगा, इसके कयास ही लगाए जा रहे हैं। मौजूदा विधायक खेलसाय सिंह को कांग्रेस एक बार फिर प्रत्याशी बना सकती है। पूर्व मंत्री स्व.तुलेश सिंह की बेटी जिला पंचायत सदस्य शशि सिंह का नाम भी संभावित कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में लिया जा रहा है। शशि सिंह की उम्मीदवारी की चर्चा राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के समय से हो रही है। इस यात्रा में शशि सिंह ने सक्रिय भागीदारी निभाई थी। प्रेमनगर सीट का चुनाव दिलचस्प होने वाला है। बस इंतजार यह है कि कांग्रेस अपने प्रत्याशी की घोषणा कर दे। दोनों प्रमुख पार्टियों के प्रत्याशी के चेहरे सामने आने के बाद अनुमान लगाया जा सकेगा कि इस सीट पर मुकाबले की कैसी स्थिति बने वाली है। आप व गोगपा भी मैदान में उतरेंगी। अभी जिले की तीनों ही सीटें कांग्रेस के पास हैं और माना जा रहा है कि भाजपा को पिछले चुनाव में जिले में



प्रत्याशियों के पहले घोषणा का मिलेगा लाभ- बाबूलाल

भाजपा जिला अध्यक्ष बाबूलाल गोयल राजनीति के माहिर खिलाड़ी माने जाते हैं, उनके संचालन में भाजपा प्रेमनगर विधानसभा सीट से पहले भी चुनाव जीती आई है। अब वे जिला अध्यक्ष हैं जिससे उनकी जिम्मेदारियां और बढ़ गई हैं। जिले में पार्टी की चुनावी तैयारियों से वे बहुत उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्याशियों की पहले घोषणा का लाभ पार्टी को मिलेगा। पुरी पार्टी प्रत्याशियों के साथ चुनाव अभियान में जुटी हुई है। इस चुनाव में हम तीनों सीटें जीतेंगे। जनता झूठे वादे और झूठी वाहवाही बटोरने की कोशिश करने वाली कांग्रेस सरकार के झूसे में इस बार आने वाली नहीं है।

करारी हार मिली थी इसलिए इस बार तीनों सीटों पर नए चेहरे उतारने में उसे अधिक सोच-विचार नहीं करना पड़ा। टिकट के लिए बड़ी रस्साकशी की भी कोई स्थिति नहीं थी। चूंकि भाजपा का लक्ष्य सत्ता में वापसी है इसलिए पार्टी के लोग इसे हासिल करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। प्रेमनगर में 2.36 लाख वोट हैं। इनमें करीब 47 प्रतिशत वोट अनुसूचित जाति - जनजाति वर्ग के हैं। जनजाति वर्ग में गोंड जनजाति के वोटों की संख्या सबसे अधिक है। इसीलिए इस बार भी प्रत्याशियों के चयन में कांग्रेस-भाजपा दोनों का जोर इसी जनजाति से प्रत्याशी उतारने का है। हालांकि अनारक्षित सीट होने से सामान्य वर्ग के लोगों में भी चुनाव लड़ने की इच्छा हिलोरीं लेती रही है, लेकिन वोटों का जातीय समीकरण उनके अनुकूल नहीं बैठता।

भटगांव व प्रतापपुर में भाजपा का चुनावी शोर, कांग्रेस में टिकट के लिए जोर

भटगांव सीट से भाजपा ने श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े को अपना प्रत्याशी बनाया है। वह जिला पंचायत की सदस्य रही हैं। विधानसभा चुनाव लड़ने की उनकी तैयारी और लगातार सक्रियता का इनाम पार्टी ने पहली ही सूची में प्रत्याशी बनाकर दिया है। इस सीट से कांग्रेस से टिकट के दावेदारों की लंबी सूची है। वर्तमान विधायक परासनाथ राजवाड़े प्रमुख दावेदार हैं तो वही श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष शफी अहमद भी शामिल हैं। वह उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव के करीबियों में हैं। यहां से चुनाव लड़ने की तैयारियों में वह लगातार सक्रिय हैं। देखना होगा कि कांग्रेस उन्हें प्रत्याशी बनाती है या नहीं। इसी तरह प्रतापपुर सीट से भी कांग्रेस में टिकट के सवाल पर मंथन चल रहा है। यहां से डा. प्रेमसाय सिंह टेकाम विधायक हैं। सरकार में शिक्षा मंत्री थे। बाद में मंत्री पद से हटाकर उन्हें राज्य योजना आयोग का अध्यक्ष बना दिया गया। मंत्री पद से उनके हटने के बाद उनकी उम्मीदवारी पर सवाल उठने लगे थे। भाजपा ने वकालत के पेशे से जुड़ी श्रीमती शकुंतला पोर्ते को अपना प्रत्याशी बनाया है। भटगांव प्रतापपुर में भाजपा प्रत्याशियों के सघन जनसंपर्क से चुनावी माहौल बनने लगा है।

सार-संक्षेप

प्रधान मंत्री मोदी का जन्म से मनाया गया धूम धाम से मनाया गया



कोरिया 17 सितंबर (देशबन्धु)। 17 सितंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर जगह जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी कड़ी में कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में भाजपा जिला उपाध्यक्ष और विधानसभा चुनाव के दावेदार शैलेश शिवहरे के नेतृत्व में सफाई अभियान चलाया गया। उन्होंने प्रेमाबाग शिव मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रधानमंत्री के संदेश अनुसारा गंदगी करेंगे, न करने देंगे। का मंत्र भी दिया। इस अवसर पर डॉ राकेश शर्मा, अनिल शर्मा, सुभाष साहू, सुरेंद्र चक्रधारी, आशीष शुक्ला, पार्श्वद अनिलखटीक, अवधेश सिंह, फिरदौश अहमद, अरविंद सिंह, परवेज आलम, मिकु सोनी, घनश्याम साहू, स्वामी पटेल, संजय जयसवाल, रजनीश गुप्ता, मनोज सोनी, महू जयसवाल, सुदीप सोनी, अभिनव दुबे, लल्ला, पना गायन, समीर जायसवाल, संजु जायसवाल, बबलू सिंह, अमित खटीक आदि उपस्थित थे।

खनिज के अवैध उत्खनन पर प्रशासन हुआ सख्त

कोरिया 17 सितंबर (देशबन्धु)। खनिज विभाग ने तहसील बैकुंठपुर एवं पटना क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान अवैध परिवहनकर्ताओं पर कार्यवाही करते हुए रेत लोड करने वाले चार वाहन, खनिज गिट्टी के 01 वाहन अन्य वाहनों पर कार्यवाही की गई। प्रशासन ने तय किया है कि मौके पर यानी रंगे हाथों दूसरी बार अवैध खनन करते पकड़े जाने वालों के खिलाफ एफआईआर की जाएगी और कोर्ट में जुर्म साबित होने पर ऐसे लोगों को दो से पांच साल तक की सजा के साथ ही पांच लाख रुपये का जुर्माना भी लगेगा। रेत, गिट्टी एवं मुरुम तथा मिट्टी की अवैध खुदाई करने वालों को गाड़ियां जब्त करने के साथ उन पर जुर्माना लगाया जाता है लेकिन अब इस तरह के अवैध काम को रोकने के लिए प्रशासन स्तर से एफआईआर कराने के निर्देश दिए गये हैं एवं ऐसे स्वैच्छिक तथा संस्था द्वारा जिनके विरुद्ध खनिज नियमों के तहत आवधिक रूप से अभियोजन की कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए गए हैं।



आम जनता तक प्राथमिकता से बुनियादी सुविधाएं पहुंचा रही भूपेश सरकार - गुलाब

विधायक कमरो की पहल पर बहुप्रतीक्षित विकास कार्यों हेतु 1 करोड़ 41 लाख मंजूर

मनेन्द्रगढ़ 17 सितंबर (देशबन्धु)। प्रदेश की भूपेश सरकार द्वारा आम जनता तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने का काम किया जा रहा है। विकास के लिए प्रदेश सरकार से मांगी राशि से दोगुना लाभ मिला है। यही वजह है कि विकास कार्यों के लिए राशि की कोई कमी आज तक आड़े नहीं आई है। उक्त बातें सविपरा उपाध्यक्ष रजमंत्रो दर्जा प्राप्त भरतपुर-सोनहत विधायक गुलाब कमरो ने कही। विधायक कमरो की अनुशंसा पर विधानसभा क्षेत्र में 23 बहुप्रतीक्षित बुनियादी विकास कार्यों के लिए शासन की ओर से 1 करोड़

41 लाख रूपए की बड़ी राशि को मंजूरी प्रदान की गई है। जिन विकास कार्यों के लिए राशि स्वीकृत की गई है उसमें विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पंचायत परसगढ़ी में उप सरपंच के घर तक सीसी रोड निर्माण लागत 5 लाख, ग्राम पंचायत शंकरगढ़ में देवन घर की ओर सीसी रोड निर्माण 7 लाख, ग्राम पंचायत कछौड़ स्थित नाका में शोड निर्माण 2 लाख, ग्राम पंचायत ताराबहरा के ग्राम बैरगी में चतुर्वेदी घर के पास पुलिया निर्माण 5 लाख, ग्राम पंचायत साल्ही के कर्मघोषा में सौदर्यीकरण कार्य हेतु 5 लाख, ग्राम पंचायत चैनपुर में नाका के पास शोड निर्माण 5 लाख, ग्राम पंचायत भल्लौर के बिहीडांड पहुंच मार्ग में पुलिया निर्माण 10 लाख, ग्राम पंचायत हस्तनपुर में पंचायत भवन के सामने इंटरलाकिंग 7 लाख, ग्राम पंचायत अचनवारीडांड के मलाईभट्टा में सामुदायिक भवन

निर्माण हेतु 10 लाख, ग्राम पंचायत पेण्ड्री में आनंद राय घर के पास सीसी रोड निर्माण 5 लाख एवं त साल्ही में विद्युत स्ट्रीट लाइट फिटिंग कार्य हेतु 5 लाख, विकासखंड भरतपुर के ग्राम पंचायत तोजा में कंकाली माता मंदिर के पास सीसी निर्माण 5 लाख, ग्राम पंचायत धोवाताल के ग्राम बरेल व ग्राम पंचायत डोम्बरा में हाईस्कूल का अहाता निर्माण 5-5 लाख, ग्राम पंचायत जनकपुर स्थित नवीन महाविद्यालय में शोड निर्माण 10 लाख, ग्राम पंचायत हरचोका के घोरधरा बस्ती में सीसी रोड निर्माण 7 लाख, ग्राम पंचायत भगवानपुर के भेड़ाभरनाला में स्टाप डेम निर्माण 10 लाख, ग्राम

पंचायत मसर्रा में पंचायत भवन मार्ग में सीसी रोड निर्माण 6 लाख, विकासखंड सोनहत के ग्राम पंचायत स्थित नवीन कॉलेज में सायकल स्टैंड निर्माण 5 लाख, ग्राम पंचायत कैलाशपुर में नाली निर्माण 5 लाख, ग्राम पंचायत चकडंड केकन्हैयापारा में सीसी रोड निर्माण 4 लाख, सोनहत स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के लिए शव वाहन हेतु 6 लाख एवं बैकुंठपुर के ग्राम पंचायत रटगा अंतर्गत ग्राम डोंगरीपारा में जगन्नाथ घर तक सीसी सड़क निर्माण कार्य हेतु 7 लाख रूपए मंजूर किए गए हैं। बहुप्रतीक्षित विकास कार्यों हेतु राशि मंजूर किए जाने पर विधायक कमरो ने क्षेत्रवासियों की ओर से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रति आभार व्यक्त किया है।

आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम तहत लखनपुर में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि, सामाजिक विकास के बिंदुओं पर होंगे विशेष कार्य

अंबिकापुर 17 सितंबर (देशबन्धु)। भारत शासन द्वारा संचालित आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत जिले के लखनपुर विकासखंड का चयन किया गया है। इस कड़ी में कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार गत दिवस चिंतन शिविर का आयोजन कर लखनपुर में आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम अंतर्गत प्रदेश में 17 जिलों के 20 विकासखंडों का आकांक्षी ब्लॉक के रूप में चयन किया गया है। आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के चयनित लखनपुर विकासखंड अंतर्गत निम्न क्षेत्रों में जैसे स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं संबंधित सेवाएं बुनियादी ढांचा, सामाजिक विकास में विशेष ध्यान दिया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ श्री नूतन कुमार कंवर की अध्यक्षता में शनिवार को जनपद पंचायत लखनपुर के सभाकक्ष में चिंतन शिविर आयोजित किया गया। शिविर में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, बुनियादी ढांचा, पीने योग्य पानी, स्वच्छता, वित्तीय समावेश और सामाजिक विकास से संबंधित सभी विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की बैठक ली गई। जिसमें 39 बिन्दु पर ग्राम वार कार्ययोजना तैयार करने हेतु निर्देशित किया गया। प्रत्येक 15 दिवस में 39 बिन्दुओं का विस्तारपूर्वक समीक्षा जिला पंचायत में किया जाएगा। विकासखंड अंतर्गत प्रत्येक 74 ग्राम पंचायतों में चिंतन शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए और सभी विभाग प्रमुख को विस्तृत कार्ययोजना बनाकर 7 दिवस के भीतर प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री संजय गुहे, उपसंचालक कृषि श्री पीएस दीवान, स्वास्थ्य विभाग से डीपीएम डा. पुष्पेन्द्र राम, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री बीआर खांडे, डिप्टी कलेक्टर श्री नीरज कौशिक, सहित जनपद स्तर के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।



आयोजित करने के निर्देश दिए गए और सभी विभाग प्रमुख को विस्तृत कार्ययोजना बनाकर 7 दिवस के भीतर प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री संजय गुहे, उपसंचालक कृषि श्री पीएस दीवान, स्वास्थ्य विभाग से डीपीएम डा. पुष्पेन्द्र राम, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री बीआर खांडे, डिप्टी कलेक्टर श्री नीरज कौशिक, सहित जनपद स्तर के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

19 से 21 सितंबर तक होगा संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन संभाग के सभी छः जिलों के दो हजार से अधिक खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

अंबिकापुर 17 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेल गतिविधियों को ग्रामीण क्षेत्र एवं नगरीय क्षेत्रों में प्रोत्साहित करने, प्रतिभागियों को मंच प्रदान करने व उनमें खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं खेल भावना का विकास करने हेतु छत्तीसगढ़ियां ओलंपिक 2023-24 का आयोजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के पहली तिहार हरेली तिहार के दिन से पहले चरण राजीव युवा मितान क्लब स्तर से शुरू हुई प्रतियोगिता जिला स्तर तक खेले जा चुकी है, जिसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। अब यह प्रतियोगिता पांचवे चरण संभाग स्तर पर पहुंच गई है, संभाग स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में जिले स्तर पर विजेता खिलाड़ियों का मुकाबला होगा। इसके बाद सम्भाग स्तर पर विजेता खिलाड़ी छठवें और आखरी चरण राज्य स्तर पर हिस्सा लेंगे। सरगुजा संभाग में संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में संभाग के सभी छः जिलों सरगुजा, जशपुर, बलरामपुर, सूरजपुर, एमसीबी, कोरिया के जिला स्तर की

प्रतियोगिता में विजेता दो हजार से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेने संभाग मुख्यालय अम्बिकापुर पहुंचेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 21 सितम्बर 2023 को अम्बिकापुर के गांधी स्टेडियम में किया जाएगा। 19 सितंबर को उद्घाटन समारोह के साथ रस्साकशी तथा कुश्ती का मुकाबला होगा, वहीं 20 सितंबर को



गिल्ली डंडा, पिटलुल, लंगड़ी दौड़, बिल्लस, फुगड़ी, गेड़ी दौड़, 100 मीटर दौड़, लम्बीकूद, रस्साकशी का आयोजन होगा। इसी प्रकार 21 सितंबर को सम्भाग समारोह के साथ संखली, कबड्डी, खो-खो, बाटी(कंचा), भंवार खेल आयोजित होंगे। प्रतियोगिता में तीन आयुवर्ग प्रथम वर्ग 18 वर्ष की आयु तक, दूसरा वर्ग 18-40 वर्ष आयु सीमा तक और तीसरा वर्ग में 40 वर्ष से अधिक उम्र के महिला एवं पुरुष दोनों वर्ग के प्रतिभागी शामिल होंगे।

सार-संक्षेप

कलेक्टर द्वारा मेरी पॉलिसी मेरा हाथ अभियान का किया गया शुभारंभ



सक्ती 17 सितंबर (देशबन्धु)। भारत सरकार कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के तहत प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की पहुंच बढ़ाने, व्यापक जागरूकता पैदा करने और बीमाकृत किसानों के घर तक नीतियां पहुंचाने के उद्देश्य से मेरी पॉलिसी मेरा हाथ अभियान के तहत खरीफ 2023 अंतर्गत कलेक्टर कार्यालय जेठा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मेरी पॉलिसी मेरा हाथ अभियान का शुभारंभ कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पत्रा द्वारा ग्राम भुरसीडीह और खुंटदहरा के 34 किसानों को फसल बीमा पॉलिसी का वितरण करते हुए किया गया। उप संचालक कृषि शांशंक शिन्दे ने राज्य शासन के द्वारा जारी अधिसूचना की जानकारी देते हुए बताया कि फसलों को प्राकृतिक आपदा से क्षति की स्थिति में केवल फसल बीमा ही बेहतर विकल्प होता है। जिले में आगामी दिनों में बजाज एलायंस जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड द्वारा कृषि विभाग के सहयोग से ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर प्रत्येक बीमाकृत किसानों को मेरी पॉलिसी मेरा हाथ अभियान के तहत पॉलिसी का वितरण किया जायेगा तथा योजना की जानकारी देते हुए किसानों को जागरूक किया जाएगा। इस दौरान प्रभारी अधिकारी भू-अभिलेख, अधीक्षक भू-अभिलेख, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सक्ती, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, जिला प्रतिनिधि बजाज एलायंस जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड जिला सक्ती तथा ग्राम भुरसीडीह और खुंटदहरा के किसान उपस्थित थे।

होमेश्वर भारती बने वनपाल



सारंगढ़ 17 सितंबर (देशबन्धु)। नगर के होमेश्वर भारती वन रक्षक से पदोन्नत होकर वनपाल बन गए हैं। होमेश्वर भारती को पदोन्नति पर प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अरूण गुड्डा यादव अनिल बेहार राजू जलवर कम्पाल मिश्रा अंजन केशरवानी के के साहू सुलेमान खान इत्यादि ने बधाई दिया है।

कलेक्टर के निर्देश पर हुआ तालाब का मरम्मत



सारंगढ़ 17 सितंबर (देशबन्धु)। मुड़ा तालाब के फूटे हुए हिस्से का मरम्मत किया जा चुका है। नगरपालिका परिषद सारंगढ़ के सीएमओ राजेश पांडे और एसडीओ जल संसाधन जमुना सिंह वारे के नेतृत्व में सारंगढ़ के मुंडा तालाब में फूटे हुए हिस्से से हो रही जल बहाव की रोकथाम हो चुकी है। नगरपालिका और जल संसाधन विभाग की बचाव दल ने सारंगढ़ के झरिया पारा, प्रतापगंज, कुशल नगर घसिया पारा आदि क्षेत्रों में जल भराव से पानी निकासी की व्यवस्था की गई है।

आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी के खिलाफ पत्रकार हुए लामबंद



एमसीबी 17 सितंबर (देशबन्धु)। बेलगाम होती आम आदमी पार्टी के नेताओं की अब इतनी हिमाकत हो गई है कि वो अब वो सार्वजनिक मंचों से पत्रकारों को कोस रहे हैं और अपनी भड़स मिटा रहे हैं। मालूम हो कि आम आदमी पार्टी ने अपने मंच से वरिष्ठ पत्रकार के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया। जिसके बाद पत्रकारों में काफी रोष व्याप्त है। पत्रकारों ने आरोप लगाते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में अपनी राजनीति चमका रही आम आदमी का यह आलम है कि जो लोग कभी राजनीति में थे उन्हें सदस्य और पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। पार्टी द्वारा आयोजित आमसभा में पार्टी के पदाधिकारी के द्वारा सार्वजनिक रूप से कोरिया जिले के वरिष्ठ पत्रकार के प्रति अभद्र व अमर्यादित शब्दों का प्रयोग किया है। अब यह मामला तूल पकड़ चुका है। एमसीबी जिले के समस्त पत्रकार संगठनों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए आम आदमी पार्टी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित की है। मनेन्द्रगढ़ पत्रकार संघ एवं एमसीबी प्रेस क्लब ने रेट्ट हाउस में बैठक आयोजित कर घटना की निंदा की। बैठक में उपस्थित समस्त पत्रकारों ने कहा कि आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी के द्वारा सार्वजनिक मंच से व्यक्तिगत रूप से चिह्नित करते हुए निम्नतम भाषा का प्रयोग किया गया जो की बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

बैरिस्टर साहब के एकता, सरलता, भाईचारा और समानता जैसे गुणों को सभी को अपनाना चाहिए - डॉ महंत

विधानसभा अध्यक्ष ने किया बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह का शुभारंभ



जांजगीर, 17 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत के मुख्य आतिथ्य में संविधान निर्मात्री सभा के पूर्ण कालिक सदस्य एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल की 67 वीं पुण्य स्मृति में दो दिवसीय स्मृति समारोह का शहीद स्मारक परिसर जांजगीर में आज शुभारंभ किया गया। विधानसभा अध्यक्ष सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों ने बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल की प्रतिमा में दीप प्रज्वलन कर विभिन्न विभागों के स्टॉल का निरीक्षण किया। समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार,

शहीद परिवार के परिजनों एवं बैरिस्टर ठा. छेदीलाल के परिवारजनों को सम्मानित किया गया। इसके साथ विभिन्न विधाओं में प्रतिभा के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों विद्यार्थियों, खिलाड़ियों को भी प्रशस्ति पत्र एवं मोमेन्टो एवं खेल सामग्री प्रदान कर सम्मानित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल को स्मरण करने का दिन है। उन्होंने जो त्याग और बलिदान दिया है आज उसे समझने का दिन



है। छत्तीसगढ़ शासन बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल की स्मृति में उनकी पुण्यतिथि को राज्य और देश के प्रति किये गए योगदान के लिए मनाती हैं। वे छत्तीसगढ़ की माटी में उपजे बहुमूल्य हीरा हैं। हम सब को उन्हें याद करना चाहिए उनके चरित्र को समझते हुए अपनाना चाहिए। छत्तीसगढ़ के लोगों में एकता, भाईचारा, सरलता, समानता और सहजता है इसी कारण हमारे छत्तीसगढ़ के लोगों को देश-विदेश में छत्तीसगढ़िया सब ले बढ़िया कहा जाता है। बैरिस्टर छेदीलाल

सहित इस क्षेत्र के लोगों के इन गुणों को हमे हमेशा बनाये रखना है। कलेक्टर सुश्री रश्मि प्रकाश चौधरी ने कहा कि बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल की स्मृति समारोह में उनके द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में किए गए त्याग बलिदान को आने वाली पीढ़ियां तक पहुंचाने के लिए यह कार्यक्रम आयोजन करते हैं ताकि आने वाली पीढ़ी हमारे स्वतंत्रता

आंदोलन के राष्ट्र नायको के संबंध में जान सके। बैरिस्टर ठा. छेदीलाल बहु आयामी व्यक्तित्व के धनी थे उन्होंने विधि, शिक्षा, साहित्य, कृषि एवं छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति पर अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने आजादी की लड़ाई में सभी वर्गों को जोड़कर स्वतंत्रता संग्राम की अलख जगाई। उन्होंने इस अवसर पर आए सभी अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया। बैरिस्टर अकादमी के अध्यक्ष श्री देवेश सिंह ने स्वतंत्रता आंदोलन में बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल द्वारा दिए गए अमूल्य योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने सभी वर्गों के लोगों को स्वतंत्रता संग्राम में एक सूत्र में पिरोया था हमें उनके व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर उनके सदगुणों को अपनाना चाहिए। बैरिस्टर ठा.छेदीलाल की पुत्री डॉ रत्नावली सिंह ने बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्वतंत्रता आंदोलन में दिए योगदान को याद करते हुए नमन

किया। इस अवसर पर छ.ग. राज्य शाकम्भरी बोर्ड अध्यक्ष रामकुमार पटेल, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जांजगीर-नैला भगवानदास गढ़वाल अध्यक्ष नगर पालिका परिषद चांपा जय थवाईत, उपाध्यक्ष जिला पंचायत राघवेंद्र प्रकाश सिंह, सदस्य अनुसूचित जाति आयोग रमेश पैगवार, सदस्य खाद्य आयोग श्रीमती ज्योति किशन कश्यप, सदस्य जीव जन्तु कल्याण बोर्ड नारायण खण्डेलिया, कृषि उपज मंडी नैला अध्यक्ष श्री ब्यास नारायण कश्यप, एसपी विजय अग्रवाल, राघवेंद्र कुमार सिंह, इंजी री पांडेय, अध्यक्ष बैरिस्टर अकादमी देवेश सिंह, डॉ परस शर्मा, सतीश सिंह, रफीक सिद्दीकी, गुलजार सिंह, विजय बहादुर सिंह, रघुराज सिंह, अरुण अरुण कलेंटर, एसपी वैध सहित जनप्रतिनिधि गणमान्य नागरिक, एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोह लिया दर्शकों का मन



मड़वा विद्युत संयंत्र का जल्द 500 मेगावाट का विस्तार -कटियार

दो दिवसीय प्रवास पर रहे छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के प्रबंध निदेशक

जांजगीर, 17 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी पिछले दो तिमाही से विद्युत उत्पादन के लिए देशभर में प्रथम स्थान पर बना हुआ है। विद्युत कंपनी को पहले स्थान पर लाने में अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र (एबीवीटीपीएस) मड़वा का प्रमुख योगदान है। इसके ऊर्जामंत्री टीएस सिंहदेव एवं चेर मेन अंकित आनंद (आईएसए) ने विद्युत कंपनी के अभियंताओं एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की है। यह बातें छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के प्रबंध निदेशक एसके कटियार ने मड़वा विद्युत संयंत्र में वरिष्ठ अधिकारियों



की महत्वपूर्ण बैठक में कही। श्री कटियार ने कहा कि मड़वा विद्युत संयंत्र लगातार उच्च क्षमता के साथ विद्युत उत्पादन कर रहा है। इसके पीछे मड़वा विद्युत संयंत्र के प्रमुख एसके बंजारा एवं उनकी टीम की अथक मेहनत शामिल है। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उच्च कार्यक्षमता के लिए प्रबंध निदेशक ने बधाई देते हुए भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। श्री कटियार ने कहा कि विद्युत संयंत्र के बेहतर परफॉर्मेंस के कारण राज्य सरकार

जल्द ही यहां 500 मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता का विस्तार संयंत्र लगाने पर विचार कर रही है। गौरतलब है कि मड़वा विद्युत संयंत्र ने अगस्त तक 84.23 प्रतिशत पीएलएफ के साथ 3092.97 मिलियन यूनिट का विद्युत उत्पादन किया है। इसी अवधि में यह पिछले साल के मुकाबले 1056.61 मिलियन यूनिट ज्यादा है। कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार जांजगीर-चांपा एवं कोरबा जिला में विद्युत संयंत्रों के निरीक्षण के लिए दो दिवसीय प्रवास रहे। रविवार

बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह में प्री मैट्रीक, पोस्ट मैट्रीक छात्रावासों के छात्र-छात्राओं के सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुती के साथ शुरुआत हुई। इसी क्रम में सुश्री लक्ष्मी करियारे द्वारा छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य लोकगीत एवं मनोहर परमहंस द्वारा सुगम संगीत की प्रस्तुती दी गई। सुगम संगीत, गुलजर महेन्द्र राठौर एवं साथी विद्यादायिनी संगीत विद्यालय द्वारा प्रस्तुति तथा दीपक चन्द्राकर लोक रंग अर्जुदा द्वारा छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य एवं गीत कार्यक्रम

की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। एक तरफ जहाँ लोग विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों से आकर्षक मनोरंजन का आनंद उठा रहे हैं, वहीं विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल से बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल की जीवनी पर आधारित प्रदर्शनी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विधिक जागरूकता, कृषि, रेशम, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य विभाग सहित शासन के विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी आमजन ने ले रहे हैं। बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह का दो दिवसीय शुभारंभ आज से हो गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर किया घड़ी वितरण

जांजगीर, 17 सितंबर (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में प्रभु रामचन्द्रजी एवं अयोध्या में बने वाले राम मंदिर की छायाचित्र बनी हुई दिवाल घड़ी का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष अमर सुल्तानिया ने कहा कि हिन्दू सनातन धर्म में लाखों करोड़ों हिन्दुओं का प्राचीन समय से ही भगवान राम जी मे विश्वास का केन्द्र है, हिन्दू सनातन धर्म का आस्था का केन्द्र अयोध्या में भगवान श्री रामचन्द्र जी का भव्य मंदिर बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर जांजगीर चांपा विधानसभा में दो नगर पालिका एक नगर पंचायत एवं 90 ग्राम पंचायतों में 3000 दिवाल घड़ी का वितरण किया जा रहा है। जिससे आम जनमानस में काफी उत्साह का वातावरण है। जांजगीर चांपा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में, प्रतिष्ठानों में, मंदिरों में, किराना दुकानों, शैलून, हॉटल, में प्रमुख व्यवसायिक स्थलों पर लगाया जा रहा है। इस अवसर पर अमर सुल्तानिया, मनीष तिवारी, हितेश यादव, मुकेश भोपालपुरिया, जितेन्द्र खण्डे, रमेश सोनवानी, सुधीर अग्रवाल, सुनील पाण्डेय, रामलाल सिंह, भूपेन्द्र साहू, संदीप पाण्डेय, संतोष राठौर, हितेश साहू, डिगेश मनहर, विकास श्रीवास, रवि पाण्डेय संतोष जब्बल, जलेश्वर संत सोनम केशरवानी, गौतम, विक्रान्त सिंह, मोन्दू गोपाल सहित सभी कार्यकर्ताओं द्वारा वितरण किया जा रहा है।



किसानों एवं ग्रामीणों से राशि की मांग, पटवारी निलंबित

जांजगीर, 17 सितंबर (देशबन्धु)। तहसील अकलतरा के शोभानाथ पांडे पटवारी प.ह.नं. 16 रा.नि.मं. अकलतरा के द्वारा किसानों एवं ग्रामीणों से अशोभातीय व्यवहार करते हुए एवं उनसे पन्ची एवं प्रत्येक कार्य के लिए राशि की मांग करने पर कलेक्टर सुश्री रश्मि प्रकाश चौधरी के निर्देश पर एसडीएम अकलतरा द्वारा सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 09 के उपनियम (1) के तहत श्री शोभानाथ पांडे पटवारी प.ह.नं. 16 रा.नि.मं. अकलतरा तहसील अकलतरा को तत्काल निलंबित किया गया है। निलंबन अर्थात् में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। निलंबन अर्थात् में निलंबित कर्मचारी का मुख्यालय तहसील कार्यालय अकलतरा नियत किया गया है।

मारपीट व लूटपाट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर, 17 सितंबर (देशबन्धु)। अकलतरा पुलिस ने मारपीट कर लूट करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेजा। प्रार्थी रमेशचंद्र जैन साकिन जवाहर पारा अकलतरा ग्राम बनाविल से बिजली का काम कर अपने घर अकलतरा स्कूटी में आ रहा था। रात्रि करीब 8.30 बजे अम्बेडकर चौक अकलतरा के पास सिसोदिया कॉम्प्लेक्स के सामने आरोपी विकास उर्फ लल्ला उर्फ विनोद भारते अपने स्कूटी से आया और प्रार्थी को जबर्न मारपीट करने लगा, जिससे प्रार्थी का दांत टूट गया, और जब में रखे 5000 रूपये लूट कर भाग गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपी विकास उर्फ लल्ला उर्फ विनोद भारते के विरुद्ध धारा 394 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया था। विवेचना के दौरान आरोपी विकास उर्फ लल्ला उर्फ विनोद भारते साकिन अम्बेडकर चौक अकलतरा को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया जो जूम स्वीकार किए जाने से लूट का रकम 2750 रूप. एवम घटना में प्रयुक्त स्कूटी सीजी 10 ए बी 6840 बरामद किया गया है। एवं लूट की रकम 5000 में से 2250 रूपया को खा पीकर खर्च करना बताए। आरोपी के विरुद्ध अपराध धारा सदर का सबूत पाए जाने से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेजा गया है। उपरोक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक बाबू लाल कोसरिया, सजिन अरूण सिंह, आरक्षक प्रदीप दुबे, राघवेंद्र धृतलहरे, बृजपाल वर्मन, अनिल जांगडे टीम का योगदान रहा।

सेलून में लगी आग, दुकान जलकर खाक

डभरा, 17 सितंबर (देशबन्धु)। डभरा थाना क्षेत्र के ग्राम कुसुमझर एसडीएम कार्यालय के सामने सेलून दुकान में अचानक 16 एवं 17 सितंबर के रात्रि में आग लगने से सेलून में रखे पूरा सामान एवं तेला जलकर खाक हो गया। सेलून दुकान में आग कैसे लगी कारण अज्ञात है। आपको बता दें कि प्रमोद श्रीवास कुसुमझर एसडीएम कार्यालय के सामने करीब 7 सालों से जीविका उपाजन करने के लिए सेलून दुकान का संचालन कर रहा है। आज 16 सितंबर एवं 17 सितंबर को बीती रात्रि सेलून टेल में अचानक आग लगने से सेलून में रखे कीमती कुर्सी दर्पण टैबल कूलर पंखे सहित क्रोम पाउडर कलर सहित कीमती सामान जलकर राख हो गया 17 सितंबर को सुबह जब पास के घर वालों ने उठकर देखा तो इसकी सूचना



तत्काल प्रमोद कुमार श्रीवास को दी गई। खबर सुनकर तत्काल प्रमोद कुमार श्रीवास अपने सेलून दुकान के पास पहुंचा तो देखकर जमीन तले पाव खिसक गई सेलून दुकान धू-धू कर जल रहा था पूरा सामान जल चुका था कुछ नहीं बचा। इसकी सूचना प्रमोद श्रीवास द्वारा डभरा थाने पहुंचकर दी गई।

अचानक हुई आगजनी से लगभग 80 हजार रूपए का सामान सेलून दुकान में जलकर खाक हो गई। कर्ज लेकर सेलून दुकान का संचालन कर रहे प्रार्थी का अचानक सेलून में आगजनी होने से स्थिति और कमजोर हो गई है, उन्होंने शासन प्रशासन को सेलून में हुए क्षतिपूर्ति राशि तत्काल दिए जाने की मांग की है।

मशरूम उत्पादन विषय पर कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित

रायगढ़, 17 सितंबर (देशबन्धु)। कृषि विज्ञान केन्द्र, रायगढ़ द्वारा सशक्ति रायपुर एवं राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान हैदराबाद के संयुक्त तत्वाधान में ग्रामीण युवाओं हेतु मशरूम उत्पादन का कौशल प्रशिक्षण 11 से 16 सितंबर 2023 तक आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्घाटन लीड बैंक प्रबंधक शैलेन्द्र टीयू व अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, रायगढ़ के आतिथ्य में हुआ। लीड बैंक प्रबंधक शैलेन्द्र टीयू ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि मशरूम को एक व्यवसाय के रूप में अपनाने की आवश्यकता है क्योंकि यह कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाला व्यवसाय है। सर्वप्रथम केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. बी.एस.राजपूत ने मशरूम, उत्पादन पद्धत मार्केटिंग किस तरह से कि जाए इस विषय पर विस्तृत जानकारी प्रशिक्षणार्थियों को दी। कृषि महा. एवं अनु. केन्द्र, रायगढ़ के अधिष्ठाता महोदय डॉ.ए.के. सिंह ने मशरूम उत्पादन एवं उसके व्यवसाय की संभावनाओं के बारे में बताया।



प्रशिक्षण में रायगढ़ के विभिन्न विकास-खण्ड के 28 ग्रामीण युवक व युवतियों ने प्रशिक्षण लिया जिसमें उन्हें वीडियो, चल-चित्र प्रदर्शन, प्रायोगिक विधि से सिखाया गया, साथ ही मशरूम उत्पादन व बीज उत्पादन कृषक से साक्षात्कार व प्रश्न-उत्तर प्रणय कराया गया। प्रशिक्षण प्रभारी डॉ.मनीषा चौधरी ने चल-चित्र प्रदर्शन, प्रायोगिक विधि से ऑयस्टर मशरूम, पैरा मशरूम उत्पादन विधि की तकनीकी जानकारी दी साथ ही मशरूम के पोषण मूल्य व औषधिय महत्व के विषय में जानकारी दी। श्री के.के.पैकरा वैज्ञानिक द्वारा बदन मशरूम के कम्पोस्टिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। डॉ. सविता आदित्य, द्वारा मशरूम में लगने वाले कीट व रोग प्रबंधन के बारे में अवगत कराया। डॉ.एन. सी. बंजारा, वैज्ञानिक द्वारा जहरीले व खाने योग्य मशरूम की पहचान करना बताया गया। डॉ.चंद्रपाल सिंह सोलंकी वैज्ञानिक द्वारा मशरूम उत्पादन हेतु पैरा उपचार के संबंध में जानकारी दी गई।

श्री नीलकमल पटेल (प्रश्न प्रबंधक) के द्वारा प्रश्न में स्थित मशरूम उत्पादन इकाई के साथ-साथ फसल उत्पादन, गौशाला इकाई, केचुआ खाद इकाई आदि का भ्रमण कराकर जानकारी दी गई। श्री आयुतोष सिंह कार्यक्रम सहायक (कम्प्यूटर) ने क्राप डॉक्टर व ई-मार्केटिंग से अवगत कराया गया। केन्द्र के मृदा वैज्ञानिक श्री के. डी. महंत ने मृदा उर्वरता बढ़ाने में मशरूम उत्पादन पद्धत बचे अवशेष के उपयोग के बारे में जानकारी देते हुए कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन किया। मशरूम उत्पादन व स्पान उत्पादन कृषक श्री चरण दास साहू, एक सफल उद्यमी से परिचर्चा करवाया गया। इस 6 दिवसीय प्रशिक्षण के समापन सत्र में डॉ.पी.ठाकुर डायरेक्टर फार्म द्वारा मशरूम उत्पादन की संभावना व उत्पादन तकनीक पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में केन्द्र के वैज्ञानिकों सहित श्री विकास दास महंत श्री सुरेश प्रधान, श्रीमती सुनयना कुरु, श्रीमती उषा बरेंट एवं अन्य स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

ईरान की पुलिस ने उत्तर-पश्चिम में 137 लोगों को पकड़ा

तेहरान। ईरान पुलिस ने उन 137 लोगों को हिरासत में लिया है, जिन्होंने देश के नागरिकों से ईरानी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया था। पश्चिम अजरबैजान के उत्तर-पश्चिमी इरानी प्रांत में कानून प्रवर्तन बलों के कमांडर रहोम जहानबख्श ने शनिवार को यह जानकारी दी। तस्वीर समाचार एजेंसी ने जहानबख्श के हवाले से कहा, वर्तमान में, 137 लोगों को सोशल नेटवर्क पर पश्चिमी अजरबैजान प्रांत में लोगों से दंगा करने का आह्वान करते हुए पाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि 52 इंस्टाग्राम अकाउंट (रूस में चरमपंथी

किम जोंग उन उन 6 दिन बाद रूस से उत्तरी कोरिया रवाना

सियोल, 17 सितम्बर (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन 6 दिन के रौर के बाद रूस से रवाना हो गए हैं। रूसी मीडिया ने बताया कि किम जोंग उन रिवार अपने देश लौटने के लिए अपनी बुलेटप्रूफ ट्रेन से



किम जोंग उन ने रूस का दौरा किया था। दोनों देशों के बीच संभावित सैन्य सहयोग को लेकर बढ़ती चिंता के बीच बुधवार को दोनों ने बोस्टोन अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में शिखर वार्ता की थी। इससे पहले, रिवार को उत्तर कोरियाई राज्य मीडिया ने पिछले दिन रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु के साथ किम की बातचीत की रिपोर्ट दी थी।

किम जोंग उन ने रूस के सुदूर पूर्व शहर व्लादिवास्तोक की अपनी यात्रा के दौरान रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु से शनिवार को मुलाकात की। आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने रिवार को यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि सर्वश्री किम और शोइगु ने क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सैन्य और राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की। साथ ही, दोनों देशों के सशस्त्र बलों और राष्ट्रीय रक्षा तथा सुरक्षा के क्षेत्र में रणनीतिक एवं सामरिक समन्वय, सहयोग, आपसी आदान-प्रदान को और मजबूत करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इस बीच रूस ने कहा है कि उत्तर कोरिया के नेता ने रूस की यात्रा के दौरान किसी समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। उत्तर कोरियाई नेता फिलहाल रूस की यात्रा पर हैं। रूसी राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्रि पेसकोव ने कहा, किसी समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए गए और किसी पर हस्ताक्षर करने की कोई योजना नहीं थी। रूस का बयान ऐसे समय में आया है जब पश्चिमी देश इस बात पर चिंता व्यक्त कर रहे हैं कि दोनों अलग-थलग देश हथियार सौदे की तैयारी कर रहे हैं। श्री किम ने इस सप्ताह की शुरुआत में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की मना जाता है कि रूस यूक्रेन में लड़ाई जारी रखने के लिए उत्तर कोरियाई गोला-बारूद खरीदने में दिलचस्पी रखता है जबकि उत्तर कोरिया अपने मिसाइल कार्यक्रम को विकसित करने के लिए रूस की मदद चाहता है।

पुतिन के निमंत्रण पर उत्तर कोरियाई नेता ने किया रूस का दौरा

रवाना हुए। आरआईए नोवोस्ती समाचार एजेंसी के मुताबिक, किम जोंग उन को ले जाने वाली ट्रेन रूस के सुदूर पूर्वी शहर अर्तान में रेलवे स्टेशन से रवाना हुई, और रूसी अधिकारियों ने उन्हें विदा किया। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन



किम जोंग उन ने रूसी रक्षा मंत्री से की मुलाकात

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया (डीपीआरके) के शीर्ष नेता किम जोंग उन ने रूस के सुदूर पूर्व शहर व्लादिवास्तोक की अपनी यात्रा के दौरान रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु से शनिवार को मुलाकात की। आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने रिवार को यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि सर्वश्री किम और शोइगु ने क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सैन्य और राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की। साथ ही, दोनों देशों के सशस्त्र बलों और राष्ट्रीय रक्षा तथा सुरक्षा के क्षेत्र में रणनीतिक एवं सामरिक समन्वय, सहयोग, आपसी आदान-प्रदान को और मजबूत करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इस बीच रूस ने कहा है कि उत्तर कोरिया के नेता ने रूस की यात्रा के दौरान किसी समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। उत्तर कोरियाई नेता फिलहाल रूस की यात्रा पर हैं। रूसी राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्रि पेसकोव ने कहा, किसी समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए गए और किसी पर हस्ताक्षर करने की कोई योजना नहीं थी। रूस का बयान ऐसे समय में आया है जब पश्चिमी देश इस बात पर चिंता व्यक्त कर रहे हैं कि दोनों अलग-थलग देश हथियार सौदे की तैयारी कर रहे हैं। श्री किम ने इस सप्ताह की शुरुआत में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की मना जाता है कि रूस यूक्रेन में लड़ाई जारी रखने के लिए उत्तर कोरियाई गोला-बारूद खरीदने में दिलचस्पी रखता है जबकि उत्तर कोरिया अपने मिसाइल कार्यक्रम को विकसित करने के लिए रूस की मदद चाहता है।

क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सैन्य और राजनीतिक स्थिति पर की चर्चा

जाटो 2024 में करेगा सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास

ब्रूसेल्स, 17 सितम्बर (एजेंसियां)। जाटो शीत युद्ध के बाद 2024 में जर्मनी, पोलैंड और तीन बाल्टिक राज्यों में 'स्टोडफास्ट डिफेंडर' नामक अपना सबसे बड़ा अभ्यास आयोजित करेगा। सैन्य समिति के अध्यक्ष एडमिरल रॉब बाउर ने शनिवार को यह जानकारी दी।



सैन्य समिति के अध्यक्ष एडमिरल रॉब ने दी जानकारी

नॉर्वेजियन सशस्त्र बलों के प्रमुख एरिक क्रिस्टोफरसन के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन बाउर ने कहा, 2024 में, गठबंधन शीत युद्ध के बाद से अपना सबसे बड़ा सामूहिक रक्षा अभ्यास आयोजित करेगा-स्टोडफास्ट डिफेंडर। गठबंधन के 40,000 से अधिक सैनिक जर्मनी, पोलैंड और तीन बाल्टिक राज्यों में अभ्यास करेंगे, उन्होंने जाटो के हवाले से कहा गठबंधन सामूहिक रक्षा के नए युग में कदम रख रहा है। स्टोडफास्ट डिफेंडर एक वार्षिक जाटो के नेतृत्व वाला अभ्यास है जिसे यह सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है कि गठबंधन की सेनाएं प्रशिक्षित हैं, एक साथ काम करने में सक्षम हैं, और किसी भी दिशा से किसी भी खतरे का जवाब देने के लिए तैयार हैं।

सुडोकू 6320

1	6	8	3	2	
4	2		9	1	8
7	9	5	2		
			8		9
6	1	8			4 5 2
3			5		
			3 5 6		8
3			6 8		2 1
		1	2	9 3	5

: नियम :
1. कुल 81 (9x9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3x3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।
हल आज ही के अंक में

वर्ग पहली 6320

१	२	३	४	५	
७					९
		१०			
	११	१२		१३	
			१४		
१५	१६			१७	१८
			१९	२०	
२१				२२	२३
	२४				

बायें से बायें:-
१. जिस दिन किसी का जन्म हुआ हो
४. चिड़िया, नकल उतारना, उपहास का विषय
६. माथा, ललाट
७. दबने या दबाए जाने का भाव
८. निलंब, बेहया
१०. गुलामी
११. 'शेयर होल्डर'
१३. दुष्ट व्यक्ति
१४. जीवावशेष
१५. प्राकृतिक, नैसर्गिक (उर्दू)
१७. उंट के नाक में डाली जाने वाली रस्सी
१९. जट, सुई या किसी नुकली चीज की नोक
२१. पूर्वता, नासमझी (उर्दू)
२२. के सहारे के द्वाग
२४. ओस (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-
१. परशुराम के पिता
२. दो दिशाओं के बीच की जगह
३. बुद्धिमान
४. बेचैनी
५. पथिक, रहगीर
६. आंसू
११. लक्ष्मण के एक पुत्र का नाम
१२. भूमि, जमीन
१३. शत्रु, बैरी
१४. बहदुर, साहसी, हिम्मतवर
१५. वह पत्र या कागज जिसमें किसी संकेत को कुंजी करने संबंधी आदेश लिखा हो (उर्दू)
१६. चंद्रमा
१८. सिर्फ मात्र
१९. स्वर्ण, सोना
२०. किस समय
२३. और और

वर्ग पहली-6319

१	२	३	४	५	६	७	८	९
म	रा	र	जी	रु	का	व	ट	
ल	क		उ	रु	ह			
६	भा	ट	क	क	ज	ल	म	न
व	म		सा	कि	न			शा
	ज	ल	से	ना		वि	प्ल	व
१४	ज		व	ध	म	नी		त
आ	र	क्ष	क	व	त	था		
व		म		क	ल	गी	ति	
१७	द	क्ष	ता	म	द	र	का	र
क			मु	ठ	भे	डु		स

सुदूर पूर्व कुरेशी, मो. 8109948408

सुडोकू 6320 का हल

1	5	6	8	7	3	2	9	4
4	2	3	9	1	6	5	8	7
7	8	9	5	2	4	1	6	3
2	4	5	6	8	1	7	3	9
6	1	8	3	9	7	4	5	2
3	9	7	4	5	2	8	1	6
9	7	2	1	3	5	6	4	8
5	3	4	7	6	8	9	2	1
8	6	1	2	4	9	3	7	5

दुनिया को जाने

दुनिया भर में फैल रही है चीनी जैस्मीन की खुशबू

बीजिंग, 17 सितम्बर (एजेंसियां)। वर्ष 2023 हंगचोउ जैस्मीन सांस्कृतिक महोत्सव 19 से 20 सितंबर तक चीन के हंगचोउ जैस्मीन प्रदेश के नानमिंग और हंगचोउ क्षेत्रों में आयोजित होगा। इस बार महोत्सव का थीम है- हरित नेतृत्व, स्वास्थ्य और सौंदर्य। इस मौके पर उद्घाटन समारोह, वर्ष 2023 जैस्मीन (चाय) उत्पादन और बिक्री स्थिति विश्लेषण बैठक, पारिस्थितिक विकास थीम आदान-प्रदान बैठक, वर्ष 2023 जैस्मीन चाय उत्पाद गुणवत्ता और ब्रांड पहचान सर्वेक्षण गतिविधि आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। बताया जाता है कि हंगचोउ चीन में जैस्मीन का गृहनागर है। जैस्मीन के फूल और जैस्मीन चाय दोनों का उत्पादन दुनिया के कुल उत्पादन के 60 प्रतिशत से अधिक है, और इसे विश्व की जैस्मीन राजधानी की प्रतिष्ठा प्राप्त है। वर्तमान में, हंगचोउ ने डिजिटल ग्रामीण पायलट निर्माण से लाभ उठाकर संपूर्ण जैस्मीन उद्योग श्रृंखला के सूचनाकरण निर्माण को बढ़ावा दिया।

दैनिक पंचांग

mypanandit.com
24 hour astrology service
बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : सोमवार 18 सितम्बर, 2023 भाद्र शुक्ल पक्ष 4

राशिफल

- मेघ** - आज का दिन गृहस्थ एवं दंपत्य जीवन के लिए बहुत अनुकूल है। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय गुजरेगा। वहीं आप प्रेम का सुख अनुभव पा सकेंगे। आर्थिक लाभ तथा प्रवास की भी संभावना है।
 - वृषभ** - आज का दिन शुभ फलदायी है। आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। सारा दिन आप आनंद और उल्लास में गुजारे वाले हैं। दिन के सभी काम योजनानुसार पूरे होंगे। इनकम की संभावना रहेगी।
 - मिथुन** - आप तन एवं मन की अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। आज नया काम शुरू करने की योजना बनेगी, हालांकि आज आप इंतजार करें। बाद-विवाद में मानहानि होने की आशंका है।
 - कर्क** - आपके लिए आज का दिन मिश्रित फलदायी है। आज आपमें आनंद एवं स्मृति का अभाव रहेगा। मन में किसी बात की चिंता रह सकती है। घर में झगड़े का वातावरण रहेगा। स्वजनों के साथ मनमुटव हो सकता है।
 - सिंह** - आपका आज का दिन शुभ फलदायी है। स्वास्थ्य को दृष्टि से आज का दिन अच्छा है। भाई-बंधुओं के साथ समय आनंदपूर्वक गुजरेगा। उनसे लाभ भी होगा। किसी सुंदर स्थल पर घूमने जाना हो सकता है।
 - कन्या** - आज का दिन आपके लिए शुभ फल देनेवाला है। अपनी मौठी वाणी से किसी का भी दिल आप जीत सकते हैं। आपके काम सिद्ध होने की काफी संभावना है। परिवार में आनंद का वातावरण रहेगा।
 - तुला** - आप का दिन शुभ फलदायी है। आज आपकी रचनात्मक और कलात्मक शक्ति निखरेगी। शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का खास ध्यान रखें। विचार को दृढ़ता से आप काम को अच्छी तरह से पूरा कर पाएंगे।
 - वृश्चिक** - आनंद-प्रमोद, मनोरंजन के पीछे धन खर्च होगा। मानसिक चिंता एवं शारीरिक कष्ट के कारण आप परेशान रहेंगे। बातचीत में किसी के साथ गलतफहमी न हो, इसका विशेष ध्यान रखें।
 - धनु** - आर्थिक, सामाजिक और पारिवारिक दृष्टि से आपके लिए आज का दिन लाभदायी है। गृहस्थजीवन का संपूर्ण आनंद ले पाएंगे। आप रोमांटिक बने रहेंगे। मित्रों के साथ किसी रमणीय स्थल पर घूमने जा सकते हैं।
 - मकर** - आप का दिन संघर्षमय रहेगा। आज के दिन आग, पानी या वाहन सम्बंधित दुर्घटना हो सकती है, आप सावधान रहें। व्यापार में चिंता बनी रहेगी। व्यापार के लिए यात्रा करने से लाभ होगा। अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।
 - कुंभ** - आपका दिन मिश्रित फलदायी है। आप का स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा। फिर भी मानसिक शांति प्राप्त कर पाएंगे। काम करने का उत्साह मंद होगा। अधिकारियों से संभलकर चलना हितकर है। खर्च अधिक होगा।
 - मीन** - आज आकस्मिक धन लाभ के योग हैं। मानसिक तथा शारीरिक श्रम के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। सटी, सांस की तकलीफ, खांसी और पेट दर्द की परेशानी हो सकती है। खर्च में वृद्धि होगी।
- नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारुवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

- 1180 - फिलिप अगुस्टस फ्रांस का राजा बना।
- 1615 - इंग्लैंड के राजा जेम्स प्रथम के एक्सचेंजर थामस रॉ जहाँगीर से मिलने सूरत पहुँचा।
- 1803 - अंग्रेजों ने ओडिशा के पुरी पर कब्जा किया।
- 1809 - लंदन में रॉयल ऑपेरा हाउस खुला।
- 1851 - न्यूयार्क टाइम्स अखबार ने प्रकाशन शुरू किया।
- 1922 - हंगरी लीग ऑफ नेशंस में शामिल हुआ।
- 1926 - अमेरिका के मियामी में चक्रवाती तूफान से 250 लोगों की मौत।
- 1967 - नागालैंड ने अंग्रेजी को आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया।
- 1987 - अमेरिका और सोवियत संघ ने मध्यम दूरी के मिसाइल को हटाने के लिये हस्ताक्षर किये।
- 1988 - बर्मा ने अपना संविधान रद्द किया।
- 1986 - मुम्बई से पहली बार महिला चालकों ने जेट विमान उड़ाया।
- 1997 - सं.रा. अमेरिका ने %होलोग्राम नाम से भूमिगत परमाणु परीक्षण किया, ओजोन परत की रक्षा के लिए 100 देशों ने सन् 2015 तक मिथाइल ब्रोमाइड का उत्पादन बन्द करने का निश्चय किया।
- 1998 - सं.रा. अमेरिका के ऊपर संयुक्त राष्ट्र का 1 अरब डॉलर बकाये की घोषणा।
- 2003 - ढाका-अगरतला बस सेवा शुरू।
- 2006 - रूसी राकेट सोयूज अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना। संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद की दौड़ में अफगानिस्तान के पूर्व वित्तमंत्री अशरफ गनी शामिल।



पाकिस्तान सरकार ने सार्वजनिक एयरलाइंस को बेलआउट पैकेज दिया

सरकार ने अब एयरलाइन के निजीकरण की योजना बनाई

इस्लामाबाद, 17 सितम्बर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की प्रमुख एयरलाइन वर्षों से सरकार के लिए एक बड़ी वित्तीय देनदारी बन गई है। इसका वित्तीय संकट हर साल गहराता जा रहा है और इसे चालू रखने के लिए अरबों पाकिस्तानी रुपये का बेलआउट पैकेज देना पड़ता है। हालांकि, अब सरकार ने सरकार ने अब एयरलाइन के निजीकरण की योजना बनाई है। पाकिस्तान इंटरनेशनल

पाकिस्तान सरकार ने सार्वजनिक एयरलाइंस को बेलआउट पैकेज दिया

इस्लामाबाद, 17 सितम्बर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के एवान-ए-सद्र में राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने रिवार को न्यायमूर्ति काजी फेज इसा को देश के 29वें मुख्य न्यायाधीश की शपथ दिलाई। 'डॉन' समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह में कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवरुल हक काकर, सेना प्रमुख असौम मुनीर,पूर्व सीजेपी इफ्तखार चौधरी और तसदुक जिलानी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। रिपोर्ट में बताया गया है कि समारोह की शुरुआत पवित्र कुरान के पाठ से हुई और नियुक्ति की अधिसूचना पढ़ी गई। इसके बाद राष्ट्रपति ने जस्टिस इसा को मुख्य न्यायाधीश की शपथ दिलाई।

न्यायमूर्ति फैजा इसा ने पाकिस्तान के 29वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में ली शपथ

इस्लामाबाद, 17 सितम्बर (एजेंसियां)। अमेरिका के टेक्सास प्रांत के अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन को महाभियोग प्रक्रिया के बाद भ्रष्टाचार के आरोपों से बरी कर दिया गया है। बीबीसी ने रिवार को बताया कि श्री पैक्सटन से जुड़े मामले ने अमेरिकी राज्य पर शासन करने वाले रिपब्लिकन को विभाजित कर दिया था। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सहयोगी श्री पैक्सटन मई में निलंबित होने के बाद अपने कार्यालय में फिर से अपने काम शुरू कर सकते हैं। श्री पैक्सटन ने कहा, सच्चाई को कीचड़ उछालने वाले राजनेताओं या उनके शक्तिशाली संरक्षकों द्वारा दबाया नहीं जा सकता। राज्य सीनेट में हुए मतदान में उन्हें 16 मतों से बरी कर दिया गया। मत में टेक्सास हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 60 से अधिक रिपब्लिकन ने भ्रष्टाचार, न्याय में बाधा, रिश्तदारखोरी और सार्वजनिक विश्वास के दुरुपयोग के मामले में राज्य के शीर्ष वकील पर महाभियोग चलाने के लिए राजनीतिक दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एक साथ आ गये थे पर राज्य की सीनेट में - जिसमें पार्टी का वर्चस्व भी है - केवल दो रिपब्लिकन ने किसी भी मामले में उन्हें पद से हटाने के लिए मतदान किया।

ब्राजील के अमेज़न विमान हादसे में 14 लोगों की मौत

साओ पाउलो, 17 सितम्बर (एजेंसियां)। उत्तरी ब्राजील के अमेज़ोनस राज्य के अंतर्देशीय शहर बार्सिलोस में शनिवार को एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अमेज़ॉनस के गवर्नर विल्सन लीमा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, वे सभी पर्यटक थे जो मछली पकड़ने की यात्रा पर जा रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जानकारी से पता चला है कि सभी पर्यटक ब्राजील के थे। यह बताया गया कि पायलट को मछली पकड़ने के खेल स्थल बार्सिलोस में लैंडिंग के लिए रनवे ढूँढने में परेशानी हुई। दुर्घटनाग्रस्त विमान एम्बेरयर ईएमबी 100 बेंडरेटो कम्पनी के मालिक, मनौस एयरोटेक्नी एयरलाइन्स ने एक सोशल मीडिया बयान में दुर्घटना की पुष्टि की। बार्सिलोस के मेयर एडसन मेंडेस के अनुसार, नागरिक सुरक्षा टीमों को 14 शव मिले, जिनमें 12 यात्री, पायलट और सह-पायलट शामिल हैं।

रामास्वामी एच-1बी वीजा प्रणाली को खत्म करना चाहते हैं : रिपोर्ट

वाशिंगटन, 17 सितम्बर (एजेंसियां)। बहुप्रतीक्षित एच-1बी वीजा प्रणाली की गिरमिटिया दासता बताते हुए भारतीय-अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ने 2024 में सत्ता में आने पर इसे खत्म करने की बात कही है। यह जानकारी पोलिटिको ने दी। अपनी फार्मा कंपनी के लिए उच्च-कृशल पेशेवरों को नियुक्त करने के लिए स्वयं इस प्रणाली का 29 बार उपयोग कर चुके रामास्वामी ने कहा कि अस्थायी कर्मचारी वीजा प्रणाली इसमें शामिल सभी लोगों के लिए खराब है, और अमेरिका को इस प्रकार के प्रवासन को खत्म करने की जरूरत है। पोलिटिको ने 38 वर्षीय उद्यमी के हवाले से कहा, लॉटरी प्रणाली को वास्तविक योग्यता प्रवेश द्वारा

टेक्सास के अटॉर्नी जनरल पैक्सटन भ्रष्टाचार के आरोपों से बरी

टेक्सास, 17 सितम्बर (एजेंसियां)। अमेरिका के टेक्सास प्रांत के अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन को महाभियोग प्रक्रिया के बाद भ्रष्टाचार के आरोपों से बरी कर दिया गया है। बीबीसी ने रिवार को बताया कि श्री पैक्सटन से जुड़े मामले ने अमेरिकी राज्य पर शासन करने वाले रिपब्लिकन को विभाजित कर दिया था। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सहयोगी श्री पैक्सटन मई में निलंबित होने के बाद अपने कार्यालय में फिर से अपने काम शुरू कर सकते हैं। श्री पैक्सटन ने कहा, सच्चाई को कीचड़ उछालने वाले राजनेताओं या उनके शक्तिशाली संरक्षकों द्वारा दबाया नहीं जा सकता। राज्य सीनेट में हुए मतदान में उन्हें 16 मतों से बरी कर दिया गया। मत में टेक्सास हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 60 से अधिक रिपब्लिकन ने भ्रष्टाचार, न्याय में बाधा, रिश्तदारखोरी और सार्वजनिक विश्वास के दुरुपयोग के मामले में राज्य के शीर्ष वकील पर महाभियोग चलाने के लिए राजनीतिक दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एक साथ आ गये थे पर राज्य की सीनेट में - जिसमें पार्टी का वर्चस्व भी है - केवल दो रिपब्लिकन ने किसी भी मामले में उन्हें पद से हटाने के लिए मतदान किया।

परेशानी नई वैक्सीन से अमेरिका कर रहा पूरी तैयारी सर्दियों में बढ़ सकता है कोविड का खतरा

नई दिल्ली, 17 सितम्बर (एजेंसियां)। दुनिया ने तीन साल की महामारी और इसके भारी असर के बाद सामाज्य जीवन जीना शुरू ही किया था, कि एक बार फिर से कोविड-19 वैरिएंट का प्रकोप सामने आ गया। अमेरिका में कोविड मामलों में वृद्धि ने स्कूलों, कार्यस्थलों और सरकारी कार्यालयों को प्रभावित किया है। अस्पताल भर्ती होने वालों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने इस सप्ताह सिफारिश की

नई वैक्सीन से अमेरिका कर रहा पूरी तैयारी सर्दियों में बढ़ सकता है कोविड का खतरा

है कि इस साल सर्दियों में बीमारी के संभावित गंभीर परिणामों से बचाने के लिए 6 महीने और उससे अधिक उम्र के सभी लोगों को अपडेटेड कोविड-19 वैक्सीन मिलनी चाहिए। फाइजर-बायोएनटेक और माँडवॉन के अपडेटेड कोविड-19 टीके इस हफ्ते के अंत में उपलब्ध किए जाने वाले हैं। सीडीसी ने अपने ताजा अपडेट में कहा, टीकाकरण कोविड-19 के खिलाफ सबसे अच्छा बचाव है। टीकाकरण से आपके लंबे समय तक रहने वाले कोविड के प्रभावों से पीड़ित होने की संभावना भी कम हो जाती है। कोविड-19 का कारण बनने वाला वायरस हमेशा बदलता रहता है, लेकिन टीकों के कारण खतरा कम हो जाता है। सीडीसी निदेशक मैडी कोहेन ने कहा, कोविड-19 के सबसे खराब परिणामों को रोकने



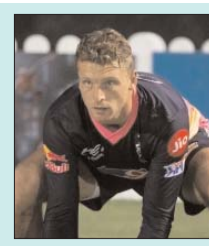
अमेरिका में कोविड मामलों में वृद्धि ने स्कूलों, कार्यस्थलों और सरकारी कार्यालयों को प्रभावित किया

के लिए हमारे पास पहले से कहीं अधिक दूरस हैं। पिछले हफ्ते, अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने फाइजर और माँडवॉन के नव-निर्मित कोविड

खेल जगत्

विश्व कप टीम के साथ कठिन निर्णय लेना होगा : बटलर

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने स्वीकार किया है कि जेसन रॉय और संभवतः जो रूट को अगले सप्ताह आयरलैंड के खिलाफ वनडे टीम में शामिल किया जा सकता है, क्योंकि इंग्लैंड भारत में 5 अक्टूबर से शुरू होने वाले विश्व कप से पहले अपने अनुभवी खिलाड़ियों को फॉर्म हासिल करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करना चाहता है। विश्व कप टीम में रॉय का स्थान संदेह के घेरे में दिखाई दे रहा था क्योंकि पीठ की ऐंठन के कारण उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला जीत में भाग लेने से रोक दिया गया था। अपनी फिटनेस साबित करने के लिए उन्हें आयरलैंड के खिलाफ अगले हफ्ते होने वाले एकदिवसीय मैचों के लिए टीम में शामिल किया जा सकता है, क्योंकि इंग्लैंड को 28 सितंबर से पहले विश्व कप 15 की पुष्टि करनी होगी।



सिराज के गेंद से 'छक्के' से भारत ने आठवीं बार जीता क्रिकेट एशिया कप

■ भारत ने फाइनल में श्रीलंका को दी दस विकेट से करारी शिकस्त

सत्येन्द्र पाल सिंह
नई दिल्ली, 17 सितंबर (देशबन्धु)। 29 बरस के नीजवान तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज (6/21) के गेंद से 'छक्के' तथा इशान किशन और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी की असमाप्त अर्द्धशतकीय भागीदारी की बदौलत भारत ने पिछले विजेता श्रीलंका को वन डे एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में उसके ही कोलंबो के प्रेमदास स्टेडियम में रविवार को दस विकेट से हरा कर खिताब जीत लिया। भारत ने कुल सबसे ज्यादा आठवीं बार खिताब जीत कर यह साबित किया कि वह एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। भारत ने सात बार एशिया कप वन डे फॉर्मेट में एक बार टी-20 फॉर्मेट में जीता। भारत के लिए अब से तीन हफ्ते बाद अपने घर में होने वाले वन डे क्रिकेट विश्व कप से पहले बहुत ही सला बढ़ाने वाली है। भारत के लिए इस खिताबी जीत के साथ सबसे बड़ी खुशखबरी चोट और आपरेशन के बाद फिट होकर विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल की शानदार वापसी है ही तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने भी यह साबित किया कि वह वन डे विश्व कप के बड़े इतिहास के लिए भी तैयार है। मोहम्मद सिराज ने नई गेंद से रफ्तार के साथ धार दिखाकर इस बहस को भी खत्म कर दिया कि भारत ने उन्हें अनुभवी जसप्रीत बुमराह के साथ नए गेंद से गेंदबाजी के लिए मोहम्मद शमी की बजाय क्यों तरजीह दी।

मैन ऑफ द मैच भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज (6/21) ने बेहतरीन स्विंग गेंदबाजी की बानगी दिखा अपने वन डे करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी कर 'छक्का' जड़ उपकसान हार्दिक पांड्या (3/3) के साथ



मिलकर टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने वाली श्रीलंका को 15.2 ओवर में मात्र 50 रन पर ढेर कर उसकी फाइनल में जीत की नींव रख दी थी। मोहम्मद सिराज का गेंदबाजी का पहला स्पेल रहा 7-1-21-6। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की श्रीलंका के बल्लेबाजों को आगे आकर खिलाने की रणनीति कारगर रही। सिराज की यह गेंदबाजी एशिया कप फाइनल में यह किसी भी गेंदबाज का दूसरा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। फाइनल बारिश होने के कारण 40 मिनट देर से जरूर शुरू हुआ लेकिन सिराज के गेंद से कहर ने इसकी कमी कदाई खलने नहीं दी। सिराज ने सबसे वन डे अंतराष्ट्रीय क्रिकेट

के इतिहास में सबसे तेज 50 विकेट पूरे किए। जवाब में इशान किशन और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी की 6.1 ओवर में 51 रन की अटूट भागीदारी की बदौलत भारत ने बिना कोई विकेट खाए यह फाइनल जीत लिया। इशान किशन 18 गेंद खेल कर तीन चौकों की मदद से 23 तथा शुभमन गिल 19 गेंद खेल कर छह चौकों की मदद से 27 रन बनाकर अविजित रहे। भारत को पहली कामयाबी उसके तुरफ के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अपनी मैच की तीसरी कोण बनाती गेंद पर कुशल पररा(0) को विकेटकीपर केएल राहुल के हाथों

करा कर दिलाई थी। भारत के लिए श्रीलंका के खिलाफ सभी दस विकेट उसके तेज गेंदबाजों ने हासिल किए। श्रीलंका के मात्र दो बल्लेबाज दहाई के अंकों में पहुंच पाए विकेटकीपर कुशल मंडिस (17 रन, 34 गेंद, तीन चौके) और दुशन हेमंत (अविजित 13 रन, 15 गेंद, एक चौका)। श्रीलंका की पारी में कुल पांच चौके लगे। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने बेहतरीन स्विंग गेंदबाजी की बानगी पेश कर 16 गेंदों में पांच विकेट चटका कर मात्र 5.4 ओवर श्रीलंका के मात्र 12 रन पर छह विकेट चटका कर टॉस जीतने के फैसले को गलत साबित कर उसकी बल्लेबाजी की कम्मर ही तोड़ दी। मोहम्मद

आपको वही मिलता है जो आपकी किस्मत में होता है : सिराज

‘मैन ऑफ द मैच’ भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने श्रीलंका के खिलाफ छह विकेट चटकाने के बाद कहा, मैं एकदम सहज रहा। मैंने एकदम सही लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी की। रविवार को मेरा श्रीलंका के खिलाफ छह विकेट चटकाना वाकई सपने की तरह था। मैंने पिछली बार श्रीलंका के खिलाफ तिरुवनंतपुरम में शुरू में जल्दी चार विकेट लिए थे लेकिन पांच विकेट नहीं चटका पाया था। मैंने अहसास किया कि आपको वही मिलता है जो आपकी किस्मत में होता है। मुझे लगा कि आज यानी रविवार को मुझे छह विकेट मिलना तय ही था। मुझे एशिया कप के पहले मैचों में ज्यादा स्विंग नहीं मिली थी लेकिन रविवार को मुझे स्विंग मिली। मैं बल्लेबाज को हर गेंद खिलाना चाहता था। मेरे लिए यह आसा संतोषजनक रहा कि मैंने आउटस्विंग पर विकेट मिले क्योंकि आमतौर पर मैं वॉल(ड्रगमगाली) सीम गेंद पर विकेट लेता हूँ।

सिराज ने अपने दूसरे तथा श्रीलंका की पारी की चौथी ओवर में विकेट की झड़ी लगा- पहली ऑफ स्टंप पर गिर जरा बाहर जाती गेंद पर सलामी बल्लेबाज पथुम निशांका(2) को पुरा कर शॉर्ट मिड विकेट पर रवींद्र जडेजा के हाथों कैच कराया, सिदारा समरविक्रमा(0) उनकी तीसरी ऑफ स्टंप पर गिर भीतर आती गेंद को खेलने से चूके और एलबीडब्ल्यू आउट हुए, चरित असांलंका ने उनकी ऑफ स्टंप पर गिर जरा बाहर निकली गेंद पर खड़े खड़े बल्ल चलाया सीधे कवर पर खड़े इशान किशन(0) को कैच धमया और धनंजय डिसिल्वा (4) उनकी गेंद गुडलेंथ गेंद को अपने शरीर से दूर खेलने की कोशिश में विकेटकीपर केएल राहुल को कैच करा अपने इस ओवर में चार विकेट चटका कर श्रीलंका स्कोर चार ओवर में 12 रन कर दिया। बुमराह ने अगला ओवर मेडन फेंका और सिराज ने अपने तीसरे ओवर की चौथी गेंद पर कसान दसुन षणाका (0) को बोल्ट गेंद अपना पांचवां विकेट चटका श्रीलंका का स्कोर छह विकेट पर 12रन कर दिया।

कुशल मंडिस (17) सिराज के पांचवें ओवर की चौथी गेंद ऑफ स्टंप पर गिर कर जरा बाहर निकली गेंद पर बल्ल चलाया लेकिन विकेटकीपर केएल राहुल कैच लपकने से चूक गए। मंडिस (17 रन, 34 रन, तीन चौके) को मोहम्मद सिराज ने अपने अगले और छठे ओवर दूसरी ऑफ स्टंप पर गिर भीतर आती गेंद पर बोल्ट कर श्रीलंका का स्कोर सात विकेट पर 33 कर दिया। मोहम्मद सिराज ने उनकी ऑफ स्टंप की पारी में लगातार छह विकेट था। उपकसान हार्दिक पांड्या ने अपने दूसरे ओवर की चौथी गेंद पर तेज बाउंस पर दिवुथ वलालगे (8 रन, 21 गेंद) को विकेटकीपर केएल राहुल के हाथों कैच करा श्रीलंका का स्कोर 12.3 ओवर में आठ विकेट पर 40 रन कर दिया। श्रीलंका के स्कोर में दस रन और जुड़े थे कि हार्दिक पांड्या ने अपने तीसरे ओवर की पहली ही गेंद पर प्रमोद मडुशन को पहली रिलफ में विराट कोहली के हाथों और अगली गेंद पर मतीशा पथिरान (0) को इशान किशन के हाथों कैच करा मात्र 15.2 ओवर में श्रीलंका की पारी मात्र 50 रन पर समेट दी।

युवा शूटिंग सितारे ऐश्वर्या-मेहुली अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। निशानेबाजों ने एशियाई खेलों के इतिहास में नौ स्वर्ण सहित 57 पदक जीतकर भारत के लिए संयुक्त रूप से दूसरे सबसे अधिक पदक अर्जित किए हैं। यह मुक्केबाजी के समान ही है, जिसने महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत के लिए नौ स्वर्ण सहित 57 पदक जीते हैं। हालाँकि, 70 के दशक में कर्णी सिंह और रणधीर सिंह की ट्रेप में शुरुआती सफलता के विपरीत, शूटिंग में भारत की प्रोफाइल पिछले कुछ दशकों में पिस्तौल, एयर राइफल और शूटिंग के विभिन्न वर्गों में सफलता के साथ बढ़ी है। रणधीर सिंह एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय निशानेबाज थे और इस विरासत को जसपाल राणा, गगन नारंग, समरेश जंग, विजय कुमार, सोमा दत्ता, अंजलि भागवत और राही सरनोबत जैसे खिलाड़ियों ने जारी रखा। जकार्ता में 2018 खेलों में निशानेबाजों की एक युवा पीढ़ी ने विरासत को आगे बढ़ाया जब 16 साल और 101 दिन की उम्र में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में जीत हासिल करके सौरभ चौधरी खेलों में भारत के सबसे कम उम्र के स्वर्ण पदक विजेता बने। विश्व चैंपियनशिप और विश्व कप में युवा भारतीय निशानेबाजों की हालिया प्रगति को देखते हुए, भारत को चीनी शहर हांगझाऊ में 23 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों में निशानेबाजों से अच्छे पदकों की उम्मीद करनी चाहिए। हालाँकि भारतीय निशानेबाज राष्ट्रमंडल खेलों की तरह एशियाई खेलों में बड़ी उपलब्धि की उम्मीद नहीं कर सकते हैं, फिर भी यह पर्याप्त होनी चाहिए क्योंकि हांगझाऊ में अच्छे प्रदर्शन भारत की हालिया सफलता में एक और पंख जोड़ देगा।

स्वर्ण पदक हॉकी पुरुष, महिला टीमों को पेरिस ओलम्पिक 2024 में जगह दिलाएगा

मुंबई, 17 सितंबर (एजेंसियां)। एशियाई खेलों में फील्ड हॉकी प्रतियोगिताओं में हमेशा एक अतिरिक्त आभा होती है क्योंकि हॉकी को स्वर्ण पदक प्राप्त करने के अलावा अगले ओलंपिक खेलों में भी सीधे जगह मिलती है। आमतौर पर दो ओलंपिक खेलों के बीच में आयोजित होने वाली एशियाई खेलों की फील्ड हॉकी प्रतियोगिता न केवल विजेता को महाद्वीप में सर्वोच्चता प्रदान करती है, बल्कि ओलंपिक के लिए शीर्ष योग्यता का अतिरिक्त लाभ भी देती है, इस प्रकार मेगा इवेंट की योजना बनाने और तैयारी करने का मौका मिलता है। 23 सितंबर को चीन के हांगझाऊ में शुरू होने वाले 19वें एशियाई खेलों में महिला और पुरुष हॉकी प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक विजेता आने साल के पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए अपनी जगह पक्की कर लेंगे और मेजबान फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड के साथ चौथे स्थान पर रहेंगे। हांगझाऊ दोनों भारतीय टीमों के लिए एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि प्रतियोगिता वू में पुरुषों और महिलाओं को यह पुष्टि करने का मौका देती है कि कुछ साल पहले टोक्यो ओलंपिक में सफलता कोई तुक्का नहीं थी। टोक्यो में, भारतीय पुरुष टीम ने ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता - चार दशकों में ओलंपिक में देश का पहला पदक।



महिलाओं ने भी खुद को गौरवान्वित महसूस किया और टीम चौथे स्थान पर रही और कांस्य पदक से मामूली अंतर से चूक गईं। इस प्रकार, हांगझाऊ में पुरुष और महिला वन में 12-टीम प्रतियोगिताओं के पुरुष पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी जगह पक्की करने और साथ ही टोक्यो 2020 के बाद से अपनी किस्मत में उछाल को बनाए रखने का मौका होगा। हांगझाऊ में हॉकी प्रतियोगिताएं गोंगशु कैनाल स्पोर्ट्स पार्क स्टेडियम में आयोजित की जाएंगी, जिसमें पुरुषों की प्रतियोगिता में 12 और महिलाओं की प्रतियोगिता में 10 टीमों में भाग लेंगी। उन्नीसवें वर्तमान तकत को देखते हुए, विश्व नंबर 3 भारतीय पुरुष टीम एशियाई खेलों का खिताब जीतने के लिए पसंदीदा है, जो दक्षिण कोरिया के इंचियोन में 2014 संस्करण के बाद उनका पहला महाद्वीपीय स्तर का खिताब होगा, जब उन्होंने स्वर्ण जीतने के लिए चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को पेनल्टी शूट-आउट में हराया था।

न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के लिए बंगलादेश ने प्रमुख खिलाड़ियों को दिया आराम

ढाका 17 सितंबर (एजेंसियां)। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने इस महीने के अंत में न्यूजीलैंड के खिलाफ शेरलू मैदान में पहले दो एकदिवसीय (वनडे) के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम का एलान किया है। जिसमें उसने अपने महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को आराम देने का फैसला किया है। आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 को ध्यान में रखते हुए बंगलादेश ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो वनडे मैचों के लिए अपने महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को आराम दिया है। आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि शाकिब अल हसन की अनुपस्थिति में लिटन दास बंगलादेशी टीम की कप्तान का भार संभालेंगे। जिन खिलाड़ियों को आराम दिए गए उनमें मुश्फिकुर रहीम, मेहदी हसन मिराज और तस्कीन अहमद, हसन महमूद और शोरफूल इस्लाम की पेश बैटरी शामिल हैं। इन खिलाड़ियों को आराम दिए जाने के बावजूद बंगलादेश बंगलादेशी टीम की कप्तान का भार संभालेंगे। जिन खिलाड़ियों को आराम दिए गए उनमें मुश्फिकुर रहीम, मेहदी



हसन मिराज और तस्कीन अहमद, हसन महमूद और शोरफूल इस्लाम की पेश बैटरी शामिल हैं। इन खिलाड़ियों को आराम दिए जाने के बावजूद बंगलादेश बंगलादेशी टीम की कप्तान का भार संभालेंगे। जिन खिलाड़ियों को आराम दिए गए उनमें मुश्फिकुर रहीम, मेहदी

होमी। बंगलादेशी टाइमर्स में तीन अनकैच खिलाड़ियों को टीम में जगह दी है जिनमें साउथथर्प जाकिर हसन, तेज गेंदबाज खालिद अहमद और लेग स्पिनर रिशाद हुसैन हैं। तीनों खिलाड़ी एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान डेब्यू के लिए उतारे जा सकते हैं। नईम शेख, अफीफ हुसैन और शमीम हुसैन एशिया कप टीम के दुर्भाग्यशाली खिलाड़ी थे। बंगलादेशी टीम में जिन खिलाड़ियों का जगह मिली है उनमें लिटन दास (कप्तान), तमीम इकबाल, सोम्य सरकार, अनामुल हक, तौहीद हदोय, महमूद उल्लाह, नुरुल हसन सोहन, महेदी हसन, नसुम अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन, तनजौद हसन, जाकिर हसन, रिशाद हुसैन, खालिद अहमद हैं।

डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे नीरज चोपड़ा

यूजीन (अमेरिका), 17 सितंबर (एजेंसियां)। मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा डायमंड लीग 2023 फाइनल में भाला फेंक स्पर्धा में 83.80 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर रहे। नीरज ने पिछले साल इतिहास रचा था क्योंकि वह डायमंड लीग टूर्नामेंट जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। हालाँकि, वह शनिवार देर रात हेवर्ड फील्ड में खिताब बरकरार रखने में असमर्थ रहे। 2016 और 2017 में पूर्व डायमंड लीग चैंपियन, चेक गणराज्य के जैकब वाडलेच ने 84.24 मीटर के प्रभावशाली शो के साथ अपनी तीसरी चैंपियनशिप हासिल की। 89.94 मीटर का भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड रखने वाले 25 वर्षीय



खिलाड़ी ने पिछले साल इसी स्थान पर 88.13 मीटर के प्रयास के साथ विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। नीरज ने अपने पहले प्रयास में फाउल से शुरुआत की। वह अपने दूसरे श्रो में 83.80 मीटर के साथ वाडलेच के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए, जिन्होंने 84.01 मीटर के

प्रयास के साथ शुरुआत की थी। तीसरे प्रयास में 81.37 मीटर श्रो और उसके बाद नीरज के एक और फाउल ने वाडलेच को बढत बनाए रखने की अनुमति दी, जबकि वाडलेच पहले चार प्रयासों में सिर्फ एक वैध श्रो ही फेंक पाए। टोक्यो 2020 के रजत पदक विजेता वाडलेच ने इस साल दूसरी बार नीरज चोपड़ा को हराने के अंतिम प्रयास के साथ रात का अपना सर्वश्रेष्ठ अंक हासिल किया। वाडलेच ने पिछले महीने ज्यूरिख डायमंड लीग में भी नीरज चोपड़ा को हराया था। फाइनल के रास्ते में, नीरज 2023 डायमंड लीग श्रृंखला के दोहा और लुसाने चरण में विजयी हुए, लेकिन ज्यूरिख में उन्हें दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।

डेविस कप में जीत के साथ बोपन्ना की विदाई, भारत 4-1 से जीता

लखनऊ, 17 सितंबर (एजेंसियां)। रोहन बोपन्ना ने रविवार को यहां डेविस कप विश्व ग्रुप-2 के युगल मुकाबले में अपने जोड़ोदार युकी भांबरी के साथ मोरक्को के खिलाफ जीत दर्ज कर प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपने शानदार करियर को अलविदा कर दिया वहीं सुमित नागल और दिग्विजय प्रताप सिंह ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को घुटनों पर बैठा कर अपने सीनियर के विदाई टूर्नामेंट को यादगार बना दिया। भारत इसके साथ मोरक्को के खिलाफ 4-1 से जीत दर्ज कर अगले साल होने वाले विश्व ग्रुप एक के प्ले आफ में पहुंच गया है।

विजयंतखंड स्टेडियम के हार्ड कोर्ट पर बोपन्ना और युकी भांबरी ने एकतरफा मुकाबले में मोरक्को के इलियट बेनचेदिट और युनुस लालामी लारोसी की जोड़ी को सीधे सेटों में 6-2, 6-1 से हरा दिया जबकि शीर्ष वरीय सुमित नागल ने रिक्स सिंगल में यासीन डिलिमी को 6-3, 6-3 से हरा कर डेविस कप ग्रुप-2 अभियान में भारत की जीत का मार्ग प्रशस्त कर दिया। बाद में दिग्विजय सिंह ने आहदा वलीद को 6-1, 5-7, 10-6 से हरा कर जीत के फासले को 4-1 कर दिया। नागल ने इससे पहले शनिवार को मोरक्को के प्रतिद्वंद्वी एडम मार्शंडर को सीधे सेटों में हराया था हालाँकि शशिकुमार मुकुंद मोरक्को के यासीन डिलिमी के खिलाफ मैराथन एकल मुकाबले में उमस से हार मान कर



मुकाबले से हट गये थे जिसके चलते डिलिमी को उस मैच में जीत मिली थी। यह दूसरा मौका है जब नागल ने डेविस

कप के किसी मुकाबले में अपने दोनों एकल मैच जीते। इससे पहले उन्होंने 2019 में कजाखस्तान में पाकिस्तान के

खिलाफ खेले गए मुकाबले में यह कारनामा किया था। इस जीत से भारत अगले साल होने वाले विश्व ग्रुप एक के प्लेऑफ में पहुंच गया है। 43 वर्षीय रोहन बोपन्ना का डेविस कप करियर में यह आखिरी मुकाबला था। उन्होंने अपने जोड़ोदार युकी भांबरी के साथ विजयंत खंड हार्ड कोर्ट में खेले गये मैच में मोरक्को के खिलाड़ियों के पांव जमने से पहले ही उखाड़ दिये। अमेरिकी ओपन में युगल वर्ग का फाइनल खेल कर लखनऊ आये विश्व के नंबर सात खिलाड़ी ने कोर्ट में अपने अनुभव का भरपूर इस्तेमाल किया और एक घंटे 11 मिनट तक चले मैच में अपने प्रतिद्वंद्वियों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया।

जीत के बाद कोर्ट पर मौजूद प्रशंसकों ने खड़े होकर ताली बजाते हुये उनको विदाई दी। भावुक बोपन्ना ने कोर्ट पर भारतीय टीम की जर्सी उतार कर डेविस कप को अलविदा कहा। भारत के उमदराज खिलाड़ी ने डेविस कप के करियर के दौरान 13 युगल मुकाबलों समेत कुल 33 मैच खेले जिनमें से 23 में उनके खाते में जीत आयी। इस मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी कमजोर दिख रही मोरक्को पर पूरी तरह हावी रहे। मोरक्को के खिलाड़ी अपनी सर्विस बचाने के लिये संघर्ष करते नजर आये। भारत ने पहला सेट मात्र 34 मिनट में अपने नाम किया जबकि दूसरे सेट में भी मामूली संघर्ष के बाद मोरक्को ने घुटने टेक दिये।

सार संक्षेप

प्रीमियर लीग : ब्राइटन ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 3-1 से चौकाया

लंदन। मैनचेस्टर यूनाइटेड का 223-24 सीजन वन से बदतर होता जा रहा है और प्रीमियर लीग में सीजन की उनकी तीसरी हार हो गई, क्योंकि ब्राइटन एंड होव अल्बियन एफसी ने शनिवार को मैनचेस्टर में उन्हें 3-1 से हरा दिया। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने जबरदस्त आक्रमण के साथ शुक्रात की ओर मैच की शुरुआत में कुछ करीबी शॉट देखे, लेकिन ऑल्ड ट्रैफर्ड में गोल करने में अक्षम रहे। इसके बाद उन्होंने मैच के 2वें मिनट में शुरुआती गोल स्वीकार कर लिया, पूर्व यूनाइटेड स्ट्राइकर डेवि वेलबेक ने डिफेंस को चकनाचूर कर दिया और मैच का पहला गोल किया। हालाँकि, यूनाइटेड के लिए बहुत देर नहीं हुई थी क्योंकि वलब के लिए अपना पहला मैच खेल रहे रामसुज होजलुंड बराबरी कर सकते थे लेकिन रेफरी ने गोल को अस्वीकार कर दिया। रॉबर्ट डी जेब्री की शक्तिशाली वोल्वे ने दूसरे हाफ में पूरी तरह से आगे बढ़कर अपना दबदबा बनाए रखा और दूसरे हाफ की शुरुआत में ही दो हमले किए। पाउरूल गॉस और जोआओ पेड्रो ने शानदार गोल किए जिससे ब्राइटन को 3-2 की बढ़त मिल गई, और यूनाइटेड के समर्थक दर्शकों में निराशा बढ़ गई। केवल 18 मिनट शेष रहने पर, यूनाइटेड के प्रतिस्थापन हेनबिन मेजरी एक सांत्वना गोल करने में सफल रहे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

चानू की नजर पहले एशियाई पदक पर

नई दिल्ली। भारत की टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन अर्चिता शूली 23 सितंबर को चीन के हांगझाऊ में शुरू होने वाले एशियाई खेलों के लिए चार सदस्यीय भारतीय भारोत्तोलन टीम में शामिल होंगी। चानू जहां 4.9 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी, वहीं शूली 7.3 किग्रा वर्ग में नजर आएंगी। टीम में बिंदारानी देवी भी शामिल हैं, जिन्होंने 2.21 कॉमनवेल्थ वेस्टिलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। 24 वर्षीय बिंदारानी महिलाओं के 5.5 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी। मौजूदा राष्ट्रीय खेलों के चैंपियन एन अजित भारतीय टीम के अंतिम सदस्य हैं। तमिलनाडु का भारोत्तोलक 7.3 किग्रा वर्ग में अर्चिता शूली के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा। पूर्व विश्व भारोत्तोलन चैंपियन, राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन और ओलंपिक रजत पदक विजेता होने के बावजूद, चानू हांगझाऊ में एशियाई खेलों में पदार्पण करेंगी। चोट के कारण पिछला संस्करण मिस करने के बाद चानू एशियाई खेलों में इतिहास रचने उतरेंगी। दिसंबर 22 में कूले की सर्जरी के बाद पांच महीने के पुनर्वास कार्यक्रम से गुजरने के बाद, एरॉन हॉशिंग के तहत सेंट लुइस स्काट विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण के बाद वह नई प्रतिस्पर्धी कार्रवाई में लौट आईं।



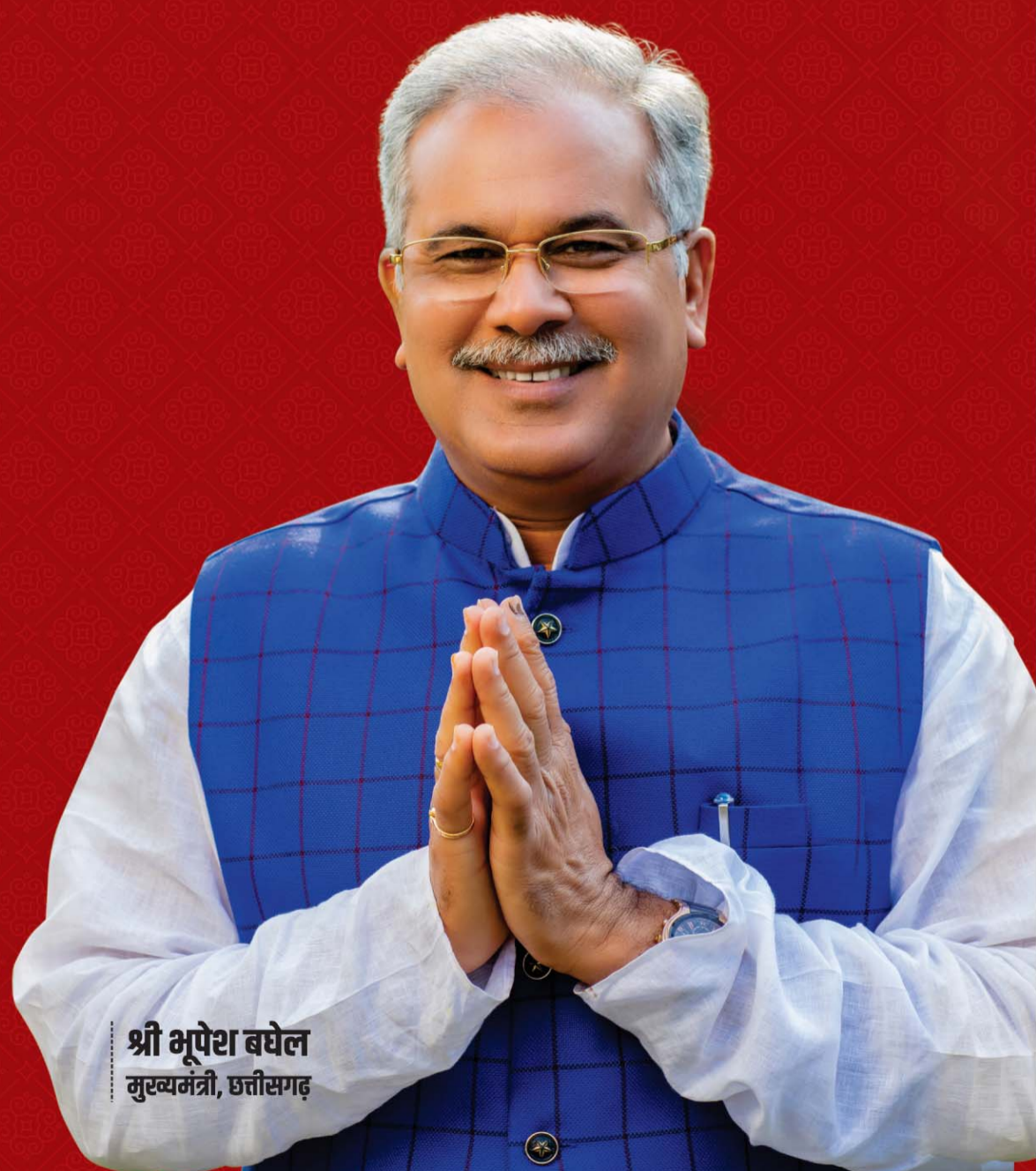
श्रद्धा और विश्वास के पावन पर्व



पर माताओं और बहनों को शुभकामनाएं

समान अवसर और अधिकारों से नारी शक्ति का सम्मान

- ▶ महिला स्व-सहायता समूहों के 12.77 करोड़ रुपये का ऋण माफ
- ▶ राज्य महिला कोष मद में 5 गुना वृद्धि
- ▶ ग्राम सभाओं में 50% आरक्षण, जिला स्वनिज न्यास मद (DMF) के नीति निर्माण में महिलाओं को मिला अधिकार
- ▶ महिला स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा 1.8 लाख महिलाओं को नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधा
- ▶ पंजीकृत श्रमिक परिवार की दो बेटियों को 1-1 लाख रु की सहायता (12वीं कक्षा उत्तीर्ण होने और 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर)
- ▶ महिला उद्यमियों को व्यापार/उद्यम हेतु राज्य महिला उद्यमिता नीति 2023-28 के तहत 10-50 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता व अन्य विशेष अनुदान



श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ सरकार - भरोसे की सरकार